सेंसेक्स	80,710.25
निफ्टी	24,649.55
सोना	1,02,220
चांदी	1,15,000
डॉलर	87.79

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
बुधवार 06 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 312
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

पहाड़ से पानी और मलबा आया, पानी का सैलाब देख लोग चीखने लगे, 34 सेकेंड में लॉज, होटल, घर, बाजार सब तबाह

उत्तरकाशी में बादल फटा...

नई दिल्ली। उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से खीर गंगा गांव बह गया है। घटना मंगलवार दोपहर 1.45 बजे की है। घटना के कई वीडियो और फोटोज सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि पहाड़ी से बारिश का पानी और मलबा आया और 34 सेकेंड में पूरा गांव बहा ले गया। उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्या ने बताया कि अब तक 4 लोगों की मौत की खबर मिली है। 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई लोगों के दबे होने की खबर है। धरावी गांव देहरादून से 218 किमी दूर है। गंगोत्री धाम से 18 किमी दूर है। रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ आर्मी भी मौके पर पहुंच गई है।

पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकानें ध्वस्त हो चुकी हैं। यहां पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। सीएम धामी ने कहा कि हम हालातों पर नजर बनाए हुए हैं।

पूरा गांव जमींदोज... 4 की मौत, 50 लापता

सेना ने 20 लोगों को बचाया

भारतीय सेना ने बताया कि हर्षिल स्थित भारतीय सेना शिविर से लगभग 4 किलोमीटर दूर, धराली गांव के पास बादल फटने से लैंडस्लाइड हुआ। सेना ने 150 कर्मियों को तैनात किया जो 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए और तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। अब तक 15-20 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला जा चुका है, और घायलों को हर्षिल स्थित भारतीय सेना के चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। सर्च और रेस्क्यू का काम चल रहा है। फंसे हुए लोगों का पता लगाने और उन्हें निकालने के लिए सभी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है, और भारतीय सेना प्रभावित नागरिकों को हर संभव मदद कर रही है।

पूरा गांव तबाह हो गया

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धराली में कल रात से लगातार बारिश हो रही है, यहां खीरगंगा नदी में बादल फटने से भारी तबाही मची है। ये ऐसा मंजर था जिसने केदारनाथ त्रासदी की याद दिला दी। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि करीब 100 से ज्यादा लोग यहां दबे हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और सेना भी पहुंचने वाली है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। खीरगंगा नदी में बादल फटने से पूरा गांव तबाह हो गया है।

अमित शाह ने फोन पर लिया हादसे का जायजा

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में बादल फटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने फोन पर जानकारी ली है। इस दौरान उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। वहीं, पीएम मोदी ने ङ्ग पर पोस्ट कर कहा कि राहत और बचाव की टीमें हरसंभव प्रयास में जुटी हैं। लोगों तक मदद पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

ट्रम्प ने रुस से तेल खरीदने पर नाराजगी जाहिर करते हुए फिर कहा,

अब भारत पर 24 घंटे में और बढ़ा टैरिफ लगाउंगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत को लेकर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए एक बार फिर कहा, कि वे अगले 24 घंटे के भीतर भारत पर और ज्यादा टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने जा रहे हैं। इसी के साथ ट्रंप ने भारत को एक अच्छा बिजनेस पार्टनर नहीं होने की बात कही और रूस से तेल खरीदने पर नाराजगी जताते हुए कहा, कि यह रूसी युद्ध मशीन को ईंधन देने जैसा है।

एक इंटरव्यू के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिका से भारी मात्रा में व्यापार करता है, लेकिन बदले में अमेरिका को कोई बड़ा फायदा नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि भारत के टैरिफ दुनिया में सबसे ज्यादा हैं और इस असंतुलन को अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ट्रम्प ने इससे पहले ही 7 अगस्त से भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लागू करने का ऐलान किया था, लेकिन अब उन्होंने चेतावनी दी है कि इस टैरिफ में भारी बढ़ोतरी अगले 24 घंटों में की जाएगी। उन्होंने कहा, कि मैं अगले 24 घंटों में भारत के टैरिफ में भारी बढ़ोतरी करने जा रहा हूं।

ट्रम्प ने भारत पर रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीदने और इसी तेल को अन्य देशों को बेचकर मुनाफा कमाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, कि यह व्यापार अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई को समर्थन देना है, जो अमेरिका की विदेश नीति के खिलाफ है।

ट्रम्प के बयान से बढ़ सकता है तनाव

ट्रम्प के इन बयानों के बाद भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है। पहले ही 25 फीसद टैरिफ की घोषणा से भारतीय व्यापार जगत में चिंता है, और अब अतिरिक्त शुल्क की आशंका से दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों पर असर पड़ सकता है।

खास खबर

धीरज वधावन की जमानत रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने करोड़ों रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में डीएचएफएल के पूर्व प्रमोटर धीरज वधावन को दी गई जमानत मंगलवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड की ओर से दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया। वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 9 सितंबर, 2024 को उन्हें चिकित्सा आधार पर जमानत देते हुए कहा कि वधावन एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों में फिट आते हैं। यह आदेश उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सीबीआई की ओर से दायर अपील पर आया है।

बीकानेर में विदेशी महिला टूरिस्ट से रेप

बीकानेर। बीकानेर के होटल में विदेशी महिला टूरिस्ट से रेप हुआ है। लालगढ़ इलाके में हुई इस घटना के संबंध में बिछवाल थाने में लिखित रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने होटल से एक युवक को डिटेन भी किया है। वह इवेंट मैनेजर है। उससे पूछताछ की जा रही है। सीओ सदर विशाल जांगिड़ ने बताया- विदेशी महिला वर्किंग वीजा पर भारत में है। वह बीकानेर के शहरी एरिया किराए पर अपार्टमेंट लेकर रहती है। आरोप है कि 2 अगस्त को महिला को युवक डिनर के बहाने होटल ले गया था। वहां रेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना के सामने आते ही पुलिस ने युवक को राउंडअप कर लिया। पुलिस होटल व अन्य लोकेशनों की गहनता से जांच कर रही है।

लाल किले में 6 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को लाल किले में जबरन घुसने की कोशिश करने के आरोप में भारत में अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। डीसीपी नॉर्थ राजा बंथिया ने बताया कि पिछले कुछ समय से लाल किले में प्रवेश प्रतिबंधित है। केवल रजिस्टर्ड वाहनों और लोगों को ही अंदर जाने की इजाजत है। डीसीपी ने कहा कि नियमित सुरक्षा जांच के दौरान, हमें 5 लोग बिना वैध एंट्री पास के मिले। पूछताछ में पता चला कि वे बांग्लादेशी नागरिक थे। जांच के दौरान, उनके बांग्लादेशी मूल के दस्तावेज भी मिले।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल

रोहतक। हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर बाहर आ गया है। उसे 40 दिन की पैरोल मिली है। राम रहीम मंगलवार सुबह ही सिरसा डेरे के लिए रवाना हुआ। वह 14वीं बार पैरोल या फरलो लेकर बाहर आया है। सिरसा डेरा पहुंचने के साथ ही राम रहीम ने अपना पहला वीडियो संदेश अपने अनुयायियों के लिए भेजा है।

कुछ ना कहना

जज तय नहीं करेंगे कौन सच्चा भारतीय

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को संसद परिसर में कहा कि माननीय जजों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वे यह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है। उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है। मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है। भाई की बातों का गलत मतलब निकाला गया। इधर, संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने इसी मुद्दे पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट की इससे बड़ी फटकार हो ही नहीं सकती।

दरअसल, प्रियंका का ये जवाब सुप्रीम कोर्ट के राहुल के सच्चे भारतीय होने पर उठाए सवाल पर आया। 4 अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सेना पर की गई टिप्पणी मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा। आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। 16 दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने विवादित बयान दिया था।

सबसे लंबे समय गृहमंत्री रहने वाले व्यक्ति बने अमित शाह

नई दिल्ली। अमित शाह मंगलवार को भारत के सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं। वे 2,258 दिनों से पद पर हैं। शाह ने 30 मई, 2019 को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में गृह मंत्री का कार्यभार संभाला था।

शाह ने गृह मंत्री का पहला कार्यकाल 9 जून 2024 को पूरा किया था। 10 जून, 2024 को वे फिर से गृह मंत्री बने और तब से इस पद पर हैं। गृह मंत्रालय के अलावा, वे देश के पहले सहकारिता मंत्री भी हैं। इससे पहले शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और गुजरात के गृह मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने बतौर गृह मंत्री, भाजपा के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आडवाणी 19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक, कुल 2,256 दिनों तक देश के गृह मंत्री पद पर रहे थे।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर 1.20 बजे अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत, 'यादा बिगडने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सत्यपाल मलिक के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं जम्मू कश्मीर के वर्तमान उपरा'यपाल मनोज सिन्हा ने शोक व्यक्त किया।

सत्यपाल मलिक

- **जन्म:** 24 जुलाई 1946, हिसवाड़ा गांव, बागपत (यूपी)
- **पिता:** बुद्ध देव सिंह (किसान)
- **माता:** जगबीर देवी
- **शिक्षा:** प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल से
- **कॉलेज:** चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी (मेरठ) से B.Sc और LLB
- **शादी:** 14 दिसंबर 1970, पत्नी इकबाल मलिक
- **संतान:** बेटा देव कबीर

इन्हीं के कार्य में हटा था आर्टिकल-370

सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के रा'यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था।

कुबेरेश्वर धाम में भारी भीड़ एकत्र होने और धक्का-मुक्की में 2 की मौत

सीहोर । सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को भारी भीड़ के चलते हुई धक्का-मुक्की में 02 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर घायल हो गए। दरअसल बुधवार को पं. प्रदीप मिश्रा कांवड़ यात्रा निकालने जा रहे हैं, जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। ऐसे में अनुमान से ज्यादा भीड़ एकत्र हो जाने से यह हादसा हो गया। जानकारी अनुसार कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ ज्यादा हो गई और इसी बीच धक्का-मुक्की हो गई, जिसके चलते कुछ लोग गिर गए इनमें से दो की दबने के कारण मौत हो गई। गौरतलब है कि 6 अगस्त मंगलवार को कुबेरेश्वर धाम से चितावलिया हेमा गांव तक कांवड़ यात्रा निकाली जानी है। इससे एक दिन पहले ही भारी संख्या में श्रद्धालु कुबेरेश्वर धाम पहुंचने लगे। भंडारे, ठहराव और दर्शन के लिए जगह कम पड़ने लगी, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। कई स्थानों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। भीड़ बढ़ी और धक्का-मुक्की होने के बाद 8 से 10 श्रद्धालु चक्कर और घबराहट की शिकायत के बाद अस्पताल पहुंचाए गए। इनमें से 02 की मौत हो गई जबकि 02 अन्य लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि, कितने लोग गिरे और कितने घायल होकर अस्पताल पहुंचे, इसकी आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कुबेरेश्वर धाम के आस-पास भीड़ इतनी ज्यादा है कि घायलों को जिला अस्पताल ट्रॉमा सेंटर लाने में ही डेढ़ घंटे का समय लग गया। जिला अस्पताल प्रशासन या चिकित्सक इस संबंध में कुछ भी कहने से बचते दिखे हैं। इस घटना को लेकर अब प्रशासनिक इंतजाम को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

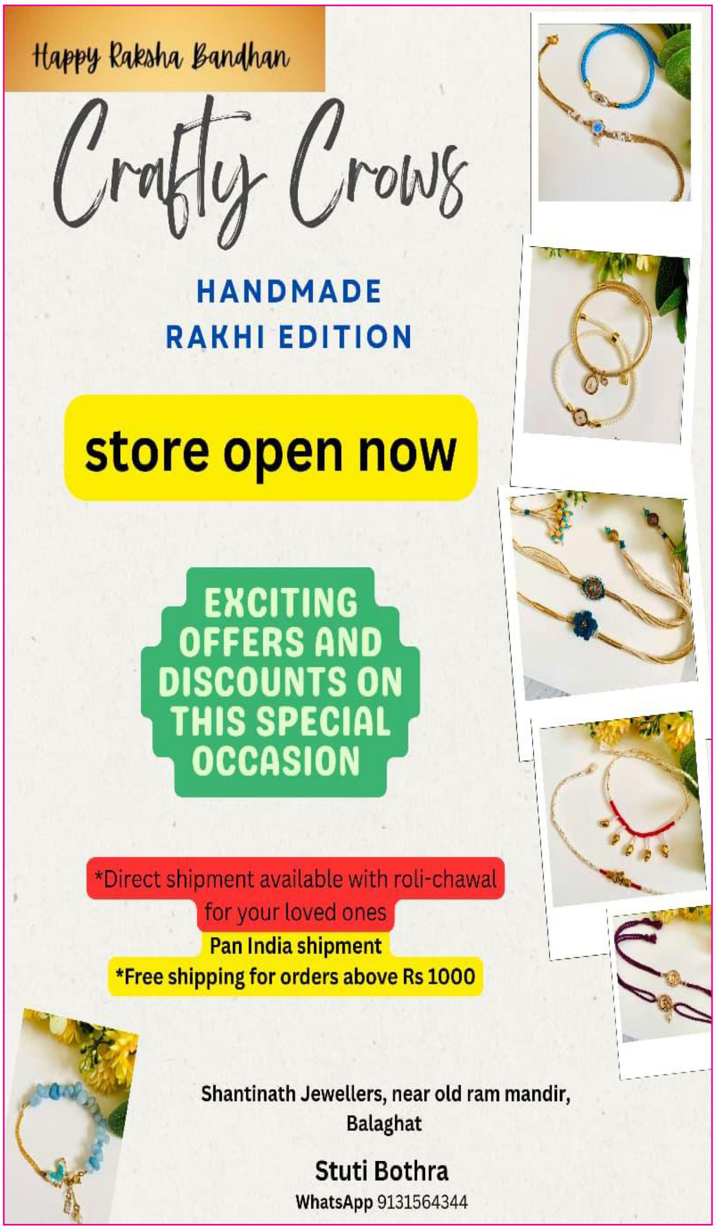

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

101 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 05 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 101 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम पाथरी की निवासी संतकला शिकायत लेकर आयी थी कि उसके पति दीपक खेरकड़ की 03 सितम्बर 2024 को सांप के काटने से मृत्यु हो गई है लेकिन उसे अब तक शासन से आर्थिक सहायता राशि नही मिली है। अत: उसे शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध करायी जाए। इस प्रकरण में कलेक्ट्रेट कार्यालय की राहत शाखा के प्रभारी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। विकासखंड बिरसा के अंतर्गत ग्राम झामूल के चंद्रपाल मेश्राम शिकायत लेकर आए थे कि विधायक निधी से झामूल में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 13 जुलाई 2023 को 05 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा 02 वर्ष बीत जाने के बाद भी भवन का निर्माण कार्य नही कराया गया है। अत- भवन का निर्माण कार्य शीघ्र कराया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत बिरसा के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत भांडामुर्री निवासी अनिल साकोने शिकायत लेकर आया था कि वह वर्ष 2008 से ग्राम पंचायत में भृत्य एवं नलजल योजना के संचालन का कार्य कर रहा है। लेकिन सरपंच सचिव द्वारा 03 वर्ष से उसका वेतन नही दिया गया है। उसके पुत्र की तबियत खराब होने के कारण गोंदिया में उसका उपचार चल रहा है और उसे ऐसे समय में रुपये की सख्त आवश्यकता है। अत-उसे उसका बकाया वेतन दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत लालबर्रा के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनपद पंचायत किरनापुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत लवेरी के छविलाल बनोटे, तिलक बम्बुरे और श्यामकरण बम्बुरे शिकायत लेकर आए थे कि उसके द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास के लिए आवेदन किया गया था। वर्ष 2011 की सूची में उनका नाम आ गया था, लेकिन वर्ष 2023 में ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव द्वारा उनसे आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए 20 हजार रुपये की मांग प्रत्येक व्यक्ति से की गई थी। उनके द्वारा यह राशि नही दिये जाने पर उन्हें आवास स्वीकृत नही किया गया है। अत- सरपंच सचिव पर कार्यवाही कर उन्हें आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत किरनापुर के सीईओ को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनपद पंचायत बालाघाट के अंतर्गत ग्राम पंचायत चिखला के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि उनकी पंचायत का ग्राम रोजगार सहायक राम पिछोड़े पिछले 15 वर्षो से ग्राम पंचायत में पदस्थ है। उसके पास कोई भी हितग्राही किसी काम से जाता है तो काम करने की बजाय गलत सलाह देता है और जान से मारने की धमकी देकर हितग्राहियों को डांट-फटकार कर पंचायत से भगा देता है। अत: रोजगार सहायक पर कार्यवाही की जाए और उसका अन्यत्र स्थानांतरण किया जाए। इस मामले में जनपद पंचायत बालाघाट के सीईओ को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने कहा गया है। लालबर्रा विकासखंड के ग्राम मोहगांव (ध) की कांता केवट बिजली दुर्घटना में पति की मृत्यु होने पर विद्युत विभाग से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग लेकर आई थी। कांता का कहना था कि 23 जुलाई 2024 को उसके पति सुनिल केवट की 11 किलोवॉट विद्युत लाईन के झुके हुए तारों के सम्पर्क में आने पर करंट लगने से मृत्यु हो गई है, लेकिन 01 साल बाद भी उसे विद्युत विभाग से कोई सहायता राशि नही दी गई है। वह बहुत गरीब है और उस पर अपने बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी है। अत- उसे विद्युत विभाग से शीघ्र आर्थिक सहायता राशि दिलाई जाए। इस प्रकरण में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में मोहन डोंगरवार शिकायत लेकर आए थे कि वर्ष 2021-22 में जनपद पंचायत कटंगी द्वारा 15वॉ वित्त की राशि से सामुदायिक कचरा पेटी लगाने के लिए ग्राम पंचायत तिरोड़ी को 07 लाख रुपये, खमरिया को 07 लाख 10 हजार रुपये, बनेरा को 06 लाख 50 हजार रुपये एवं ग्राम पंचायत कटेदरा को 06 लाख रुपये की राशि देने का प्रस्ताव पारित किया गया था। लेकिन ग्राम पंचायत खमरिया एवं तिरोड़ी में 03 साल बाद भी सामुदायिक कचरा पेटी स्थापित नही की गई है। ग्राम पंचायत खमरिया एवं तिरोड़ी में 14 लाख 10 हजार रुपये की कचरा पेटी रखे-रखे खराब होने की स्थिति में आ गई है। ग्राम पंचायत तिरोड़ी का कहना है कि इस कार्य के लिए उसे कोई राशि आवंटित नही की गई है। अत: वह कचरा पेटी स्थापित करने में सक्षम नही है। जनपद पंचायत द्वारा ग्राम पंचायतों को यह राशि आवंटित करना था लेकिन तत्कालीन जनपद सीईओ ने नियम विरूद्ध अपने कार्यालय से ही निविदा बुलाकर कचरा पेटी 7628 रुपये प्रति नग की दर से क्रय कर जीएसटी सहित 06 लाख 93 हजार रुपये की कचरा पेटी ग्राम पंचायत तिरोड़ी को सप्लाई कर दी गई। जिसका भुगतान गुप्ता फाईवर गोंदिया के व्यापारी को किया गया है। अत: इस प्रकरण की जांच कर दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में जिला पंचायत सीईओ को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में सेवानिवृत्त व्याख्याता कृष्णगोपाल बिसेन शिकायत लेकर आए थे कि वे 31 जुलाई 2023 को सेवानिवृत्त हो गए है। लेकिन 02 वर्ष बाद भी उनके पेंशन प्रकरण का निराकरण नही किया गया है। अत: उनके लंबित पेशन प्रकरण का शीघ्र निराकरण कर सभी स्वत्वों का शीघ्र भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में खंड शिक्षा अधिकारी लालबर्रा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। परसवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत चालिसबोड़ी के सरपंच एवं पूर्व सरपंच शिकायत लेकर आए थे कि उनके क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहनपुर, चालिसबोड़ी, कावेली, कसंगी के 22 ग्रामों में मोबाईल नेटवर्क की समस्या बनी रहती है, जिसके कारण इस क्षेत्र के स्कूलों एवं पंचायतों के ऑनलाईन कार्य नही हो पाते है। उनके क्षेत्र में 04 टॉवर लगे है, लेकिन नेटवर्क किसी में नही है। अत: उनकी इस समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाए। इस पर बीएसएनएल के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में किरनापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत मोहगांव कला के सरपंच अपनी पंचायत की सहायक सचिव मीनाक्षी गौतम का स्थानांतरण कराने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि सहायक सचिव पिछले 15 वर्षों से मोहगांव कला में पदस्थ है और उनके द्वारा पंचायत के कार्यों में अनियमितता की जा रही है। सहायक सचिव द्वारा 09 जुलाई 1999 को मृत गोपीचंद एवं 07 फरवरी 2014 को मृत राधेश्याम के नाम से 09 जून 2014 के मनरेगा मस्टर रोड में कार्य कराया गया है। अत- पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सहायक सचिव मीनाक्षी गौतम का स्थानांतरण किया जाए। इस प्रकरण में जिला पंचायत सीईओ को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने कहा गया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0021/ड-154/2025-26
मौजा चिचगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक लेखराम पटले पिता सालिकराम पटले जाति पंवार, निवासी ग्राम चिचगांव, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा चिचगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता सालिकराम पिता मंशाराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 25.05.1990 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम चिचगांव के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 11.08.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 06.08.2025

तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

न्यायालय तहसीलदार तहसील किरनापुर , जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र 0......../ड-154/ वर्ष 2025-26
साकिन किरनापुर प.ह.न. 55
रा.नि.मं. किरनापुर तहसील किरनापुर

इश्तेहार समाचार प्रकाशन

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक शफी अहमद पिता इशहाक मोहम्मद जाति मुसलमान निवासी ग्राम किरनापुर तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने पिता इशहाक मोहम्मद पिता मंसुर की मृत्यु दिनांक 12/10/2001 को हुई, किन्तु जन्म / मृत्यु पंजीयन कार्यालय किरनापुर में जानकारी के अभाव में दर्ज नही कराये जाने के कारण जन्म / मृत्यु के 1 वर्ष के पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 12/08/2025 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थिति होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

जारी दिनांक- 28/06/7025

तहसीलदार
तहसील किरनापुर

बिरसा सरपंच संघ ने जनपद पंचायत में स्थाई मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त करने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत बिरसा के सरपंच संघ द्वारा जनपद पंचायत बिरसा में स्थाई मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किए जाने के विषय को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। सरपंचों का कहना है कि जनपद पंचायत बिरसा में कोई भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्थाई रूप से नहीं है । जिस कारण से उन्हें क्षेत्र की समस्या को लेकर दिक्कत आ रही है । उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द बिरसा जनपद पंचायत में

स्थाई मुख्य कार्यपालन अधिकारी की नियुक्ति किया जाए । आपको बता दे कि आदिवासी अंचल की जनपद पंचायत बिरसा जहाँ पिछले कुछ वर्षों से मुख्य कार्यपालन अधिकारी एक के बाद एक बदलते जा रहे है। जिससे प्रशासनिक व्यवस्थाओं के तहत बार बार एस.डी.एम. बिरसा को प्रभार दिया जाता है । एस.डी.एम. बिरसा का कार्य क्षेत्र बढने के कारण जनपद पंचायत बिरसा को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। जिसके कारण 62 पंचायतों के विकास कार्यों में असर देखा जा रहा है। ज्ञापन देने पहुंचे सरपंच संघ बिरसा के उपाध्यक्ष प्रेम मरकाम और अध्यक्ष धनेश्वरी मेंरावी द्वारा बताया गया कि आज जनपद पंचायत बिरसा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्थाई रूप से नहीं होने के कारण उनकी ग्राम पंचायत में विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं । आज प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मिलने के लिए इंतजार करना पड़ता है। जबकि एसडीएम बिरसा को अपने अन्य दायित्व होने के कारण वह उन्हें समय पर नहीं मिल पाते हैं उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द बिरसा जनपद पंचायत में स्थाई रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया जाए। ताकि क्षेत्र की ग्राम पंचायत में विकास कार्य को तेजी मिले। उन्होंने यह भी मांग रखी है कि यदि इन दिनों वैकल्पिक व्यवस्था बनाते हुए अस्थाई रूप से अन्य अधिकारी को मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त कर दिया जाता है , तो उनके कार्यों को गति मिलेगी । जबकि देखा जाए तो एसडीएम बिरसा एक आईएएस अधिकारी है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के सरपंच भाई उनसे मिलने के लिए झिझकते हैं। इसलिए वह चाहते हैं कि इन दिनों वैकल्पिक व्यवस्था बनाते हुए जनपद पंचायत बिरसा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया जाए ।

महिलाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़

नर्स की कमी महिलाओं को नहीं मिल रहा उपचार

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और सुमन योजना यह वह तमाम योजनाएं है जो केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही है. इन स्वास्थ्य योजनाओं का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सही सेहत प्रदान करना है. मगर, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों और खास तौर से महिला स्टॉफ की कमी की वजह से महिलाओं की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है. बालाघाट जिले के विकासखंड कटंगी के अंतिम छोर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर यानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोरेघाट में इसका प्रत्यक्ष प्रमाण देखने को मिल रहा है. यहां पर स्टॉफ नर्स नहीं होने से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही है. खासकर महिलाओं को उपचार नहीं मिल पा रहा है. वैसे तो आयुष्मान आरोग्य मंदिर में प्रसुति महिलाओं के प्रसव तक की समुचित व्यवस्था है परंतु नर्स नहीं होने की वजह से प्रसुति महिलाएं तो छोड़िए अन्य रोग से पीड़ित महिलाएं भी सामान्य उपचार कराने के लिए केंद्र तक आने में संकोच करती है. महिलाओं से चर्चा करने पर वह बताती है कि अस्पताल में उपचार के दौरान अगर महिला कर्मचारी हो तो वह सहज महसूस करती है. मिली जानकारी अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ स्टाफ नर्स गंगा वासनिक को कटंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अटैक कर दिया गया है. वह कटंगी में अपनी सेवाएं दे रही है और गोरेघाट में स्टाफ नर्स का पद भरा हुआ दिखाई दे रहा है. जिस कारण वहां अन्य नर्स की नियुक्ति भी नहीं हो पा रही है.खैरलांजी, अंबेझरी, कुड़वा, चिटका देवरी, देवरी खुर्द, भोढ़की, हेटी, संग्रामपुर हमेशा सहित आस-पास के करीब आधा दर्जन गांव प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र गोरेघाट पर आश्रित है. लेकिन इन गांवों के ग्रामीण अब अपना उपचार कराने के लिए गोरेघाट अस्पताल में नहीं जाते बल्कि मोटा पैसा खर्च कर प्राइवेट अस्पतालों में अपना उपचार करवाने के लिए जाते है. चर्चा तो यह भी है कि गरीब वर्ग का व्यक्ति कई बार उन बीमारियों का उपचार भी कर्ज लेकर प्राइवेट अस्पताल में करवाता है. जिसका इलाज आसानी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हो सकता है. विडंबना यह है कि कटंगी विकासखंड में तमाम आयुष्मान आरोग्य मंदिर नर्सों की कमी का सामना कर रहे है. गांव में संचालित होने वाले केंद्रों में प्रशिक्षित नर्सें नहीं है. नर्सों की कमी के कारण, महिलाओं को प्रसव, स्त्री रोग, और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल रहा है. महिलाओं को जीवनशैली, गर्भावस्था, और परिवार नियोजन के बारे में आवश्यक जानकारी नहीं मिल पा रही है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील किरनापुर जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र./ड-154/ वर्ष 2025-26
साकिन किरनापुर
प0ह0न0 55 रा0नि0मं0
किरनापुर तहसील किरनापुर

इश्तेहार समाचार प्रकाशन

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक शफी अहमद पिता इशहाक मोहम्मद जाति मुसलमान निवासी ग्राम किरनापुर तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने मां गफरू नीशा पति इशहाक मोहम्मद की मृत्यु दिनांक 15/10/2021 को हुई, किन्तु जन्म / मृत्यु पंजीयन कार्यालय किरनापुर में जानकारी के अभाव में दर्ज नही कराये जाने के कारण जन्म / मृत्यु के 1 वर्ष के पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 12/08/2025 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थिति होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

जारी दिनांक-28/06/7025

तहसीलदार
तहसील किरनापुर

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बालाघाट जिला-बालाघाट (म.प्र.) 481001

दूरभाष/फेक्स क्रमांक 07632-241318/247101 एवं ईमेल cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमांक/स्वा./ई-निविदा/2025/5785 बालाघाट दिनांक 05/08/2025

-:निविदा-सूचना:-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा निम्नांकित सामग्री क्रय करने/सेवॉए प्रदाय करने हेतु पंजीकृत संविदाकारो/पंजीकृत संस्थाओं से वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	मात्रा	कार्य अवधि
1	2025_UAD_442370_1	आवारा कुत्तो का बधियाकरण एवं ऐंटी रेबिज टीकाकरण कार्य	10 लाख	50 हजार रूपए मात्र।	2000/-	आवश्यकतानुसार	कार्यालयीन आदेशानुसार

नोट:- निविदा से संबंधित समस्त जानकारी एवं निविदा की शर्ते ऑनलाईन पोर्टल www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है एवं निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन केवल उक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(बी.डी. कतरोलिया)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला-बालाघाट

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0020/ड-154/2025-26
मौजा ददिया, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पेण्ढारी पिता स्व. सोमा जाति ढीमर, निवासी ग्राम ददिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा ददिया, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता माल्हो पति सोमा का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 12.05.1990 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम ददिया के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 14.08.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 06.08.2025

तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

सोनेवानी मादा बाघ मौत मामला

प्रधान मुख्य वनसंरक्षक ने, डीएफओ को जारी किया नोटिस, 03 दिनों के भीतर मांगा जवाब

10 दिन बाद भी नहीं सुलझ सकी मादा बाघ मौत की गुत्थी, एसआईटी की 6 सदस्यीय टीम का किया गया गठन, टीम ने किया मौके का निरीक्षण, जांच में खुल सकते हैं, दफन कई राज, बढ़ सकती है आरोपियों की संख्या, विधायक ने डीएफओ को निलंबित करने की करी मांग

लालबर्रा(पद्मेश न्यूज़)। पिछले दिनों 27 जुलाई को सोनेवानी के कक्ष क्रमांक 443 में, पोटुटोला नहर के पास नाले में मरा बाघ दिखाई दिया था। जिस बाघ के शव को डिफ्टी रेंजर टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे के कहने पर सुरक्षा श्रमिक चौकीदारों ने 29 जुलाई को सुखी लकड़ी एकत्रित कर बाघ के शव को जलाकर नष्ट कर दिया था। 27 जुलाई की इस घटना को 10 दिन बीत चुके हैं। बावजूद इसके भी अब तक मादा बाघ की मौत की गुत्थी पूरी तरह से सुलझ नहीं पाई है।वही बाघ की मौत वाले इस मामले में लिप्त सभी आरोपी भी गिरफ्त से दूर है। पिछले 10 दिनों से सुर्खियां बटोर रहे इस मामले ने बालाघाट से लेकर भोपाल तक हंगामा मचा रखा है। तो वहीं अब इसी मामले को लेकर एसआईटी टीम का भी गठन कर दिया गया है। जहां एसआईटी टीम में शामिल 6 सदस्यो ने अब इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। इस जांच में मादा बाघ की मौत से जुड़े कई दफन राज उजागर होने की संभावना जताई जा रही है।तो वही इस मामले से जुड़े आरोपियों की संख्या में भी बढ़ोतरी की बात कही जा रही है।बहरहाल इस जांच में क्या कुछ निकलकर सामने आता है और कितनो पर क्या कार्रवाई होती है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन इसी मामले को लेकर बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच किए जाने और डीएफओ अधर गुप्ता को भी निलंबित किए जाने की मांग की है।

अब तक इनपर गिर चुकी है कार्यवाही की गाज

जिले का वनविभाग, संरक्षित वन्यजीवो को लेकर कितना गंभीर है, इसका जीवंत उदाहरण, सोनेवानी अभ्यारण्य में हुई बाघ की संदेहास्पद मौत के बाद सबके सामने आ गया है।जहां बाघ का शव राख में तब्दील होने के बाद, व्हाट्सअप मैसेज से मामला विभाग के संज्ञान में आया।जिसने हर किसी को वन विभाग की कार्य प्रणाली के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया।आपको बताएं कि 27 जुलाई का यहां मामला 02 अगस्त को, व्हाट्सअप के माध्यम से सामने आया था। जहां सोशल मीडिया पर मामला वायरल होते ही आनन-फानन में वन अमले ने इसकी जांच शुरू की।जिसमें वनविभाग की टीम ने 8 आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओ में वन अपराध दर्ज किया और 6 आरोपियों सुरक्षा श्रमिक चौकीदार हरिलाल, शिवकुमार, शैलेष, अनुज, मानसिंह और देवसिंह को गिरफ्तार किया। जबकि निलंबित डिफ्टी रेंजर टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे फरार है।जिनकी तलाश की जा रही है।

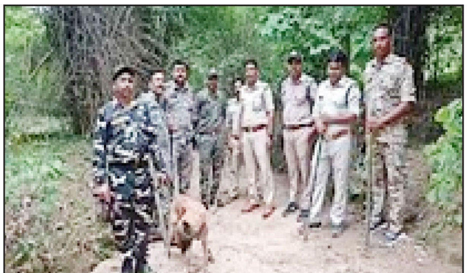

वन्यजीव प्रधान मुख्य वनसंरक्षक ने डीएफओ को जारी किया नोटिस, मांगा स्पष्टीकरण

वन्य प्राणी मादा बाघ की मौत के बाद बालाघाट से लेकर भोपाल तक मचे इस हंगामें के बीच मामले का संज्ञान लेते हुए वन्यजीव प्रधान मुख्य वन संरक्षक शुभरंजन देव ने डीएफओ अधर गुप्ता को एक नोटिस जारी किया है।जिसमें उन्होंने मादा बाघ की मौत को लेकर स्पष्टीकरण देने को कहा है। वन्य जीव प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा जारी किया गया स्पष्टीकरण नोटिस इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें स्पष्टीकरण देने के लिए 03 दिनों की मोहलत दी गई है।वहीं इस मामले में सीसीएफ गौरव चौधरी ने 6 सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की है। जहां इस टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसआईटी की टीम ने शुरू की मामले की जांच

सोनेवानी अभ्यारण्य में मादा बाघ की मौत का सवाल, अभी भी अनसुलझा है, शव मिलने के बाद, दो वन अधिकारियों के कहने पर वन सुरक्षा श्रमिको द्वारा शव को जला दिए जाने की घटना में, भोपाल से लेकर बालाघाट तक हंगामा मचा है।मंगलवार को एसआईटी ने घटनास्थल का दौरा किया। इस दौरान सीसीएफ गौरव चौधरी के साथ एसआईटी टीम प्रमुख उकवा सामान्य उप वन मंडलाधिकारी तरूण कुमार डेहरिया, विनय कुमार मेश्राम, दक्षिण लामता परिक्षेत्र अधिकारी एस.पी. गोस्वामी, लौंगुर परिक्षेत्र अधिकार विनोद कुमार चौहान, उड़नदस्ता के कार्यवाहक उप वनक्षेत्रपाल अजय कुमार चौरे, और लौंगुर खारा के सहायक परिक्षेत्र अधिकारी सुखलाल चौरीवार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

दो सप्ताह में पूरी होगी एसआईटी की जांच, हो सकते हैं कई खुलासे

बताया जा रहा है कि इस मामले की गुत्थी को सुलझाने के लिए गठित की गई एसआईटी की टीम दो सप्ताह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी।जिसमे मादा बाघ की मौत के कारण, बाघ को जलाने के स्थल, संलिप्त अपराधियों की पहचान और घटना में शामिल लोगों की पहचान करेगी।सूत्र बताते है कि इस मामले में जिस तरह से दो वन अधिकारियों की संलिप्तता का पता चला है, विभाग को अंदेशा है कि और भी लोग, इस मामले में शामिल हो सकते है।जिसका खुलासा भी एसआईटी की जांच में किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

विधायक ने की, डीएफओ को निलंबित करने की मांग

उधर इसी मामले को लेकर अपनी नाराजगी जताते हुए बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने प्रधान मुख्य वनसंरक्षक एवं वनबल प्रमुख को सोनेवानी रिजर्व कंजर्वेशन फारेस्ट में बाघ की कथित मौत को हत्या बताते हुए मामले को छिपाने में दो वन अधिकारियों को निलंबित करने के साथ ही डीएफओ अधर गुप्ता को भी निलंबित करने तथा मामले उच्चस्तरीय जांच करवाने की मांग की है।

फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है अर्धजला मांस- सिरसम

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस पत्र और मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान एसडीओ बी.आर. सिरसाम ने बताया कि यदि बाघ का शव मिल जाता तो बाघ की मौत के कई क्लु मिल जाते और पीएम बाघ की मौत के कारणो का पता चल पाता। घटनास्थल से बरामद बाघ की हड्डी और अधजले मांस को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। फिलहाल इस मामले में कुछ नहीं कहा जा सकता। फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर कुछ कहा जा सकता है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

16दिवसीय श्री शांतिनाथ विधान का समापन 9 को

10 वर्षों बाद बना है अद्भुत संयोग, दिगंबर जैन महिला मंडल का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। इस वर्ष श्रावण मास में 16 दिवसीय शुक्ल पक्ष आया है।इस अवसर पर श्री शांतिनाथ विधान का आयोजन करना अत्यंत शुभकारी माना गया है।जिसके चलते पंचायत कमेटी की अनुमति व सहयोग से श्री दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा 25 जुलाई से श्री शांतिनाथ विधान का 16 दिवसीय आयोजन किया गया है।जो निरन्तर जारी है।जिसका समापन 9 अगस्त को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। बताया कि इस दौरान श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर की प्रथम बेदी पर सुबह 7:30 से श्री जी के अभिषेक पूजन के साथ शुरू किया जाता है जिसमें समाज के सभी परिवारों द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जा रहा है। प्रतिदिन 3 से 4 पुण्यार्जक परिवारों के साथ समाज के अन्य सभी श्रावक श्रविकाएं विधान में बैठकर पुण्यार्जन कर रहे है।पंडित राकेश जैन, पुजारी, संतोष जैन द्वारा सहयोग और श्रावक अरुण जैन, प्रमोद सिंघई, राजेंद्र जैन सहित अनेक साधर्मी विधान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा रक्षाबंधन पर्व पर 9 अगस्त को हवन कर श्री शांतिनाथ विधान का समापन किया जाएगा।इसके बाद दोपहर में आर्यिका श्री भावना मति माताजी ससंघ के दर्शन हेतु वारासिवनी जाएंगे।इस आयोजन का आह्वान महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती उषा जैन द्वारा किया गया। सचिव श्रीमती रंजूलता व श्रीमती रजनी जैन द्वारा विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग देते हुए विधान को अपने मधुर कंठ के द्वारा संगीतमय तरीके से आयोजित किया जा रहा है।वही कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका जैन, सह कोषाध्यक्ष श्रीमती कीर्ति जैन एवं वरिष्ठ सहसचिव श्रीमती सरिता जैन द्वारा पूजन सामग्री तैयार करने में विशेष सहयोग दिया जाता है। उक्त जानकारी प्रवक्ता श्रीमती माधुरी जैन द्वारा दी गई। इस अवसर पर महिला मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या जैन,दीपा जैन व निधि जैन सहसचिव श्रीमती सोनिया जैन व महिला मंडल के अन्य सभी पदाधिकारियों द्वारा उपस्थिति दर्ज कराई गई।

महिला चिकित्सक पर मरीज और उनके परिजनों ने अभद्र भाषा और निजी चिकित्सालय में भेजने का लगाया आरोप

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला चिकित्सालय में प्रसव करवाने आए मरीज और उनके परिजनों ने महिला चिकित्सक गीता बारमाटे पर उपचार न करते हुए निजी नर्सिंग होम में भेजने का आरोप लगाया है। मरीजों के परिजनों का कहना है कि महिला चिकित्सक द्वारा पहले तो उन्हें वायरल इनफेक्शन अस्पताल में फैलने का खतरा बताकर उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया । उसके बाद उन्हें तुरंत ही डिस्चार्ज करते हुए निजी चिकित्सालय खान नर्सिंग होम में जाने की बात कही गई। मरीज के परिजनों ने इस पूरे मामले की शिकायत सिविल सर्जन और कलेक्टर बालाघाट से किए जाने की बात कही है और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मरीज के परिजन मांग कर रहे हैं। आपको बता दे की जिला चिकित्सालय में उपचार करवाने आने वाले मरीज और उनके परिजनों द्वारा लगातार यहां के चिकित्सकों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए जाते हैं । कई बार तो प्रसव करवाने आने वाले मरीज और उनके परिजन भी यहां प्रसव करने वाले डॉक्टर को पैसे लेने का आरोप लगाते रहते हैं। फिर एक बार जिला चिकित्सालय में प्रसव के लिए आयी महिला के परिजनों ने यहां के चिकित्सक पर अभद्र भाषा का प्रयोग और निजी चिकित्सालय में भेजने का आरोप यहां की महिला चिकित्सक पर लगाया है । यहां प्रसव करवाने आयी मोहिनी बम्बुरे ग्राम चिखला और उनके पति गजेंद्र बम्बुरे द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए बताया कि वह 4 अगस्त को सालेटेका के प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र से उन्हें बालाघाट रेफर किया गया था । यहां वह 4 अगस्त को सुबह 9:00 बजे भर्ती हो गए थे । पहले मोहिनी को महिला चिकित्सक लिल्हारे ने चेक किया था। उसके बाद 5 अगस्त को मोहिनी को गीता बारमाटे द्वारा चेक किया गया और वायरल फीवर होने की बात कह कर उन्हें अस्पताल से तुरंत निकल जाने को कहा गया और उन्हें शहर के निजी खान नर्सिंग होम में उपचार करने की बात कही गयी। मोहिनी के पति गजेंद्र ने महिला चिकित्सक पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने और निजी चिकित्सालय में उपचार करने का आरोप भी लगाया है । उन्होंने कहा कि यहां पर गीता बारमाटे द्वारा उनकी पत्नी का उपचार करने से साफ मना कर दिया गया और उन्हें वायरल फीवर होने पर वायरल इंफेक्शन फैलने का खतरा भी अस्पताल में होने की बात कह कर उन्हें जिला चिकित्सालय से जाने को कह दिया गया । मोहिनी का डिस्चार्ज फाइल भी बना दी गई। इस पूरे विषय को सिविल सर्जन के साथ-साथ कलेक्टर बालाघाट को भी इसकी शिकायत करने की बात कही है । वह चाहते हैं कि इस पूरे विषय में कड़ी से कड़ी कार्रवाई महिला चिकित्सक पर होनी चाहिए। आज जिला चिकित्सालय के चिकित्सक ही यहां प्रसव करवाने आने वाले मरीज को निजी नर्सिंग होम में भेज रहे हैं।

आरोप लगाए गए हैं वह निराधार हैं - गीता बारमाटे

इस पूरे विषय को लेकर महिला चिकित्सक गीता बारमाटे ने मीडिया के सामने ही मोहिनी बम्बुरे और उनके परिजनों को बुलाकर ,लगाए गए आरोप को गलत बताया और उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी को निजी नर्सिंग होम में जाने की बात नहीं कही है और ना ही उन्होंने मरीज के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया है जो आरोप लगाए गए हैं वह निराधार हैं।

नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी- निलय जैन

इस पूरे विषय को लेकर सिविल सर्जननिलय जैन ने दूरभाष पर बताया कि उन्हें एक मरीज के परिजन ने महिला चिकित्सक के व्यवहार को लेकर शिकायत की है जिसमें दोनों ही पक्षों से मामले की जानकारी ली गयी है आगे नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

उप्र के सर बंधा नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का ताज

असम को 3-0से हराकर, उप्र ने जीता फाइनल, बीसी राय ट्राफी नेशनल प्रतियोगिता सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। नगर में 26 जुलाई से आयोजित बीसी राय ट्रॉफी नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में, अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की टीम ने असम को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया।जहां फाइनल मैच के बाद आयोजित इस नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण के साथ किया गया। आपको बताए कि अखिल भारतीय फुटबॉल संघ द्वारा मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ एवं जिला फुटबाल संघ के संयुक्त तत्वावधान में 26 जुलाई से नगर के अलग अलग खेल मैदान में अंडर 16 नेशनल जूनियर बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। जिसका आज फाइनल मैच के साथ समापन किया गया है।

उप्र ने शुरुवात से ही मैच में बनाई रखी पकड़

आयोजित प्रतियोगिता का फाइनल मैच मंगलवार 5 अगस्त को रेंजर कालेज मैदान में खेला गया। इस फाइनल मैच में, शुरुवात से ही उत्तर प्रदेश की टीम में काफी उत्साह देखा गया ।जहां इस टीम के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में असम के खिलाफ 01 गोल दाग कर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई, तो वहीं असम के खिलाड़ी लाख जद्दोजहद के बावजूद भी उत्तर प्रदेश के खिलाफ एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सके। उधर सेकंड हाफ के बाद उत्तर प्रदेश टीम के खिलाड़ियों ने जोशीले अंदाज में अपने पैरों का जादू दिखाते हुए समय समाप्त होने के कुछ मिनट पहले असम के खिलाफ 01 और गोल दाग कर प्रतियोगिता में अपना वर्चस्व बढ़ाया। तो वही खेल खत्म होने के कुछ क्षणों पूर्व असम के खिलाफ तीसरा गोल दागकर प्रतियोगिता के फाइनल में बढ़त बनाई। जहां समय समाप्त होने तक असम टीम के खिलाड़ी डिफेंडर की भूमिका में नजर आए और वे उत्तर प्रदेश के खिलाफ 01 गोल तक दागने में कामयाब नहीं हो सके। इस तरह उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने 3-0 से असम को हराकर नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का किया गया समापन

उधर फाइनल मैच के बाद प्रतियोगिता के समापन पर विजेता और उपविजेता दोनों टीमों को नगद राशी, ट्रॉफी कप, प्रमाण पत्र सहित अन्य पुरस्कार वितरण किए गए। तो वही प्रतियोगिता में बेस्ट डिफेंडर ,बेस्ट खिलाड़ी, बेस्ट गोलकीपर सहित अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया गया।जहां प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर भारत की टीम का चयन कर प्रतियोगिता समापन की घोषणा की गई।

प्रतियोगिता में 16 राज्यों की टीम हुई थी शामिल

उधर प्रतियोगिता की विजेता उत्तरप्रदेश और उपविजेता टीम असम को अतिथि एसडीएम गोपाल सोनी, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, आयोजन समिति अध्यक्ष रमेश रंगलानी, लता एलकर, किरणभाई त्रिवेदी, ऋषभ वैध और पार्षद मानक बर्वे ने विजेता और उपविजेता बीसी राय ट्राफी देकर पुरस्कृत किया। आपको बताए कि अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के निर्देश पर बालाघाट में जिला फुटबॉल संघ के तत्वाधान में आयोजित अंडर-16 ब्वायज नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में देश के 16 राज्यों हरियाणा, असम, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, बिहार, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, अण्डमान निकोबार, आंध्रप्रदेश, पाण्डिचेरी, मध्यप्रदेश एवं गुजरात की टीमो ने हिस्सा लिया था।इस दौरान आयोजन समिति संयोजक तपेश असाटी, सचिव सुनील यादव, गणेश अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खेत की रुधान निकालने का विवाद

तीन सगे भाई ने खेत पड़ोसी कृषक और उसके बेटे से की मारपीट

घायल दोनों बाप बेटे का बिरसा के अस्पताल में हुआ इलाज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिले की बिरसा पुलिस थाने की मछुरदा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले लालपुर में खेत की रुधान हटाने को लेकर तीन सगे भाई ने अपने खेत पड़ोसी को हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट घायल कर दिए। घायल व्यक्ति लोकचन्द पिता बोहरन पंचेश्वर 38 वर्ष को बिरसा के अस्पताल में भर्ती किया गया । जिसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर जीवन पिता कृष्णा आंचरे उसके भाई गंगा प्रसाद आंचरे भीम आंचरे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालपुर निवासी लोकचंद पंचेश्वर खेती किसानी करते हैं। 25 साल पहले से लोकचंद पंचेश्वर 3 एकड़ सरकारी वन भूमि है। जिस पर खेती करते आ रहे हैं ।लोकचन्द पंचेश्वर के बाजू में ही जीवन आंचरे की पट्टी वाली जमीन है ।बताया गया कि कुछ दिन पहले जीवन आंचरे ने लोकचन्द पंचेश्वर के खेत में तार का रुधान लगा दिया था। रविवार को करीब 11:00 बजे लोकचंद पंचेश्वर और अपने खेत गया,देखा खेत में जीवन आंचरे ने तार की रुधान लगा दिया था। तब लोकचंद पंचेश्वर ने तार की रुधान को निकाल कर खेत से बाहर फेंक दिया था। तभी जीवन आंचरे बोला कि तुमने तार की रुहान को क्यों निकालते हो। लोकचन्द पंचेश्वर ने उसे बोला कि मेरी जमीन पर तार का रुहान क्यो किए हो।तभी जीवन आंचरे ,लोकचंद्र पंचेश्वर से बोला कि मेरी पट्टी वाली जमीन है यह कहकर वह लोकचंद पंचेश्वर को अश्लील गालिया देने लगा। लोकचंद पंचेश्वर ने उसे गालियां देने से मना किया और बोला कि इस जमीन को हम लोग 25 साल से कमाते आ रहे हैं। यह मेरी जमीन है। तभी जीवन आंचरे अपने भाई गंगा प्रसाद आंचरे और भीम आंचरे के साथ लोकचन्द पंचेश्वर के पास आए और उसे ज्यादा जमीन जमीन की बात करता है कहकर कर तीनों भाई ने मिलकर लोकचन्द पंचेश्वर को हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट करने लगे, आवाज सुनकर लोकचन्द का लड़का मानिकराम पंचेश्वर बीच बचाव करने आए तो उसे भी तीनों भाई ने मिलकर हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट कर दिए। तीनों भाई द्वारा की गई मारपीट में लोकचन्द पंचेश्वर उसका लड़का मानिकराम पंजेश्वर दोनों घायल हो गए ।इसके बाद तीनों भाई ने लोकचंद पंचेश्वर को अगली बार रुधान को निकालने पर जांच से खत्म करने की धमकी दे दी। इसके बाद लोकतंत्र पंचेश्वर अपने बेटे और भतीजे के साथ रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचा। बिरसा पुलिस ने मारपीट में घायल लोकचंद पंचेश्वर और उसके बेटे मानिक ग्राम पंचेश्वर का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाये और लोकचंद पंचेश्वर द्वारा की गई रिपोर्ट पर जीवन आंचरे उसके भाई गंगा प्रसाद आंचरे और भीम आंचरे के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

एक महिला ने अपने घर के अंदर फांसी लगाकर की आत्महत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बैहर थाने के वार्ड नंबर 2 रौंदा टोला में एक महिला ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 4 अगस्त को सुबह यह घटना उस समय हुई जब इस महिला से मिलने के लिए उसका पति आया हुआ था। बैहर पुलिस ने मृतिका द्रौपदी पति राजेश यादव 32 वर्ष की फांसी पर लटकी लाश उसके घर के कमरे से बरामद की और पोस्टमार्टम करवरकर उसके परिजनों को सोप दिये। इस महिला ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार द्रौपदी यादव बैहर के रौदाटोला रहती थी और उसका पति राजेश यादव 5 वर्षों से गढ़ी में अपने दो बच्चों को लेकर रहता था। जिनमे एक 13 साल की लड़की और 10 साल का लड़का है। राजेश यादव छत्तीसगढ़ राज्य के किसी पोल्ट्री फॉर्म में काम करता था और वह समय-समय पर बच्चों को लेकर रौदाटोला बैहरआते रहता था। हाल ही में राजेश यादव गढ़ी आया हुआ था। और 4 जुलाई को वह अपने काम पर छत्तीसगढ़ के पोल्ट्री फार्म जाने वाला था। सुबह द्रोपती यादव ने अपने पति राजेश यादव को फोन करके बोले की मुझसे मिलकर जाना। पत्नी द्रोपदी यादव के बुलाने पर राजेश यादव रौंदाटोला आया था उस समय घर के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।खिड़की से देखने पर द्रोपती यादव कमरे के अंदर फांसी पर लटकी हुई थी।जिसकी सूचना मिलते ही बैहर पुलिस रौंदाटोला पहुंची और दरवाजा ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश कर फांसी पर लटकी द्रौपदी यादव का शव नीचे उतरवाए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात द्रोपती यादव का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। द्रोपदी यादव ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कम कर जांच की जा रही है।

विद्युत पोल से स्ट्रीट लाइट गायब, अंधेरे में कामथी पंचायत की गलियां

सोलर लाइट भी बंद, अंधेरा रहने पर रात्रि में ग्रामीणजनों को हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, ग्रामीणजनों ने पंचायत से जल्द विद्युत पोलों में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कामथी में बिजली के खंबे पंचायत क्षेत्र स्थित वार्ड के विभिन्न गलियों में तो लगे है। लेकिन स्ट्रीट नही लगाई गई है एवं जिन विद्युत पोलों में लगे है वह लंबे समय बंद पड़े है। साथ ही कुछ स्थानों पर सोलर लाइट भी लगाये गये है वह भी दो वर्ष से बंद पड़े है। ऐसे में शाम होते ही गांव की गलियों में अंधेरा छा जाता है और गलियों में अंधेरा रहने पर बरसात के दिनों में ग्रामीणजनों को जहरीले कीड़े-मकोडे के काटने का डर बना हुआ है। साथ ही आने-जाने वालों को परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। वहीं गलियों में अंधेरा होने का फायदा चोरों के द्वारा मकानों व दुकानों के ताले तोड़कर बड़ी चोरी की वारदात को भी अंजाम दिये जाने की संभावनी बनी हुई हैं। जिससे ग्रामीणजन परेशान है, जबकि लंबे समय से ग्रामीणजनों के द्वारा पंचायत के जिम्मेदारों से विद्युत पोलों में बारिश के पूर्व स्ट्रीट लाइट लगाने एवं जिन स्थानों पर सोलर लाइट लगे है और बंद है उसे चालू करवाने की मांग की गई है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। इस तरह से लंबे समय से ग्राम पंचायत कामथी की गलियों में लगे विद्युत पोल (खंबे) से स्ट्रीट लाइट गायब है और शाम के बाद गलियों में अंधेरा रहता है जिससे ग्रामीणजन परेशान है। ग्रामीणजनों ने ग्राम पंचायत एवं प्रशासन से जल्द विद्युत पोल में स्ट्रीट लाइट लगाने व सोलर लाईट को चालू करवाने की मांग की है।

पंचायत नही करवा पा रही प्रकाश की व्यवस्था

आपकों बता दे कि शासन के द्वारा ग्राम पंचायत में प्रकाश व्यवस्था के लिए पर्याप्त बजट आबंटित होता है और पंचायत के द्वारा जल, विद्युत (प्रकाश व्यवस्था) के नाम पर टैक्स भी लिया जाता है। वहीं शासन की योजना के तहत ग्राम पंचायत कामथी में विद्युत पोल लगे हुए है लेकिन स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हुई है। विद्युत पोल (खंबे) पर शोपिस के रूप में केबल ही लटक रहे है। जबकि प्रकाश व्यवस्था के नाम पर पंचायत के द्वारा ग्रामीणों से प्रतिवर्ष टैक्स भी लिया जाता है एवं शासन से विद्युत व्यवस्था को लेकर बजट भी आता है और इस राशि से पंचायत के द्वारा विद्युत पोल पर लगे लाइट खराब होने पर उसे सुधारकर या फिर नया लाइट (बल्ब) लगाने का कार्य किया जाता है। लेकिन उसका सही उपयोग नही किया जा रहा है। जिसके कारण कामथी पंचायत की गलियों में स्थित विद्युत पोलों में स्ट्रीट लाइट नही है। साथ ही कुछ वार्डों में सोलर लाइट तो लगाये गये है वह भी लंबे समय से बंद पड़े हुए है। जबकि स्ट्रीट लाइट बंद होने की जानकारी ग्रामीणजनों के द्वारा पंचायत को पूर्व में दिये गये है लेकिन अब तक विद्युत पोलों में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नही की गई है जिसके कारण ग्राम की गलियों में रात में अंधेरा रहता है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

रात्रि में गलियों में छाया रहता है अंधेरा - सुरेंद्र

ग्रामीण सुरेंद्र मड़ावे ने बताया कि हमारे गांव में विद्युत के पोल लगे हुए है जिनके माध्यम से लोगों के घरों में बिजली कनेक्शन भी गया है परंतु स्ट्रीट लाइट की कोई भी व्यवस्था पंचायत के द्वारा नहीं की गई है। जिसके कारण रात्रि में गलियों में अंधेरा छाया रहता है। वहीं जो पूर्व सरपंच के द्वारा सोलर लाइट लगाई गई थी वह भी देखरेख के अभाव में खराब हो चुकी है एवं पंचायत के द्वारा भी अब तक गांव में स्ट्रीट लाइट की कोई व्यवस्था नही की गई है जिससे रात्रि में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है और गलियों में अंधेरा रहने पर पानी होती है।

पंचायत करे स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था - ताराचंद

भूतपूर्व सरपंच ताराचंद उइके ने बताया कि गांव में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होने से बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है और स्ट्रीट लाइट नहीं होने से रात्रि में अंधेरा छाया रहता है। जबकि बरसात का समय चल रहा है, जहरीले जीव जंतु सड़क पर घुमते रहते है जो अंधेरे में किसी को भी नुकसान पहुंचा सकते है, लेकिन ग्राम पंचायत के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। श्री उइके ने बताया कि पूर्व सरपंच के द्वारा सोलर लाइट लगवाकर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई थी परंतु वह भी कुछ दिन ही चलने के बाद अचानक से बंद हो गई और फिर से गलियों में रात्रि में अंधेरा छाया रहता है। जिससे ग्रामीणजन बेहद परेशान है, पंचायत को इस समस्या को गंभीरता से लेकर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करनी चाहिये।

जहरीले जीव जंतु व जंगली जानवरों का बना रहता है डर - भागचंद

पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भागचंद पटले ने बताया कि स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण गांव की पूरी गलियां रात्रि में अंधेरे में रहती है। जबकि गांव जंगल से लगा हुआ है जिससे जंगली जानवरों का डर भी बना रहता है और बरसात का समय चल रहा है, जिससे जहरीले जीव जंतु भी सड़क पर घुमते रहते है जो रात्रि के अंधेरे में दिखाई नहीं देने के कारण वह आमजन को हानि पहुंचा सकते है। श्री पटले ने बताया कि पंचायत को गांव में प्रकाश की समुचित व्यवस्था करनी चाहिये और जनता की समस्या को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइट विद्युत पोल में लगवाये।

इनका कहना है-

पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों की गलियों में विद्युत पोल लगे है। लेकिन बजट के अभाव में स्ट्रीट लाईट नही लगा पाये है, शासन को स्ट्रीट लाईट हेतु राशि के लिए प्रस्ताव भेजा गया है, राशि आते ही स्ट्रीट लगाई लगा दी जायेगी।

साहेबलाल देशमुख
सरपंच
ग्राम पंचायत कामथी।

रोजगार मेला का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित पुराने जनपद पंचायत कार्यालय में स्थित आजीविका मिशन कार्यालय में जिला प्रशासन एवं म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देश पर सोमवार को विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस रोजगार मेले में प्रथम एजुकेशन जबलपुर, प्रधानमंत्री कौशल केंद्र बालाघाट, एलआईसी बालाघाट, कुलोदय टेक्नोपैक गुजरात सहित अन्य स्थानों की विभिन्न कंपनियां आई थी और क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों ने पहुंचकर रोजगार के लिए बड़ी संख्या में पंजीयन करवाये। जिसके बाद उक्त कंपनियों में 42 बेरोजगार युवक-युवतियों का प्राथमिक चयन हुआ है। जिन्हे इस रोजगार मेला के माध्यम से रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर जिला कार्यालय बालाघाट से डी एम स्किल दिलीपसिंह गोंड सहित अन्य कर्मचारी एवं क्षेत्र से पहुंचकर शिक्षित बेरोजगार

अमोली में दो दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ आज से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित बजरंग मंदिर में सार्वजनिक देवी-हनुमान मंदिर समिति, जय बजरंग सेवा दल समिति के तत्वाधान में 6 अगस्त से दो दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के पावन अवसर पर अमोली स्थित बजरंग मंदिर में 6 अगस्त से दो दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है एवं 7 अगस्त को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक देवी-हनुमान मंदिर

औल्याकन्हार से वैनगंगा पोटियापाट धाम तक निकली कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा में बच्चें, महिला-पुरूष कांवड़ियों ने लिया उत्साह से भाग, हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजा ग्राम

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सावन माह की पवित्रता और शिवभक्ति की परंपरा को जीवंत करते हुए ग्राम पंचायत औल्याकन्हार ग्राम से पोटियापाट धाम तक भव्य कांवड़ यात्रा सावन माह के अंतिम सोमवार को निकाली गई। इस अवसर पर ग्राम के ऐतिहासिक शिवमंदिर में प्रात: 9 बजे श्रध्दालुजन एकत्रित हुए और मंदिर में पूजा अर्चना कर कांवड़ यात्रा डीजे एवं भगवान भोलेनाथ की जीवंत झांकियों के साथ निकाली गई। यह कांवड़ यात्रा विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए बम-बम भोले, हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए कांवडिये पोटियापाट धाम स्थल वैनगंगा नदी पहुंचे। जहां से कांवड़ियों ने जल लाकर ग्राम स्थित शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस दौरान भगवान शिव की मनोहारी झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं इस कांवड़ यात्रा में हर-हर महादेव के जयकारों के जयघोष के नारों से पुरा ग्राम गुंजमान्य उठा और पुरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। चर्चा में सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने बताया कि ग्रामीणों की भावनाओं को देखते हुए इस बार भी सावन माह के अंतिम सोमवार को कांवड़ यात्रा निकाली गई और कांवडियों ने वैनगंगा नदी से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर धर्मलाभ अर्जित किये एवं ग्राम की खुशहाली, हरियाली और सुख-समृध्दि की कामना की गई। साथ ही यह भी बताया कि पोटियापाट धाम में वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना के चलते थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी से विशेष सहयोग की अपील की गई थी। जिन्होने दो पुलिसकर्मियों की तैनाती कर यात्रा को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न करवाने में मदद की है। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन, राजाराम सहारे, लक्ष्मण सोनवाने, सुनील बिसेन, हितेश नागेश्वर, महेंद्र चौहान, सुशील ब्रम्हे, धनेन्द्र पटले, रोहित हरिद्वाज, अमित हरिद्वाज, संदीप गुनेश्वर (पंच), मो. सुलेमान खान, जितेन्द्र ब्रम्हे (पटेल), संजय ब्रम्हे, सोमेश बिसेन, जितेन्द्र यादव, रोमेश हरिद्वाज उर्फ राजा भैया, मुकेश चौहान, उम्मेद चावले, उमा प्रसाद नागेश्वर, आकाश ब्रम्हे, राकेश नागेश्वर,सुभाष ब्रम्हे, सुरेश ब्रम्हे, सुल्ताना यादव, संजय मराठा, सरला यादव, रविता पांडे, सविता ब्रम्हे, भावना ब्रम्हे, मेहुल धानेश्वर, हेमलता राणा, सुरमन बिसेन, राजकुमारी ब्रम्हे सहित बड़ी संख्या में कांवड़िये शामिल रहे।

कांवडियों का स्वागत कर फल एवं पानी का किया गया वितरण

औल्याकन्हार से वैनगंगा पोटियापाट धाम के लिए कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों को तहसील पत्रकार साथियों के द्वारा स्वागत-सत्कार किया गया। इस अवसर पर जैसे ही कांवड़ यात्रा वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम के नजदीक पहुंचते ही तहसील लालबर्रा के पत्रकार साथियों के द्वारा सभी कांवड़ियों को शीतल जल व फल कर वितरण कर उन्हे इस यात्रा की मंगल कामना की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मुकेश रगारे, विजय रजक, मुकेश अवधिया, राजू पंचेश्वर, कमलेश खरोले, लकेश पंचेश्वर, प्रकाश चौहान, राजा मसीरकर, सहित अन्य पत्रकारसाथी गण उपस्थित रहे।

वैनगंगा नदी से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का किया गया जलाभिषेक

साल्हे ला. शिव मंदिर से निकाली गई कांवड़ यात्रा, मंदिर में हुए विविध धार्मिक कार्यक्रम

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत साल्हे ला. स्थित शिव मंदिर से सावन मास के पावन अवसर पर 5 अगस्त को नंदी महाराज के साथ विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस कांवड़ यात्रा में बच्चें, महिला एवं पुरूष श्रध्दालु पदयात्रा करते हुए 15 किमी. का सफर करते हुए वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम पहुंचे। जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना करने के बाद सभी श्रध्दालु डीजे की धुन पर डांस करते हुए कांवड़ में जल लेकर अपने ग्राम स्थित मंदिर पहुंचे और मंदिर में स्थित देवों के देव महादेव की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किये तत्पश्चात आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही इस कांवड़ यात्रा में नंदी महाराज कांवडियों के आगे-आगे चलते गये और लोगों ने हर-हर महादेव के नारे लगाते हुए नगर मुख्यालय से गुजरे तो सभी ने नंदी महाराज का दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं बड़ी संख्या में तेज धुप में साल्हे ला. के कांवड़िये उपस्थित रहे जो भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन नजर आये। चर्चा में तुषार भैरम ने बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर ग्राम से पहली बार भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई है और सभी कांवड़िये डीजे की धुन पर भगवान भोले बाबा के गीतों पर झुमते हुए पोटियापाट धाम वैनगंगा नदी पहुंचे जहां से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। साथ ही यह भी बताया कि बच्चें, महिला, पुरूष कांवड़िये 30 किमी. पैदल चलकर वैनगंगा नदी से जल लेकर आये है और इतनी तेज धुप में भी सभी कांवड़ियों भगवान भोलेनाथ के भक्ति में लीन नजर आये और पुरे उत्साह के साथ 30 किमी. की दूरी तय किये है, भगवान भोलेनाथ से सभी ने ग्राम की खुशयाली एवं मंगलमय की कामना की है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांवड़िये उपस्थित रहे।

पनबिहरी सरपंच से कांवड़ियों को स्वल्पाहार एवं पानी की किया वितरण

भगवान शिव के पावन सावन माह के अवसर पर 5 अगस्त को ग्राम पंचायत साल्हे ला. से निकाली गई कांवड़ियों का जत्था पनबिहरी पहुंचने पर पनबिहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले के द्वारा अपने निवास स्थान के सामने नंदी महाराज की पूजा अर्चन करने के पश्चात सभी कांवड़ियों का स्वागत-सत्कार कर स्वल्पाहार एवं पानी का वितरण किया। जिसके बाद कांवड़ियों का जत्था वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर पनबिहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले, श्रीमती रूपा बनवाले, संतोष पांडे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सतपुड़ा कैम्पस में किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सतपुड़ा कैम्पस साहूटोला गर्रा बालाघाट में रविवार 03 अगस्त को कदम संस्था द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वृक्षा कार्यक्रम में भिन्न-भिन्न प्रकार के 25-30 पौधे रोपित किये गये। इस आयोजन में कदम संस्था के सदस्यों में डॉ. अभय लोकरे, डॉ. श्रीमती अर्चना लोकरे, डॉ. श्रीमती अर्चना षुक्ला, श्रीमती भारमल, रिटायर्ड जज सुरेष तुरकर सहित कदम संस्था के समस्त सदस्यों के साथ-साथ सतपुड़ा इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अषोक गुप्ता, सतपुड़ा बी.एड कॉलेज प्राचार्य देवेन्द्र रहांगडाले सर, सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सुश्री पूर्णिमा देषमुख, षैक्षणिक समन्वयक श्रीमती आकृति माहुले सहित अन्य षिक्षक-षिक्षिकाएं प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वृक्षारोपण कार्यक्रम पष्चात सतपुड़ा एजुकेषन ग्रुप द्वारा कदम संस्थान को स्मृति चिन्ह भेंट कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

नहर की जर्जर हालत से किसानों को नहीं मिल रहा खेतों में पानी

मामला सिकंद्रा से थानेगांव मार्ग पर स्थित किसानों का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के नदीटोला ,कॉलेज टोला एवं थानेगांव सहित महदोली मार्ग पर स्थित किसानी को नहर की सुविधा होने के बाद भी पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जहां आने वाली नहर में बीते ३ वर्षों से पानी नहीं आ पा रहा है जिससे किसान बारिश और सक्षम किसानों के द्वारा अपने खेतो में बोरवेल के बलबूते अपनी खेती की जा रही है। परंतु उन्हें नहर से एक बूंद पानी नहीं मिलने के बाद भी पूरे रुपये देने पड़ रहे हैं ,क्योंकि नहर उनके खेतों के पास से गया हुआ है जिसको लेकर किसानों के अंदर काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं यह नहर की साफ सफ ाई बीते करीब ४ वर्ष से अधिक का समय हो गया है जो नहीं की गई है और ना ही किसी प्रकार की मरम्मत कार्य किया गया है। ऐसे में यह नहर नाली के रूप में बदल गई है जिसके अंदर मिट्टी घास एवं झाड़ियां उग चुकी है। स्थिति यह है कि जिस किसान के खेत में यह नहर गई है उस तक पानी प्राप्त नहीं है ,इस प्रकार की समस्या से लगातार किसान परेशान हो रहे हैं। जिनके अंदर सिंचाई विभाग को लेकर आक्रोश व्याप्त है जो हर बार विभाग से व्यवस्था बनाकर पानी अंतिम छोर तक पहुंचाने की मांग की जाती है। परंतु हर बार आश्वासन के अलावा कोई जमीनी कार्य विभाग के द्वारा नहीं किया गया है। इसी का परिणाम है कि सिंचाई के पानी से नहर होने के

बावजूद किसान वंचित बने हुए हैं। खरीफ का मौसम प्रारंभ होते ही बारिश की भी आमद चालू हो गई थी समय समय पर बारिश ने किसानों को साथ दिया हर कोई किसान के द्वारा खेतों में परहा कार्य पूर्ण कर लिया गया है। किंतु खेतों में जमा पानी अब खत्म हो गया है केवल जमीन की नमी बची हुई है ऊपर से यह तेज कड़कती धूप लोगों को परेशान कर रही है कि जल्द ही जमीन की नमी भी खत्म हो जाएगी तो क्या होगा। ऐसे में वह ईश्वर से बारिश होने की प्रार्थना कर रहे हैं यदि इन्हें नहर से पानी मिल जाता तो इन्हें इतनी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। हालांकि कुछ किसानों के द्वारा नदी से पानी मोटर पंप से लिया जा रहा है किंतु अधिकांश किसानों की लंबी दूरी होने से वह बारिश के भरोसे खेती कार्य कर रहे हैं।

नहर की हालत बहुत जर्जर है जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी भूल चुके है- अहमद कुरैशी

किसान फहीम अहमद कुरैशी ने बताया कि नहर का पानी नहीं मिल रहा है स्थिति काफ ी खराब है नहर की हालत बहुत जर्जर है। यहां किसी का ध्यान नहीं है जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी भूल चुके हैं पानी का पैसा लेने गाड़ी घूमती है वसूली करती है कुर्की बताते हैं पानी का पैसा लेते हैं। वारासिवनी से सिकंद्रा की दूरी ३ किलोमीटर है बड़ी नहर से ३ किलोमीटर पानी नहीं आ रहा है नहर की स्थिति समझ सकते हैं। आगे ६ किलोमीटर और लंबी नहर है मेरे खेत किनारे नहर है पर उसमें पानी नहीं है तकरीबन डेढ़ किलोमीटर तक पानी आता होगा। बचपन से हम यहां खेती कर रहे हैं बीते ३ वर्ष से हमने पानी नहीं देखे हैं अभी तेज धूप तप रही है अब जमीन सुखेगी।

पंचायत चुनाव के पहले की थी नहर की सफाई उसके बाद से नही मिल रहा पानी-रविशंकर मानेश्वर

किसान रविशंकर मानेश्वर ने बताया कि यहां पर सभी किसानों को बहुत अधिक समस्या झेलनी पड़ रही है। पानी नहीं होने से जमीन फटने लगी है बारिश जो हुई थी उसका पानी खेतों में जमा हुआ था और निकल गया है। हमारे पास सिंचाई का व्यक्तिगत साधन भी है परंतु बिजली उसमें बड़ी बाधा बनी हुई है उससे भी खेतों में पर्याप्त सिंचाई नहीं हो पा रही है। हमारे खेत की भूमि पर नहर है नाली का स्वरूप हो गया है पानी नहीं है कहीं जगह फूट गई है घास उग गई है। अधिकारी पैसा लेने आते हैं उन्हें बोलो तो कर देंगे कहते हैं आश्वासन मिलता है। ४ वर्ष से दिक्कत है चुनाव के पहले नहर की सफाई की गई थी उसके बाद पटेल टोला में पानी आता है कॉलेज टोला नदी टोला में नहीं आता और आगे थानेगांव तक पानी नहीं है।

भाई ने भाई को पैसो के लिये किया लहु लुहान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचेवाही निवासी ३० वर्षीय सुरेंद्र ठाकरे को उसके भाई ने पैसो की बात को लेकर लहू लुहान कर दिया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र पिता नीलमचंद ठाकरे ३० वर्ष छोटी कोचेवाही निवासी है। जो कावड़ यात्रा में शामिल होने के लिए कहीं गया हुआ था जहां से वह वापस घर में आकर थकान महसूस कर सोया हुआ था। जिसने अपने जेब से ४० रुपये निकालकर घर के एक स्थान पर रख दिए थे वह आराम कर रहा था। इस दौरान छोटा भाई घर में आया और उसके द्वारा वह रुपये ले जा लिए गए। जिसकी शिकायत सुरेंद्र ठाकरे के द्वारा अपनी मां से की गई थी। तभी छोटा भाई शराब पीकर घर में आया जिससे सुरेंद्र के द्वारा उसके जो रुपये उसने लिए थे वह वापस मांगे गए। जिस पर छोटे भाई ने गुस्सा होकर किसी वस्तु से बड़े भाई सुरेंद्र ठाकरे के सिर पर मार दिया। जिससे सुरेन्द्र का सिर बुरी तरह फट गया और उसमें से खून बाहर आने लगा। यह देख छोटा भाई मौके से फरार हो गया तो वहीं पड़ोसी के द्वारा सुरेंद्र ठाकरे को तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां पर उसका उपचार जारी।

रुपये नहीं देने पर पति ने पत्नी के सिर पर मारी कुल्हाड़ी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत लेंडेझरी में रुपये नहीं देने पर पति ने अपनी पत्नी सीमा पटले के सिर पर कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमा पति सावन पटले ४० वर्ष लेंडेझरी निवासी है। जो अपने मकान में बच्चों और पति के साथ रहती है। प्रतिदिन की तरह सोमवार को पति अपने घर आया और अपनी पत्नी से रुपये मांगने लगा। जिस पर पत्नी के द्वारा आक्रोश व्यक्त कर पति को फटकार लगाई गई। इसी बात से नाराज होकर पति के द्वारा कुल्हाड़ी के बेसे से पत्नी के सिर पर वार कर दिया। जिससे मौके पर पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे परिजनों के द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार जारी है मामले में पुलिस के द्वारा घायल महिला के बयान दर्ज कर लिया है। महिला के स्वस्थ होते ही मामले में एफआईआर दर्ज करने की बात पुलिस कह रही है।

श्रावण मास के पावन अवसर पर कार्यालय में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है-प्रदीप जायसवाल

भाजपा कार्यालय में संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में ५ अगस्त को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम पं. अजय दुबे के द्वारा वैदिक मंत्र के साथ पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल के माध्यम से भगवान श्रीराम व हनुमान की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधि विधान से पूजन अर्चना की गई। जिसके बाद संगीतमय सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया गया। जिसमें गायक आदित्य खजांची के द्वारा अपने सह कलाकारों के साथ सुन्दरकाण्ड पाठ का संगीतमय वाचन किया गया। तत्पश्चात भगवान राम, भगवान हनुमान, श्याम बाबा सहित अन्य देवी देवताओं के भजनों की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुति दी गई । वहीं देशभक्ति गीतों का भी गायन किया गया वहीं कार्यक्रम के अंत में आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। जहां बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी सदस्य सहित नगर वासियों ने उपस्थिति दर्ज कराकर प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित कर आशीर्वाद ग्रहण किया। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की बीते कई वर्षों से श्रावण मास के पावन अवसर पर हमारे कार्यालय में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। प्रतिवर्ष अखंड रामायण पाठ या १०८ हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाता है। किंतु इस वर्ष संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया और यह कार्यक्रम रखने का उद्देश रहता है कि जिला ,क्षेत्र और नगर की जनता की सुख शांति , समृद्धि , खुशहाली एवं किसानों को अच्छी फसल हो यही कामना से भगवान श्रीराम और भगवान हनुमान जी से की है। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, पूर्व भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला पटले ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव, संतोष आडे ,शैलेन्द्र तिवारी ,अमित येरपुडे ,संदीप मिश्रा ,मोनू लिमजे ,प्रवीण डोंगरे ,धर्मेश जोशी ,मदन धार्मिक, श्रीमती मधु जायसवाल ,वेदप्रकाश पटेल ,मिलिन्द नगपुरे ,अनीष मिश्रा ,संदीप रूसिया ,प्रवीण रूसिया ,टिकेश्वरी रहाँगडाले ,रामकली टेकाम, मीरा आचार्य, मंजू भोंडले, जगदीश नेमा ,हितेंद्र पात्रे ,शरद दुबे ,जय आहूजा पूर्व जं.प. अध्यक्ष चिंतामन नगपुरे, कोमल लिल्हारे , भीवराम मात्रे, नरेन्द्र शुक्ला, सुनील पिपरेवार, सचिन बिसेन, शिवप्रसाद सोनवाने, जानाजी गौतम, जसंवत पटले, नीरज वर्मा, सुरेश सिंघई, पंकज जैन ,हरीश जैरथ, संतोष रिंकू चापूकर,विजेता सोनेकर, मनीषा पिपरेवार, किरण शर्मा, सीमा पारधी, तिलकांता देशमुख, रीना चापुकर, आरती सोनेकर, माया चापूकर, दिक्षा तुरकर,शीला डोंगरे, सुजाता डहरवाल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी सदस्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्रावण महोत्सव पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक का हुआ समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)।नगर के वार्ड नंबर १५ सिविल लाइन स्थित शिव हनुमान मंदिर त्रिवेणी भक्ति आश्रम में श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री शिवाय नमस्तुभ्यं समिति के तत्वाधान में श्रावण महोत्सव पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक का समापन किया गया। यह कार्यक्रम श्रावण मास के प्रथम सोमवार १४ जुलाई से प्रारंभ किया गया। जिसमें श्रावण मास के चारों सोमवार को प्रात: ६ बजे से पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक किया जाता रहा। ऐसे ही १४ जुलाई २१ जुलाई २८ जुलाई को पंडित धर्मेंद्र तिवारी के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ सुबह ६ से विधि विधान से पूजा अर्चना उपरांत रुद्राभिषेक संपन्न करवाया गया। श्रावण मास के अंतिम एवं चौथे सोमवार ४ अगस्त को रुद्राभिषेक करने के उपरांत हवन पूजन कर महा आरती कर महाप्रसादी के रूप में भंडारे का वितरण किया गया। तत्पश्चात पार्थिव शिवलिंग का विसर्जन कर श्रावण महोत्सव का समापन किया गया। समिति सदस्यों ने बताया कि पिछले ७ वर्षों से श्री शिवाय नमस्तुभ्यं समिति के माध्यम से पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। हर बार यह आयोजन विभिन्न मंदिरों में आयोजित किया जाता है इस वर्ष से यह हनुमान शिव मंदिर त्रिवेणी भक्ति आश्रम में आयोजित किया गया। जहां पर प्रति सोमवार धार्मिक बंधुओ के द्वारा अपने पार्थिव शिवलिंग के साथ उपस्थित होकर और रुद्राभिषेक किया जाता रहा। श्रावण मास के चारों सोमवार को यह आयोजन किया गया जिसमें प्रार्थना अभिषेक कर शाम को पार्थिव शिवलिंग का विसर्जन किया गया। वहीं समापन अवसर पर हवन पूजन आरती कर भंडारे का वितरण किया गया। यह आयोजन करने का उद्देश्य लोगों को धर्म से जोड़ना है भगवान शिव की महिमा को बताना है। इस दौरान देखने में आया कि नगर सहित क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर समिति सदस्य सहित नगरवासी मौजूद रहे।

बस स्टैंड हनुमान मंदिर में भंडारे का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में ५ अगस्त को भंडारे का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम मंदिर समिति के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम भगवान हनुमान जी का विधि विधान से अभिषेक कर पूजा अर्चना करने के उपरांत आरती की गई। तत्पश्चात भगवान को महाप्रसाद का भोग लगाकर भंडारा प्रारंभ किया गया। जिसमें नगर सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर महाप्रसादी ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति सदस्यों ने बताया कि हनुमान मंदिर में प्रत्येक महीने भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें हर्षोल्लास के साथ बस स्टैंड सहित नगर के विभिन्न लोगों के द्वारा सहभागी बनकर यह कार्यक्रम किया जाता है। प्रत्येक महीने के अनुसार इस महीने के प्रथम मंगलवार पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विकास हजारी ने रेडक्रॉस के लिए कलेक्टर को सौपा 11 हजार रुपये का चेक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विकासखंड के ग्राम हट्टा में 05 अगस्त को आयोजित जनसुनवाई शिविर में हट्टा निवासी समाजसेवी श्री विकास हजारी ने कलेक्टर मृणाल मीना को जिला रेडक्रॉस सोसायटी के लिए 11 हजार रुपये की राशि का चेक सौपा। इस दौरान श्री हजारी ने दीवान बहादुर मुलना ट्रस्ट में हट्टा के लोगो को शामिल करने की मांग की और कहा कि वे हट्टा रियासत के वकील के और उनके द्वारा इस रियासत का केस लड़ा गया था। इस पर कलेक ?टर श्री मीना ने उन्हें विधिवत आवेदन करने की सलाह दी।

युवाओं में बढ़ता फियर ऑफ मिसिंग आउट (एफओएमओ) – एक गंभीर मानसिक संकट

डिजिटल युग में जहां सोशल मीडिया ने युवाओं को अभिव्यक्ति और जुड़ाव का नया मंच दिया है, वहीं इसके अत्यधिक उपयोग ने नई मानसिक समस्याओं को जन्म दिया है। इन्हीं में से एक तेजी से उभरती हुई समस्या है फियर ऑफ मिसिंग आउट यानी एफओएमओ। इसका अर्थ है— कुछ महत्वपूर्ण, रोचक या उपयोगी चीज़ से वंचित रह जाने का डर। यह भावना आज की युवा पीढ़ी को लगातार मानसिक तनाव, आत्मग्लानि और असंतोष में डाल रही है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और स्नैपचैट पर जब युवा अपने दोस्तों की शानदार छुट्टियों, पार्टी, करियर उपलब्धियों या नए अनुभवों की तस्वीरें देखते हैं, तो वे खुद को तुलना में पीछे महसूस करते हैं। यह तुलना धीरे-धीरे आत्म-संदेह और हीन भावना में बदल जाती है। कई बार युवा यह सोचकर ही बेचैन हो जाते हैं कि वे कुछ खास पलों का हिस्सा क्यों नहीं हैं। यह मानसिक स्थिति उन्हें न सिर्फ बेचैन करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी कमजोर कर देती है।

मनोचिकित्सकों का मानना है कि एफओएमओ आज एक गहरी और खतरनाक मानसिक बीमारी बन चुकी है। यह युवाओं को लगातार अपने आप से असंतुष्ट बनाता है। उन्हें लगता है कि उनकी जिंदगी में कुछ भी उत्साहजनक या महत्वपूर्ण नहीं हो रहा, जबकि बाकी सभी लोग सफल और खुशहाल हैं। इस सोच के कारण उन्हें अकेलापन, चिंता, अनिद्रा और अवसाद जैसी समस्याएं घेर लेती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या कोविड-19 के बाद और बढ़ गई है, जब ज़्यादातर सामाजिक संपर्क डिजिटल माध्यमों तक सीमित रह गए थे।

शिक्षा संस्थानों और परिवारों की भूमिका इस समस्या को रोकने में बेहद अहम हो जाती है। कई कॉलेजों और स्कूलों ने डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम शुरू किए हैं, ताकि छात्रों को यह समझाया जा सके कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली चीज़ें हमेशा सच नहीं होतीं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन बनाना चाहिए, ध्यान और योग को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए, और अपने आत्ममूल्य को दूसरों की तुलना में नहीं, बल्कि खुद की प्रगति में देखना चाहिए।

एफओएमओ से बचने के लिए यह जरूरी है कि युवा वास्तविक रिश्तों को प्राथमिकता दें, खुद से संवाद करें और जीवन के छोटे-छोटे पलों में संतोष पाना सीखें। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी चाहिए कि वे इस विषय पर जागरूकता फैलाएं, काउंसलिंग की सुविधा बढ़ाएं और युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य को लेकर ठोस नीतियाँ बनाएं।

अंततः, फियर ऑफ मिसिंग आउट केवल एक आधुनिक चिंता नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर समय रहते इससे नहीं निपटा गया, तो यह युवा पीढ़ी को आभासी दुनिया की दौड़ में उलझाकर वास्तविक जीवन से काट सकता है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम FoMO को गंभीरता से लें और युवाओं को आत्म-स्वीकृति, आत्म-संयम और संतुलन की ओर मार्गदर्शन दें।

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है। भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय जरूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोजी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर। वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

-ललित गर्ग

भारतीय सेना ही देश के असली नायक

ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान को सबक भारतीय सेनाओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश को सुरक्षित किया इसकी प्रशंसा करनी चाहिए इसे राजनीति के दृश्टिकोण के नजरिया से नहीं बल्कि देश हित मे देखना चाहिए क्योंकि उनकी हमेशा मानसिकता देश को बचाने की होती है और सेना का मनोबल हर उस देश का राष्ट्पति सेना को उनकी बहादुरी पर सम्मान करता है इसे आप कितनी बार यूक्रेन के राष्ट्पति जेलेस्की ने रूस से लड़ने वाले सेनाओं का सम्मान किया है ऐ अलग बात है भारत को इससे लेना देना नहीं है लेकिन यहाँ के यूटूबर्स और कुछ मीडिया चैनलों पर देश में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासत करते नजर आते हैं लेकिन सेना के पराक्रम को नजरअंदाज कर देते हैं इसका फायदा शत्रु देश उठाते हैं और भारत माता के प्रति अपनी नकारात्मक छवि को दर्शाते हैं यू टुब बना कर मीडिया में दिखाना बहुत आसान है हम भी बना लेंगे और डाउनलोड कर देंगे लेकिन इसपर सेना के प्रवक्ता ने जब सब कुछ खुल कर बता दिए हैं कि हम तीन मोर्चो पर पाकिस्तान से लड़ रहें थे और नुकसान भी हुआ लेकिन जो टारगेट था उसे प्राप्त किया है तो ऐसे में खुद यू टुब बनाकर डालना बचकाना हरकत होगा और लोगों में गलत धारना पैदा होगा सेना का मनोबल गिरेगा।

याद होगा कारगिल का युद्ध जिसमें पाकिस्तान द्वारा धोखे से कारगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा करने के बाद, भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के तहत अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के साथ जवाबी कार्रवाई की। कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव जैसे वीरों ने सर्वोच्च बलिदान देकर इन चोटियों को वापस हासिल किया। इस युद्ध में भारतीय सेना ने पहाड़ी युद्ध में अपनी अद्वितीय क्षमता साबित की।

इन युद्धों में भारतीय सेना ने न केवल देश की सीमाओं की रक्षा की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पेशेवर दक्षता और नैतिक मूल्यों का भी प्रदर्शन किया।अतः भारतीय सेनाओ के पराक्रम के बारे में नकारात्मक वीडियो बनाकर यू टुब पर दिखाना उचित नहीं इसमें प्रधानमंत्री को भी लपेटे में लेते हैं जो लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आते हैं जब चुनाव आएगा तब आप अपने अधिकार का प्रयोग कर मनमुताबिक सरकार को चुन लेना लेकिन याद कीजियेगा वो दिन भी जब आतंकवादी की जड़ केवल जम्मू काश्मीर तक नहीं था बल्कि मुंबई, दिल्ली और गुजरात भी भुगता है असल में 26/11/2008 में आतंकी हमले में मारे गए लोगों से पूछिए की इससे उनको ?ुशी मिली या नहीं मिली उस समय पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन तो टीवी में साफ बोलरहें थे कि हैदराबाद को पाकिस्तान बनाने की बात जब सबको बंधक बनाए और बहुत ही बेहरहमी से कत्ल कर दिए गए किसी के पेट फाड दिया किसी का गर्दन काटा गया अतः आप खुद पहले अपने आप को देखिए कि आपने उस समय पाकिस्तान पर अटैक क्यों नहीं किया और जब आतंकवादी कसाब ने पाकिस्तान नाम खुलेआम लिया तो क्या आप सो रहें थे सेना उस समय बहुत गुस्से में थे और आर पार के मूड में थे लेकिन कोई भी आतंकी संगठन को एक खारोंज तक नहीं आने देना ऐ कितनी शर्म की बात है सेना के लिए ना तो दिन होता है ना रात लड़ाई में गोली लगने के बाद भी लड़ते हैं और अंतिम सांस तक भारत माता के लिए शहीद होते हैं क्या उनके पराक्रम को नजरअंदाज करना देशहित में है और यूटुबर एक्सपीरियंस मेहमानों को भी बुलाते हैं वे वहीँ हैं जो किसी कारण सत्ता में जगह नहीं मिलने पर मोदीजी के खिलाफ नेरेटिव फैलाते है आप जब यूपीए शासन में थे तो हिम्मत तो दिखाना चाहिए और जहाँ आक्रमण करना चाहिए वहाँ केवल कागजी कार्यवाही यानि डोसियर देने से आतंकवादी जश्न मना रहें थे क्या 140 करोड़ भारतीय का अपमान नहीं है हमें कोई भी मार कर चला जाए यानि हमारी जान की कीमत नहीं है ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादी संगठन में खौफ पैदा हुआ है अतः दूसरे पर दोष देना या कागजी शेर बने रहने से सच्चा देशभक्त आपको कभी सपोर्ट नहीं करेगा क्योंकि सेनाओं पर सवाल उठाना गलत है जैसे पहले भी दो बार सर्जिकल स्ताईक में हुआ है मै सेना के चयन को देखा हैं मेरा सलेक्शन एसएसबी में भोपाल में हो जाता यदि हम दया का भाव नहीं दिखाते वो भी साइकोलोजिसरट को किसी लेख में कुछ पढ़ने के बाद सवाल किया और बाद में मै भी उनके निर्णय को सम्मान करते हुए वहाँ नहीं जाने का निर्णय लिया क्योंकि वहाँ आपको दुश्मन के साथ दया दिखाने से काम नहीं चलता बन्दुक चलाने का हौसला चाहिए।

अतः सेना का सम्मान करें जब कारगिल युद्ध हुआ तो ऊँची ऊँची पहाड़ी पर युद्ध लड़ा गया और भारतीय सेनाओ ने अपना दम दिखाया उस समय जो शहीद हुए वहाँ उनके गाँव में स्टैचू आज भी बना दीखता है और सड़क गली का नाम भी उनके सम्मान में रखा गया उस समय मात्र 21वर्ष का एक सेनानी मिला जो रेड लाइट एरिया में गया पूछा तो बताया सेक्स भी तो ईश्वर की देन है जाने से पहले इसे भी आजमा ले बाद में वो शहीद हो गया इसी तरह ट्रेन में दो सेना के लोग मिले एक बेचारा अपने परिवार को कोष रहा था और बाद में मेरी सीट में लेट गया और मै जमीन पर ही सो गया क्योंकि वो मातृभूमि की रक्षा के लिए जा रहें थे दूसरे ने जो ऊपर झोला लटका था उसमें शुद्ध घी के लड्डू बड़े शौक से रखा था देखा तो सुबह आधा गायब था तो सेनानी ने कहा की सर मुझे बहुत भूख लगी थी फिर वहाँ ड्यूटी करना है मैंने पूरा डब्बा ही दे दिया की रास्ते में भूख लगे तो खा लेना सेना की जिंदगी को आपने कभी करीब से नहीं देखा शराब पीना उनकी मजबूरी होती है घर परिवार से दूर देश की रक्षा के लिए अपने सारे अरमान को दबा कर दुश्मन का डटकर मुकाबला करते हैं उन्हें आप ठीक से पहचानेगें तो मालूम होगा सेना किसी से डरता नहीं है ना तो अपना कोई शौक पूरा कर पाता है ना ही घर परिवार के साथ हमेशा रह पाता है अतः सेना का सम्मान कीजिये और देश प्रेम की भावना से मीडिया में देखाना चाहिए इसमें भी राजनीती करेंगे तो उनका अपमान होता है।

-संजय गोस्वामी

आओ चैन की नींद सोएं-पर्याप्त नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्या महसूस हो सकती है

वैश्विक स्तरपर भारतीय संगीत गीत फिल्मों को करीब-करीब पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है। क्योंकि दुनिया में ऐसे कम ही देश होंगे, जहां मूल भारतीय ना बसते हों। भारतीय संगीत क्षेत्र सदियों पुराना मीठा सुरीला है। बस समय के साथ-साथ उसमें परिवर्तन होते होते आज डिजिटल इंडिया में संगीत क्षेत्र में भी नया इतिहास रचा जा रहा है, जो तारीफ़ ए काबिल है। हम अगर संगीत क्षेत्र में उप शेत्र गीतों में गौर करेंगे तो हमें नींद पर अनेक गीत मिलेंगे जो न केवल दशकों पुराने भी हैं, परंतु विविधता में एकता याने हर भाषा क्षेत्र में हमें नींद के संबंधमें गीत ज़रूर मिलेंगे उसमें भी हमें प्रेम प्रसंग के ऊपर यह गीत अधिक मिलेंगे, जैसे 1960 के दशक का गीत कभी रहती थी आंखों में नींद अब बसते हैं सांवरिया, 1990 का मुझे नींद ना आए मुझे चैन ना आए न जाने कहां दिल खो गया, से लेकर अभी 2025 तक हमें ऐसे हजारों लाखों में गीत मिलेंगे जहां नींद खोने की का केंद्रीय मुद्दा है। उसी तरह कहावतों में भी हमें रातों की नींद उड़ गई जैसे अनेक किस्से कहानियां कहावतें मिलेगी! इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि पर्याप्त नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्याएं महसूस हो सकती है। पर्याप्त नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की प्रक्रिया है। पर्याप्त नींद फ्रेश ऊर्जावान और अच्छी यादाश्त का टॉनिक भी है। इसलिए आओ चैन की नींद सोए। साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना आने के कारणों की करें तो, आमतौर पर अनिद्रा का कारण तनाव व थकावट हो सकती है, लेकिन इसके कुछ निम्न कारण भी हो सकते हैं, हर रोज सोने के समय में बदलाव होना। दोपहर में सोना या झपकी लेना। सोते वक्त ज्यादा शोर होना या रूम में अधिक लाइट होना। व्यायाम न करना। सोते वक्त मोबाइल व टीवी जैसे उपकरणों का उपयोग करना। धूम्रपान करना।

पूरे दिन कैफीन युक्त पदार्थों का अधिक सेवन करना। कुछ खास तरह की दवाइयों का सेवन करना।रात के वक्त काम करना। चिंता या तनाव। कुछ खास तरह के नींद संबंधी विकार।शरीर में कोई परेशानी होना या स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या होना जैसे - मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, तनाव।जीवनशैली में बदलाव इत्यादि। अनिद्रा या उन्निद्र रोग (इनसॉम्निया) में रोगी को पर्याप्त और अटूट नींद नहीं आती, जिससे रोगी को आवश्यकतानुसार विश्राम नहीं मिल पाता और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बहुधा थोड़ी सी अनिद्रा से रोगी के मन में

चिंता उत्पन्न हो जाती है, जिससे रोग और भी बढ़ जाता है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद सोना जरूरी है, लेकिन आजकल कई लोग अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीमारी को अंग्रेजी में इंसोमनिया कहा जाता है। यह एक प्रकार का नींद संबंधी विकार है। इसमें व्यक्ति को सोने में असुविधा, नींद की कमी या नींद पूरी नहीं हो पाने की समस्या रहती है। ऐसा होने से स्वास्थ्य पर असर होता है और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। अनिद्रा के लक्षण यह भी हो सकते हैं, सोने की कोशिश करने पर भी नींद न आना, नींद आने पर भी थोड़ी देर में जागना या बार-बार नींद टूटने की शिकायत होना, नींद से उठने के बाद भी खुद को ताजा महसूस नहीं करना और सुस्ती आना, व्यक्ति खुद को अस्वस्थ महसूस करता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और बहुत जल्दी गुस्सा हो जाता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति को चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं जल्दी घेर लेती है। साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना करने के अल्पकालीन और दीर्घकालीन दुष्प्रभावों की करें तो, गहरी नींद नहीं होने से हम तनाव और मानसिक रोग के शिकार होते हैं, नींद पूरी नहीं होने से शरीर और दिमाग को आराम नहीं मिलता है जिससे बदन दर्द, अकड़न और थकावट जैसी परेशानी पैदा हो जाती है, अच्छी नींद नहीं होने पर पाचन तंत्र पर असर पड़ता है जिसके चलते कब्ज की समस्या होती है, पूरी नींद न लेने पर व्यक्ति किसी भी कार्य में एकाग्रचित्त नहीं हो पाता और उसकी स्मरणशक्ति कमजोर हो जाती है, नींद कम होने से व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है जिसके चलते छोटी-छोटी बातों पर भी क्रोधित हो जाता है जिसके चलते परिवार, समाज और ऑफिस में भी लोग उससे बात करने में संकोच करते हैं, नींद के अभाव के चलते थकान बनी रहती है और सिर हमेशा भारी रहता है, कम सोने वालों में कई बार वजन बढ़ने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। नींद पूरी न होने के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव - यदिहमर पर्याप्त नींद के बिना काम करना जारी रखते हैं, तो आपको दीर्घकालिक और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं महसूस हो सकती हैं। नींद की कमी के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दिल का दौरा, हार्ट फेलियर और कैंसर, स्ट्रोक तक का खतरा बढ़ जाता है। अन्य संभावित समस्याओं में मोटापा, अवसाद, प्रतिरक्षा प्रणाली की समस्या और सेक्स ड्राइव में कमी महसूस होते रहना भी शामिल है। साथियों बात अगर हम नींद की आवश्यकता की करें तो, संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम की आवश्यकताओं के बारे में तो हम सभी सुनते आ रहे हैं, परंतु हमको इसके साथ-साथ अच्छी नींद लेना भी बेहद आवश्यक है। मस्तिष्क को बेहतर तरीके से कार्य करने में मदद करने के साथ है, शरीर को री-फ्रेश रखने, प्रतिरक्षा को बढ़ावा देकर रोगों के जोखिम को कम करने और चिंता-तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से बचाने में अच्छी नींद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में नींद एक जरूरत है। नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की एक प्रक्रिया है, ताकि शरीर और मन ऊर्जा का संग्रह कर ले, और हम आगे के काम के लिए तैयार हो जाएं। इसलिए अच्छी और गहरी नींद के बाद हम काफी ऊर्जावान महसूस करते हैं, अगर किसी कारण से ये नींद पूरी नहीं होती है तो हम परेशान, चिड़चिड़े, आलस्य, और कमजोरी जैसी कई समस्याओं के आप शिकार हो जाते हैं। देखा जाए तो अनिद्रा कोई बीमारी नहीं है, यह एक जीवनशैली है।विशेषज्ञों की सलाह है? नींद पूरी करना सभी के लिए आवश्यक है, यदि हमको इसमें असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर की मदद जरूर ले लें। अनिद्रा को इलाज के माध्यम से आसानी से ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा कुछ आसान से उपाय जैसे स्क्रीन टाइम को कम करना, रात में बेडरूम को शांत और अंधेरा रखना, मन को शांत करने के लिए अच्छे संगीत सुनना नींद प्राप्त करने में हमारे लिए सहायक हो सकता है। वयस्कों को रोजाना रात में 6-8 घंटे की निर्बाध नींद प्राप्त करने की सलाह दी जाती है। इसमें एक दिन भी होने वाली कमी हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाती है, उन्हें अगले दिन थकान, सुस्ती, काम में मन न लगने जैसी कई तरह की दिक्कतें महसूस होती रह सकती हैं। इसी तरह अगर नींद पूरी न होने की समस्या दो-तीन दिन तक जारी रहती है तो इसके और भी कई प्रकार के शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद लेने के फायदों की करें तो, अच्छी नींद आने से हम ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल आदि से समस्या से बच सकते हैं। अच्छी नींद आने के बाद हम काफी फ्रेश और किसी भी काम में हम मजा लेते हैं, पर्याप्त नींद के बाद हम काफी ऊर्जावान महसूस करते हैं, पूरी नींद लेने वाले व्यक्तियों की याद्दाश्त काफी अच्छी होती जाती है, अच्छी नींद होने से हमारी एकाग्रता भी बढ़ती है, हमेशा पर्याप्त नींद लेने से व्यक्ति हमेशा तरो-ताजा महसूस करता और हमारे चेहरे पर नेचुरल मुस्कान बनी रहती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नींद उड़ी सेहत बिगड़ी। आओ चैन की नींद सोएं। नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्याएं महसूस हो सकती है। नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की प्रक्रिया है। पर्याप्त नींद फ्रेश ऊर्जावान और अच्छी यादाश्त का टॉनिक है।

-किशन भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली कमजोर रहने से मंगलवार को अनाज मंडी में चना मामूली लटक पर रहा। मसूर व मूंग में बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। किराना जिंसों में शक्कर व नारियल में सुर्खी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली ठंडी पड़ने से बाजार 50 रू. प्रति क्विंटल दबाकर बोले गये। मसूर व मूंग में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा देखा गया। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में ग्राहकी भरपूर रही। शक्कर व नारियल में बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4300-4350, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1370-1380, राजकोट तेलिया 2140-2150, सोया साल्वेंट 1145-1150, सोया रिफाइंड 1205-1210, कपास्या 1290-1300, धूलिया 1300, कड़ी 1310,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1330, मुम्बई पाम 1200-1210, मुम्बई सोया 1250,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6900-7000, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4600-4700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6350-6400, एवरेज 5700-5800, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 113000, चॉंदी (99) 112900, टंच 112200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 100500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट के साथ 87.81 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 87.65 पर बंद हुआ था। आज सुबह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बढ़कर 87.22 पर खुला। डॉलर सूचकांक में गिरावट और एशियाई मुद्राओं में तेजी के कारण भी भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। स्थानीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.22 पर खुली, जो शुक्रवार के 87.54 के बंद भाव से 32 पैसे ज्यादा है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपका धार्मिक कामों में खूब मन लगेगा। परिवार में किसी सरप्राइज पार्टी का आयोजन हो सकता है, लेकिन आपको किसी से कोई भी बात सोच समझकर बोलने की आवश्यकता है। आप अपनी सीख अपने पास रखें, इसलिए किसी को भी बिना मांगे सलाह देने से बचें। आपको किसी लड़ाई-झगड़े की स्थिति में भी धैर्य बनाए रखना होगा।

वृषभ- आज आपके मन में यदि किसी काम को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। परिवार के सदस्यों का आपका पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करके कामों में जुटने की आवश्यकता है, तभी वह आसानी से पूरे हो सकेंगे। संतान की पढ़ाई-लिखाई में कुछ समस्या महसूस होगी, जिनके लिए आपको उनके गुरुजनों से बातचीत करने की आवश्यकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मध्यम रहने वाला है। संतान के करियर को लेकर यदि आपको कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा, लेकिन आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा समझदारी दिखाते हुए करना होगा। आपकी किसी बात से भाई- बहनों में कोई लड़ाई झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। आपका डूबा हुआ धन आपको वापस मिलने की संभावना है।

कर्क- आज आपको अपने कामों को सोच समझकर करना होगा, क्योंकि आपके खर्च अधिक रहेंगे, इनकम सीमित रहेगी, इसलिए आप अपने खर्चों को थोड़ा कंट्रोल करने की कोशिश करें और एक बजट बनाकर चले। आपको किसी सरकारी योजना का पूरा लाभ मिलेगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में इन्वेस्टमेंट करने की प्लानिंग कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए किसी कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप दान-धर्म के कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। यदि आपको किसी गरीब व्यक्ति की सेवा करने का मौका मिलेगा, तो आप अवश्य करेंगे, लेकिन आपको किसी काम को लेकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपको जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहेगा लेकिन आपको सावधानी रखनी होगी। आपको झगड़े और झंझटों में पड़ने से टेंशन अधिक रहेगी। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें और आप अपने समय को इधर-उधर बैठकर खराब ना करें। आप यदि किसी नए काम की शुरुआत करने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो उसके लिए आप अपने परिवार के साथ-साथ किसी बाहर के व्यक्ति से भी विचार विमर्श कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती से भरा रहने वाला है। आप काम से ज्यादा घूमने-फिरने में व्यस्त रहेंगे। आपको शारीरिक थकान और कमजोरी भी बनी रहेगी। आपकी किसी पुरानी गलती को लेकर आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती है। आपका कोई नया घर खरीदने का सपना पूरा हो सकता है, जिसके लिए आप कोई डील फाइनल करेंगे। आपको थोड़ा संयम रखकर अपने कामों को करना होगा।

वृश्चिक- आज आपको अपने व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है, क्योंकि आपकी बेवजह क्रोध करने की आदत के कारण आपके आसपास के लोग आपसे परेशान रहेंगे। आपको नौकरी के किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। आपका कोई पुराना रोग उभरने से आपकी टेंशन और बढ़ेगी, लेकिन आप संतान के करियर को लेकर कोई निर्णय बहुत ही सोच विचारकर लें।

धनु- आज आप किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचें। आपके मन में बेवजह की टेंशन बनी रहेगी। यदि आपने किसी काम को भाग्य के भरोसे छोड़ा, तो उसे पूरे करने में समस्या अवश्य आएगी। आपको अपने किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी से कोई ऐसी बात ना बोले, जो कि उन्हें बुरी लगे, इससे आपके रिश्ते में दूरियां आनी संभव हैं।

मकर- आज आपको अपने कामों में थोड़ा सावधान रहना होगा, क्योंकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी हो सकती है। आपको संतान की ओर से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों में किसी छोटी-मोटी बात को लेकर खटपट हो सकती है। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको लेनदेन करना बाद में समस्या खड़ी कर सकता है, जिससे आपके अच्छे रिश्ते भी खराब हो सकते हैं।

कुंभ- आज का का दिन आपके लिए मेहनत से भरा रहेगा। आप अपने काम से जी नहीं चुराएंगे, जिससे आपको अच्छा मुकाम मिल सकेगा और आपके विरोधी भी कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे, लेकिन आप किसी के बहकावे में आकर कोई इंवेस्टमेंट करने से बचें। आपको किसी पारिवारिक मामले को धैर्य और संयम से निपटाने की आवश्यकता है। आपकी बात से आपके पिताजी का मन खराब हो सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आपके लंबे समय से रुके हुए काम भी आसानी से पूरे होंगे। परिवार के सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपकी दीर्घकालिन योजनाओं को गति मिलने से व्यवसाय में एक अच्छी पहचान बनेगी। आप अपने करियर से संबंधित किसी भी फैसले को लेने में जल्दबाजी न दिखाएं।

शब्दजाल - 7982

शब्द जाल में उन देशों के नाम ढूंढिए जो ऐथेंस 2004 ओलम्पिक में प्रथम 10 स्थानों पर रहे. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अमेरिका, चीन, रूस, आस्ट्रेलिया, जापान, जर्मनी, फ्रांस, इटली, दक्षिण कोरिया, ग्रेट ब्रिटेन

इ	अ	मे	अ	आ	स्ट्रे	लि	या	र	प	जा
न	ट	क	मे	इं	डो	ने	ग	ति	मा	पा
अ	दा	ली	रि	मा	ग	ची	द	ह	प	न
जी	ग	ल	का	द	न	स	न	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	क्षि	मे	ह	का	न	दे
ज	र्म	नी	र	व	प	ण	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	ग्रे	ला	को	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	ट	रा	रि	वि	ला
क	फ्रां	बा	रू	स	का	र	ब्रि	न	या	दे
र	स	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	टे	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	न	र

शब्दजाल - 7981 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	इं
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	रि	स्का	क	द्रा
चु	मे	ल	घा	ट	छ	मि	दु	ब	वृ	व
इं	का	न्हा	न	बा	वा	स	थु	ध	ष	ती
डि	बें	मी	ल	म	र	न	क्रो	न	वा	च
या	ट	न	र	रा	क	ण	ती	ण	बां	र
द	सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	थं	बा	दी	स
क	सु	द	र	व	न	क	फ	भौ	पु	क
रा	म	तु	प	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	ला	जी	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	मू	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6926

1		2		3		4		5	
		6				7			8
9	10			11	12			13	
			14		15		16		
17							18		
						19			
20	21			22				23	
24						25			
		26							
	27					28			

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6925

प	र	दे	स		शा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	श
	र		शि	व	रा	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
बै	रा	ग		चा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दौ	ड़		र	जा	मु	रा	द		क
	क	र्ज		ल		बी		जू	ही

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8450

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र, दरिया-3
6. आनंद, रस-2
8. दबाना, कुचलना-3
10. गुंडा, बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन, रत-2
23. व्यक्ति, जीव-3
25. सम्राट, नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी, कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना, अध्ययन-3
35. पक्षाघात, फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा, वरदान-2
40. पक्ष, एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा, सरहद-2
2. कटि, मध्यांग-3
4. दुख, कष्ट-2
5. गमन, विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य, बेकार-3
16. तहजीब, तमीज-3
18. रत्न, बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग, परिहास-3
22. मुलायम, नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज, नीरज, जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल, दम, जोर-3
33. नेत्र, आंख-3
34. नौका-2
36. घात, प्रहार-2
38. जरा, थोड़ा-2

शब्द पहेली -8449 का हल

ब	द	न		चा	त	क		त
	र्श		क	ल	ह		र	वा
ता	न		ह		खा	लि	स	
क		का	र	खा	ना		भ	
त	री	का		विं		श	रा	रा
	मी		अ	द	र	क		ज
	से	ह	रा		ह		आ	न
जा	न		ज	ही	न		स	
म		म	क	र		स	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.23 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	08.35 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.46 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.01 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.17 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.22 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.41 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.12 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	23.52 बजे से
		मिथुन	01.50 बजे से
		कर्क	04.03 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 218 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि द्वादशी 14.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 13.00 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 07.18 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.09 बजे तदनन्तर कौलव 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872428
जूलियन दिन 2460893.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 11
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सबसे बड़ी सेवा

संस्कृत के प्रकांड विद्वान कैयरजी नगर से दूर एक झोपड़ी में रहते थे। उन्हें अपने अध्ययन और लेखन से इतना भी अवकाश नहीं मिलता था कि घर-बाहर के कामों में पत्नी का हाथ बंटा सकें। पत्नी बेचारी जंगल से मूंज काटकर लाती, उसकी रस्सियां बनाकर बेचती और उससे जो कुछ मिलता, उससे घर चलाती। पति की सेवा, उनके और अपने भोजन की व्यवस्था तथा घर के अन्य सारे काम उसे करने होते थे, लेकिन यह सब करके वह परम संतुष्ट थी। वहां के राजा को काशी से आए कुछ विद्वानों ने कहा, 'आपके राज्य में एक महान विद्वान इतना कष्ट पाता है। महाराज आप कुछ तो ध्यान दें।' राजा स्वयं कैयरजी की कुटिया पर आए और उन्होंने हाथ जोड़कर प्रार्थना की, 'भगवन्, आप विद्वान हैं। जिस राज्य के विद्वान कष्ट पाते हैं उसका राजा पाप का भागी होता है। इसलिए आप मुझ पर कृपा करें।' यह सुनते ही कैयरजी ने अपनी कुछ पांडुलिपियां उठाईं, चटाई समेटकर बगल में दबाई और पत्नी से बोले, 'हमलोगों के यहां रहने से महाराज को पाप लगता है। चलो कहीं और चलते हैं।' राजा ने उनके पैरों पर गिरकर क्षमा मांगी और बोले, 'मैं तो केवल यह चाहता था कि मुझे कुछ सेवा करने की आज्ञा प्राप्त हो।' कैयरजी ने कहा, 'आप केवल इतना भर करें कि फिर यहां न आएं और मुझे धन, संपत्ति आदि किसी चीज का प्रलोभन न दें। मेरे अध्ययन में विघ्न न पड़े, यही मेरी सबसे बड़ी सेवा है।' राजा समझ गए कि सच्चे विद्वान के लिए उसका कार्य ही सबसे महत्वपूर्ण है। उसे भौतिक सुखों की कोई चाह नहीं होती।

सूडोकु नवताल- 7235

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7234 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही तेल, गैस और फार्मा शेयरों में हुई बिकवाली से आई है हालांकि अंत में बाजार ने रिकवरी भी की जिससे गिरावट पर कुछ हद तक लगाम लगी। अमेरिका के 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 308 अंक गिरकर 80,710.25 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73. 20 अंक नीचे आकर 24,649.55 पर बंद हुआ। आज कामकाज के दौरान ऑटो इंडेक्स 0.4 फीसदी बढ़ा जबकि आईटी, बैंक, तेल एवं गैस, एफएमसीजी, फॉर्मा में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा स्मॉलकैप इंडेक्स और बीएसई मिडकैप हल्की गिरावट रही। वहीं एनएसई पर अदानी एंटरप्राइजेज, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज़्यादा गिरे जबकि टाइटन कंपनी, एसबीआई लाइफ, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक के शेयरों में बढ़त रही। एशियाई बाजारों की बात करें तो शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्केई 225 अंक ऊपर उठकर बंद हुआ. वहीं यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे जबकि. अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ की इक्विटी बेची. वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी की खरीदारी की। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ। था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनियाभर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर अधिक अधिक टैरिफ लगाने की नई धमकी से भी बाजार पर दवाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स गिरावट के बाद ही 80,634.61 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 24,608.95 पर फिसल गया। सुबह के कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.38 फीसदी टूटकर कामकाज कर रहा था। सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी में सबसे अधिक 0.55 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी बैंक 0.12 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.25 फीसदी गिरा।

अब डाकघर में बैंकिंग करने अंगूठा लगाने और ओटीपी की झंझट खत्म

नई दिल्ली। अब डाकघर जाकर बैंकिंग करने न तो अंगूठा लगाने और न ही ओटीपी की झंझट...रहेगी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने देशभर में आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन सेवा की शुरुआत की है, जिससे अब ग्राहक केवल अपने चेहरे से ही खाता खोल सकेंगे, बैलेंस देख पाएंगे, पैसे भेज सकेंगे और बिल का भुगतान भी कर सकेंगे। यह सेवा उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी जो अब तक अंगूठे की पहचान या ओटीपी सिस्टम से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों से जूझते रहते थे। बुजुर्गों, दिव्यांगों, और दूरदराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह तकनीक बैंकिंग को आसान बना देगी। फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मानकों पर विकसित किया गया है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत करने के साथ-साथ एक ऐसा सिस्टम तैयार करती है जो पूरी तरह संपर्करहित और सुरक्षित है। आईपीपीबी के मुताबिक यह सेवा जल्द ही पूरे देश के 1.6 लाख डाकघरों और 3 लाख से ज्यादा पोस्टल कर्मियों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाई जाएगी। यह कदम आपका बैंक, आपके द्वार मिशन के तहत वित्तीय समावेशन को और गहरा करने की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। महामारी या किसी भी स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति में जब शारीरिक संपर्क से बचना अनिवार्य हो जाता है, उस समय यह फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक बेहद कारगर सिद्ध होगी। इससे न सिर्फ लेनदेन तेज और आसान होगा, बल्कि बैंकिंग सेवाएं सभी के लिए ज्यादा सुलभ और सुरक्षित बनेंगी।

यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँची

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के ताजा आँकड़ों के मुताबिक, 2 अगस्त 2025 को यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँच गई। यह एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन बीते वर्षों की तुलना में इसकी वृद्धि दर धीमी रही है। इस उपलब्धि के साथ, यूपीआई के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मोदी सरकार ने प्रतिदिन 100 करोड़ लेनदेन का लक्ष्य रखा है, और सरकार को उम्मीद है कि यह अगले साल तक हासिल हो जाएगा। हालांकि, फिनटेक कंपनियों और भुगतान संघों का मानना है कि इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को फिर से लागू करना चाहिए।

क्या है एमडीआर ?

दरअसल एमडीआर वह शुल्क है जो बैंक डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया के लिए व्यापारियों से लेते हैं। यह आमतौर पर लेनदेन मूल्य का 1 से 3 प्रतिशत तक होता है। दिसंबर 2019 में, मोदी सरकार ने रुपये डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर माफ कर दिया था। मोदी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025 में यूपीआई के लिए सब्सिडी घटाकर 1,500 करोड़ कर दी है, लेकिन उसने एमडीआर की मांग को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा कि यूपीआई को वित्तीय रूप से सस्टेनेबल बनाया जाना चाहिए, क्योंकि कोई न कोई तब इस लागत को वहन करेगा ही। यह देखना बाकी है कि क्या एमडीआर को फिर से लागू किया जाएगा या फिर यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च उपयोगकर्ताओं को उठाना पड़ेगा। इस बीच, यूपीआई ने दैनिक लेनदेन की मात्रा में वैश्विक भुगतान दिग्गज वीज़ा को पीछे छोड़ दिया है और अब यह भारत के सभी डिजिटल लेनदेन का करीब 85 प्रतिशत संभालता है।

आस्था और भक्ति के साथ कोटेश्वर धाम में पहुंचे हजारों श्रद्धालु

सावन के अंतिम सोमवार भगवान कोटेश्वर नाथ के दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

लांजी (पद्मेश न्यूज)। कोटेश्वर धाम लांजी में श्रावण मास चौथे सोमवार 04 अगस्त 2025 को श्रृद्धालु भक्त जनों का हुजूम लगा रहा। श्रावण मास अंतिम श्रावाण सोमवार 4 अगस्त यह तारीख कोटेश्वर धाम के इतिहास में ऐतिहासिक रूप से दर्ज की जावेगी क्योंकि अब तक कोटेश्वर धाम के इतिहास में एक ही दिन में इतनी अधिक दर्शनार्थी एवं कांवड़ियो के भीड़ नहीं देखी गई। जानकारों के मुताबिक या प्रशासन के द्वारा जो जानकारी प्राप्त हुई उनके अनुसार श्रावण मास के अंतिम श्रावण सोमवार को 50 हजार से 1 लाख दर्शनार्थी तथा हजारों कांवडियें कोटेश्वर धाम पंहुचकर भगवान श्री कोटेश्वर नाथ के दर्शन लाभ प्राप्त कर मनवांछित फल की प्राप्ती हेतु प्रार्थना की गई। धर्म नगरी लांजी जहां प्राकृतिक छटा बिखेरती सुरम्यी वादियों मे आदिकाल से साक्षात भगवान श्री कोटेश्वर महादेव का वास हैं। सिद्धपीठ एवं 108 उपलिंगो में से एक भगवान श्री कोटेश्वर महादेव की महिमा का सम्पूर्ण जिले तथा संभाग एवं आस-पास के पडोसी राज्यों में इनकी महिमा का गुणगान व्यास हैं। इस वर्ष चौथे अंतिम सोमवार जैसे भीड़ नजर आई चारो ओर से श्रृद्धालु भक्त गण एवं कांवड़िये आते दिखाई दिये मानों लांजी कोटेश्वर धाम पंहुचने वाले सारे मार्ग भगवा मयी हो गये थे और संपूर्ण मार्गो पर भक्त जन एवं कांवड़ियो की ही भीड़ नजर आ रही थी अनुमानित संख्या बताई जाए तो चौथे सोमवार को कोटेश्वर मंदिर में 50 हजार की संख्या में श्रद्धालु भक्तगण पहुंचे। लांजी सहित पडोसी राज्यो एवं प्रदेश के अन्य जिलो से भी श्रृद्धालुओं का जत्था दिखाई दिया जिन्होने कोटेश्वर धाम पहुंचकर भगवान कोटेश्वर नाथ के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

जय श्री महाकाल सेवा समिति ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

सावन मास के चलते प्रत्येक सोमवार को विशेष पूजा अर्चना करने हेतु विभिन्न राज्यों के क्षेत्रों से दर्शनार्थी श्रद्धालु भक्तगण दादा कोटेश्वर भगवान के दर्शन करने के लिए पधारते है। इसी बीच सामाजिक संगठन समिति के द्वारा कोटेश्वर धाम में पधारे भक्त गणों के लिए विशाल भंडारा महाप्रसाद का आयोजन करते हैं। 04 अगस्त को सावन के चौथे सोमवार के अवसर पर लांजी नगर के जय श्री महाकाल सेवा समिति के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। विशाल भंडारा को प्रारंभ सर्वप्रथम दादा कोटेश्वर को भोग चढ़ाकर किया गया। महाप्रसादी को दोपहर 2 बजे से किया गया जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान हजारो की संख्या में विभिन्न क्षेत्रों से पधारे भक्तगणों ने दादा कोटेश्वर का आर्शीवाद लेकर भण्डारे की महाप्रसादी को ग्रहण किया। इस विशाल भंडारे के आयोजन में जय श्री महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष पदाधिकारी तथा सदस्यगणों का विशेष योगदान रहा।

जगह-जगह हुये भण्डारे महाप्रसाद के आयोजन

लांजी नगर में 04 अगस्त का दिन धर्म नगरी लांजी के भक्ति में डूबा दिन था जहां कोटेश्वर धाम में हजारो दर्शनार्थी, भक्त गण एवं कांवड़िये पंहुचे तो इन्ही की व्यवस्था के लिये नगर में करीब 10 से अधिक भण्डारे महाप्रसाद का आयोजन अलग अलग सामाजिक एवं धर्म प्रेमी संस्था के द्वारा किया गया। नगर के बालाघाट मार्ग, सालेटेकरी मार्ग, भिलाई मार्ग, जनपद के सामने, सहित अनेकों स्थानों में भी भण्डारे एवं महाप्रसाद का आयोजन भगवान कोटेश्वर नाथ की कृपा से किया गया था। सभी भण्डारे महाप्रसाद में दर्शनार्थी, भक्त गण एवं कांवड़ियो ने पंहुचकर प्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया।

कान्द्रीघाट, रिसेवाड़ा, लोहारा में कांवड़ियो के लिये भक्तो नें किया महाप्रसाद का आयोजन

बोल बम सेवा समिति के द्वारा चहेली सीतापाला से कोटेश्वर धाम तक कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है जहां कान्द्री घाट में बोल बम सेवा समिति लांजी के द्वारा कांवड़ियो के लिये प्रसादी का आयोजन किया जाता है वहीं अनेको धर्म प्रेमी सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के द्वारा कांवड़ यात्रा के मार्ग में कांवड़ियो के लिये विभिन्न प्रकार से प्रसादी फलहारी फल आदि की व्यवस्था की जाती है इसी कड़ी में बोल बम सेवा गुप्ता परिवार के द्वारा रिसेवाड़ा में तथा श्री महाकाल सेवा समिति के द्वारा लोहारा में कांवड़ियो के लिये प्रसाद फलहार की व्यवस्था की गई थी।

प्रशासन ने की चाक चौबंद व्यवस्था

श्रावण मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को कोटेश्वर धाम में हमेशा की तरह हजारों दर्शनार्थी एवं कांवड़ियो के आने का पूर्वानुमान रहता है जिसको लेकर प्रशासन पूर्व से ही चाक चौबंद व्यवस्था बनाये जाने हेतु प्रशानिक तौर पर तैयार रहती है। जिसके तहत एसडीएम कमलचंद सिंहसार के द्वारा पूर्व से स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये गये थे। इस वर्ष कोटेश्वर धाम में ऐतिहासिर भक्तो की तादाद होने के चलते प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस प्रशासन को कड़ी मेहनत करनी पड़ी जिसके तहत चाक चौबंद व्यवस्था पुलिस प्रशासन द्वारा की गई। इसी कड़ी में अन्य विभागों का भी योगदान रहा। इसी कड़ी में बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े के द्वारा स्वास्थ्य अमले को कोटेश्वर धाम में स्वास्थय परिक्षण हेतु निर्देशित किया गया था। नगर परिषद लांजी अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष, पार्षद गणों एवं सीएमओ के द्वारा भी आये हुये भक्तो के लिये पानी सहित अन्य व्यवस्थाऐं सुचारू रूप से की गई थी। वहीं विद्युत विभाग के द्वारा भी सुचारू रूप से विद्युत व्यवस्था की गई।

एकल अभियान श्री हरि योजना ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम-रामेश्वर दयाल

झलांजी (पद्मेश न्यूज)। एकल अभियान संच लांजी द्वारा नगर के कोटेश्वर मंदिर परिसर में 30 दिवसीय अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है इसी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे एकल अभियान संगठन प्रमुख रामेश्वर दयाल जी ने एकल

अभियान संच के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड के धनबाद जिले के टुंडी ब्लॉक से 35 वर्ष पूर्व शुरू हुए एकल अभियान श्री हरि योजना ने आज देश के 1 लाख गांवों में अपनी पहचान बना ली है। इस अभियान के संगठन प्रमुख रामेश्वर दयाल, जो पिछले 25 वर्षों से विभिन्न दायित्वों के साथ इस अभियान से जुड़े हैं, ने बताया कि एकल अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, प्राकृतिक चिकित्सा, ग्राम विकास, और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। 1989 में धनबाद के 60 गांवों से शुरू हुआ यह अभियान 1999 तक झारखंड में प्रयोग के रूप में चला और वर्ष 2000 से इसे अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया गया। आज यह योजना भारत के प्रत्येक राज्य में कार्यरत है, जिसमें 4,000 प्रशिक्षित सेवा वृत्ति कार्यकर्ता और 6,000 पूर्णकालिक कार्यकर्ता समर्पण भाव से कार्य कर रहे हैं। इस अभियान का उद्गम धनबाद के टुंडी ब्लॉक से हुआ, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक भाऊराव देवरस ने ग्रामीणों की दो प्रमुख मांगों—शिक्षा और प्राथमिक चिकित्सा—को पूरा करने का बीड़ा उठाया। एकल अभियान के तहत ग्रामीण युवक-युवतियों को 9 महीने का प्रशिक्षण देकर आचार्य के रूप में तैयार किया जाता है, जो स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करते हैं। यह अभियान पांच प्रमुख क्षेत्रों—प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, प्राकृतिक चिकित्सा, ग्राम विकास, और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन—पर केंद्रित है। विशेष रूप से एकल श्री हरि योजना के तहत ग्रामीण युवाओं को कथाओं के माध्यम से सामाजिक जागरूकता और आस्था को सुदृढ़ करने का कार्य किया जाता है। इसके अलावा, कम्प्यूटर मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीण बच्चों को उनके गांव में ही कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान की जा रही है। यह पहल ग्रामोत्थान का हिस्सा है, जिसमें बेसिक कोर्स के बाद उन्नत प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाता है। रामेश्वर दयाल ने बताया कि अभियान का लक्ष्य 4 लाख ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचना और स्थानीय समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर करना है। एकल अभियान श्री हरि योजना ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, और आत्मनिर्भरता के माध्यम से सामाजिक उत्थान को बढ़ावा दे रहा है।

सावन के चौथे सोमवार को बोल बम समिति ने किया विशाल भण्डारा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्म नगरी लांजी 04 अगस्त को भगवा मय हो चुकी थी, लांजी के सभी प्रमुख मार्गो पर कावड़ यात्री दिखाई दे रहे थे, बतादे कि प्रतिवर्ष श्रावण मास के अंतिम सोमवार को बडी संख्या में कोटेश्वर धाम दर्शनार्थी एवं कावड़ यात्री पंहुचते है। संपूर्ण नगर में धर्म की गंगा बह रही थी, जंहा बोल बम सेवा समिति के द्वारा आयोजित लगभग 2000 से अधिक कावड़ यात्री चहेली सीतापाला से जल लाकर भगवान कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक किया वंही जिले के अनेको ग्रामो से हजारों की संख्या में कावड़ यात्री लांजी पंहुचकर कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया।

बोल बम सेवा समिति लांजी के द्वारा विशाल भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन

कोटेश्वर धाम में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को प्रतिवर्ष विशाल भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन बोलबम सेवा समिति के द्वारा किया जाता है जो कि इस वर्ष भी किया गया, जिसमें हजारों की संध्या मे कावडियें एवं श्रद्धालु भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। बोल बम सेवा समिति द्वारा महाप्रसाद का आयोजन बाबा कोटेश्वर को भोग लगाने के पश्चात सुबह 11:30 प्रारंभ कर दिया जाता है। इस महाप्रसाद को ग्रहण करने के लिये बोल बम सेवा समिति के संरक्षक रमेश दिलीप भटेरे अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, प्रमोद अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल गोंदिया, रूपेश अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, सचिव चंद्रकांत किरनापुरे लांजी, कपिल अग्रवाल,दीपक बंसल, संदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, मयूर सुले, संजय टेंभरे, दीपक अग्रवाल, ललीत लाला अग्रवाल, अंकित श्रीवास्तव, जय श्रीवास्तव, मनीष लालू अग्रवाल, आलोक चौरसिया, राकेश रणदिवे, बाबु उपाध्याय, अमित आसटकर, शरद आसटकर, यश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, नितीन अग्रवाल, राजेश मस्करे, कार्तिक, तनय अग्रवाल, महेन्द्र कर्राहे, विक्की तिड़के, डॉ प्रकाश बेदरे, रोमी अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, कोमल काड़े, महेश बेदरे, प्रेमचंद दानी, लक्ष्मीचंद्र लालू दानी, दिलीप खरखाटे, रामेश्वर खरखाटे, बोल बम सेवा समिति टेड़वा, सुनील चोरवाड़े एवं टीम, नरेन्द्र डेकारेशन, सागर सहित अनेको ऐसे शिव भक्त थे जो कि भण्डारे में घंटो तक सहयोग प्रदान किया।

बोल बम सेवा समिति ने किया आभार व्यक्त

बोल बम सेवा समिति के द्वारा आयोजित कांवड यात्रा एवं भण्डारा प्रसाद में अनेको ऐसे शिव भक्त रहे जिन्होने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से संपूर्ण सेवा भाव के द्वारा सहयोग प्रदान किया जिसके बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव एवं संपूर्ण पदाधिकारी एवं सदस्यों के द्वारा सभी सहयोगी गण जिनमें राजस्व विभाग लांजी, वन विभाग लांजी, नगर परिषद लांजी, पुलिस प्रशासन लांजी सहित अन्य प्रशासनिक अमला एवं समाजसेवी गणो का आभार व्यक्त कर धन्यवाद प्रेषित किया गया।

साडरा दहेगांव के कांवड़ियों ने दुमोहन घाट से जल लाकर किया भगवान कोटेश्वर का जलाभिषेक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्म नगरी लांजी में श्रावण मास के पावन पर्व पर कोटेश्वर धाम में भक्तों एवं कांवड़ियों की तादाद लगातार बढती जा रही है। क्षेत्र के कोने कोने से भक्त गण कांवड़ में जल लाकर बाबा कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक कर मनवांछित फल की प्राप्ती कर रहे है। बोल बम सेवा समिति के द्वारा जहां चहेली सीतापाला से कोटेश्वर धाम तक कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है वही क्षेत्र के अनेको नदी नालो जल स्रोतो के उद्गम स्थल से कांवड़ में जल लेकर भक्त गण कोटेश्वर धाम पंहुचते दिखाई देते है। इसी कडी में ग्राम देवलगांव स्थित महाराष्ट्र सीमा से लगे नन्सरी दुमोहन घाट त्रिवेणी संगम के पावन जल को कावंड़ में लेकर 4 अगस्त को दहेगांव एवं साडरा के कावंड यात्री 20 किमी की पद यात्रा कर कोटेश्वर धाम पंहुचें जहां विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर त्रिवेणी संगम के जल से महादेव का जलाभिषेक किया गया।

देवलगांव कांवड यात्री का स्वागत सत्कार

ग्राम देवलगावं के बस स्टैण्ड स्थित चौराहे पर ग्राम के भक्त गणों के द्वारा दुमोहन घाट से जल लेकर आ रहे कांवड़ियो को पुष्प माला, तिलक वंदन तभा कांवड़िये के पैर धुलाकर स्वागत वंदन किया गया तथा कांवड़ियो के लिये स्वल्पहार की व्यवस्था की गई। कांवडिये जैसे ही ग्राम के चौक पर पंहुचे डीजे बाजे गाजे के साथ स्वागत किया गया एवं ठाकरे परिवार के द्वारा समस्त कावंड़ियों को पैर हाथ धुलाकर तिलक वंदन की मिष्ठान की व्यवसथा की गई थी। इस दौरान समस्म ग्राम के गणमान्य नागरिक एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे। बतादे कि प्रतिवर्ष दुमोहन नन्सरी घाट त्रिवेणी संगम से कांवड़ियो की तादाद बढती ही जा रही है जो कि अब आस्था का केन्द्र बन चुका है।

सनशईन किड्स प्ले स्कूल लांजी में मनाया गया हरियाली महोत्सव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। 4 अगस्त दिन सोमवार को सनशाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी में हरियाली महोत्सव (ग्रीन डे) मनाया गया जिसमें संस्था के समस्त छात्र-छात्राओं द्वारा एक-एक पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। संस्था के संचालक अविनाश रैंच एवं प्रधान पाठिका श्रीमती योगेश्वरी अविनाश रैंच के द्वारा हरियाली महोत्सव के रूप में पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया गया कि पौधे लगाने से हमारे आसपास का वातावरण हरा भरा रहेगा और हमेशा हमें शुद्ध हवा प्राप्त होगी जिससे हमारा शरीर हमेशा स्वस्थ रहेगा इस कार्यक्रम के तहत बच्चों ने हरे रंग के कपड़े पहन कर हरे रंग की कलाकृतियां बनाई गई और हरे रंग के नाश्ते का आनंद लिया गया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की प्रधान पाठिका श्रीमती योगेश्वरी रैंच तथा समस्त शिक्षिकाएं विनीता पिपरे, आलिया खान, सुधा खान , संगीता वानखेड़े , फरहीन खान , कहकशा नजमी, भमेस्वरी फाए , पायल बनवारी , रश्मि रामटेककर , शीतल पांचाले , आंकी कुचलाहे, देवकी बनोठे , दीपिका मस्करे, गीता गुर्दे कल्पना मेश्राम, रीना कुमरे , विध्या पटले, सभी का योगदान रहा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

'अपनों' को साध रहे खंडेलवाल

रूठे और उपेक्षित नेताओं के साथ बढ़ाया जा रहा मेलजोल

भोपाल। मप्र में सत्ता और संगठन में जगह नहीं मिलने से नाराज और उपेक्षित नेताओं और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के अभियान में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल जुटे हुए हैं। इस क्रम में वे जिस भी जिले में दौरा करते हैं, वहां के सभी नेताओं को बुलाकर बातचीत कर रहे हैं। उनका फोकस खासकर उन नेताओं पर अधिक होता है जो कुछ समय से पार्टी में निष्क्रिय बने हुए हैं। दरअसल, मप्र भाजपा में कुछ ऐसे नेता हैं जो सत्ता और संगठन में पद और सम्मान से कोसों दूर हैं। पार्टी के भीतर उन्हें नकार दिया गया है और वे सत्ता में आने को बेताब हैं।

गौरतलब है कि पार्टी के भीतर पनपता असंतोष और घमासान लगातार राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह असंतोष विशेष रूप से उन वरिष्ठ और दिग्गज नेताओं में ज्यादा गहराया है, जिन्हें न तो संगठन में उचित स्थान मिल पाया है और न ही सरकार में उन्हें सत्ता का सुख प्राप्त हुआ है। अब स्थितियां, पार्टी के लिए एक जटिल चुनौती पेश कर रही है, क्योंकि यह आंतरिक एकजुटता और भविष्य की राजनीतिक दिशा पर सवाल खड़े करती है।

गौरतलब है कि भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मोर्चा संभालते ही संगठन की विचारधारा से दाएं-बाएं होने वाले नेताओं को पहले ही चेतावनी दे दी गई है तो वहीं जिलों में जाकर रूठे और उपेक्षित नेताओं में जान फूंकने की कवायद खुद खंडेलवाल कर रहे हैं। वह कार्यकर्ताओं के बीच जाकर उनके साथ भोजन पर चर्चा कर रहे हैं। इस आयोजन में मंत्री, विधायक, सांसद और वरिष्ठ नेताओं का बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ मेलजोल बढ़ाया जा रहा है। इससे इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि गठित होने वाली प्रदेश व जिला कार्यकारिणी में पुराने नेताओं की मौजूदगी प्रमुखता से दिखाई दे, सकती है। वहीं डेढ़ साल बाद प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी। राज्य सरकार सहकारिता चुनाव कराने की भी बात कर रही है। ऐसे में खंडेलवाल का यह नवाचार महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसका फायदा पार्टी को मिलेगा। भाजपा संगठन भी पुराने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने में जुट गया है। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल जिला और मंडल कार्यकर्ताओं के अलावा पार्टी के उपेक्षित और पुराने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे है। जामवाल, पार्टी कार्यकर्ताओं के शिकवे शिकायतें भी धैर्य के साथ सुन रहे हैं। हाल ही में जामवाल ने रायसेन और इंदौर पहुंचकर कार्यकर्ताओं की बैठकें की थीं। वैसे तो जामवालं का मुख्यालय रायपुर है, लेकिन वह संगठन को मजबूत करने की दिशा में मप्र के सभी अंचलों में का दौरा कर रहे हैं।

तीन माह तक जिलों का दौरा करेंगे खंडेलवाल

बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं का बड़े नेताओं के साथ निरंतर संवाद और कामकाज के प्रति समर्पण बना रहे, इस उद्देश्य से हेमंत खंडेलवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र बैतूल से इसकी शुरुआत कर दी है। वह आगामी तीन माह तक प्रदेश के सभी संगठनात्मक 62 जिलों का दौरा करेंगे। इससे पहले वह ग्वालियर, जबलपुर और रीवा संभाग का दौरा कर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर चुके हैं। खंडेलवाल ने अध्यक्ष बनने के कुछ दिन बाद से ही पुराने वरिष्ठ नेताओं से भी मेलजोल बढ़ाया है। वह केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, वरिष्ठ नेता कप्तान सिंह सोलंकी और गौरीशंकर शेजवार जैसे कई वरिष्ठ नेताओं से मिलकर मार्गदर्शन ले चुके हैं। इस नवाचार को लेकर भाजपा प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल का कहना है कि भाजपा संपर्क और संबंधों के आधार पर परिवार भावना से संगठन चलाती है। संगठन के मुखिया के नाते प्रदेश अध्यक्ष लगातार प्रयास कर रहे हैं कि पार्टी के हर स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद हो। प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल का कहना है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दौरा नहीं जमीनी काम का रहे हैं। वह कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। प्रमुख मंदिरों का दर्शन कर रहे हैं, पुराने नेताओं के निवास जाकर भेंट कर रहे हैं। समूह से लेकर प्रत्येक कार्यकर्ताओं से मेल मुलाकात कर वह रात्रि का भोजन भी कार्यकर्ताओं के साथ ही कर रहे हैं। जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी विभिन्न स्तरों पर कार्य करने वाले कार्यकर्ता सभी से निरंतर संवाद की पार्टी की अपनी परंपरा को अध्यक्ष बड़ी ही गंभीरता और उदारता से निभा रहे हैं।

कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे की मुश्किलें बड़ी

सुप्रीम कोर्ट ने दिए दुष्कर्म मामले की दोबारा जांच के आदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायक और विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे की मुश्किलें दुष्कर्म के पुराने मामले में बढ़ती नजर आ रही है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा जिस दुष्कर्म मामले की एफआईआर को रद्द कर दिया था, अब सुप्रीम कोर्ट ने उस मामले में दोबारा जांच कराने के आदेश राज्य सरकार को दिए हैं। राज्य सरकार की याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय के दो न्यायमूर्ति की पीठ ने यह आदेश दिया है। अगर जांच दोबारा शुरू होती है तो कटारे उलझ सकते हैं। हालांकि, दुष्कर्म पीड़िता कुछ साल पहले प्रयागराज जिले में एक रिश्तेदार के यहां आत्म/हत्या कर चुकी है। मामले में जानकारी के अनुसार भिंड जिले के अटेर से विधायक हेमंत कटारे ने वर्ष 2018 के जनवरी महीने में 17-18 तारीख की दरमियानी रात भोपाल क्राइम ब्रांच में एक युवती के खिलाफ ब्लैकमेलिंग का प्रकरण दर्ज कराया था। आरोप लगाया था, कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की 21 वर्षीय छात्रा स्वाति कुमारी (परिवर्तित नाम) दुष्कर्म का झूठा प्रकरण दर्ज कराने के बदले दो करोड़ रुपये की मांग कर रही है। बाद में युवती ने 25 लाख लेकर प्रकरण दर्ज कराने से इंकार कर दिया है। क्राइम ब्रांच ने कटारे की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर युवती को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान युवती ने कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे द्वारा अपहरण कर दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया। इसके बाद 23-24 जनवरी 2018 को भोपाल के महिला थाने में कटारे के खिलाफ अपहरण कर दुष्कर्म करने का प्रकरण दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला मान्य, राजनीति से प्रेरित जांच न हो- उमंग सिंघार

उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बयान देते हुए कहा की मामला सुप्रीम कोर्टी में है, दोष सिद्ध नहीं हुआ है भाजपा आरोप लगाती है। देखिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हम सम्मान करते हैं जो भी जांच हो निष्पक्ष जांच हो राजनीति से प्रेरित जांच न हो।

सरकार ने साफ कर दिया- कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू नहीं होगी

भोपाल। लंबे समय से प्रदेश के कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर आज मंगलवार को राज्य विधानसभा में सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी। राज्य के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि पुरानी पेंशन स्कीम लागू नहीं होगी और इसको लेकर किसी तरह का कोई विचार भी नहीं है।

विधानसभा में कांग्रेस विधायक सेना महेश पटेल ने पुरानी पेंशन की बहाली का मामला प्रश्नकाल में उठाते हुए कहा- प्रदेश में 2005 के बाद नियुक्त शासकीय सेवकों को नई पेंशन योजना में लाया गया है। उन्हें पुरानी पेंशन योजना में कब लाया जाएगा? क्या सरकार पुरानी पेंशन योजना लागू करने पर विचार कर रही है? जब राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब में पुरानी पेंशन योजना बहाली पर काम हो रहा है तो मध्यप्रदेश क्यों पीछे है? ओपीएस की बहाली के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाए। इसके जवाब में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि इस तरह का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इसलिए बाकी सवाल नहीं उठते हैं। वहीं प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक चंदा सुरेंद्र सिंह गौर ने पलेरा के महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रदीप मिश्रा के स्थानांतरण का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि मिश्रा द्वारा गलत जानकारी दिलाई गई है। उन्हें कब हटाया जाएगा?

जल्द ही तय होगा विधायक निर्मला सप्रे का भविष्य

भोपाल। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची बीना विधायक निर्मला सप्रे ने ठीक लोकसभा चुनाव 2024 के पहले भाजपा का दामन थाम लिया था। भाजपा से जुड़ने के बाद उन्होंने बिना इस्तीफा दिए भाजपा के कार्यक्रमों में शामिल होना शुरू कर दिया। बिना इस्तीफा दिए भाजपा में शामिल हुई विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा स्पीकर को सदस्यता रद्द करने का आवेदन दिया, लेकिन 90 दिन बीत जाने के बाद स्पीकर ने कोई फैसला नहीं लिया।

इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने हाइकोर्ट इंदौर बेंच में रिट पिटीशन दायर की थी। इस मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है और हाइकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। माना जा रहा है कि जल्द ही निर्मला सप्रे का भविष्य तय हो जाएगा। विधानसभा स्पीकर द्वारा निर्मला सप्रे को लेकर नेता प्रतिपक्ष के सदस्यता रद्द करने के आवेदन पर विचार नहीं किए जाने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने रिट पिटीशन दायर की थी। जिसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस से चुनी गई विधायक निर्मला सप्रे बीजेपी के साथ चली गई हैं। लेकिन विधानसभा सदस्यता से उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। इस आधार पर उन्होंने निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की थी। लेकिन स्पीकर ने तय 90 दिन की अवधि में कोई कार्रवाई नहीं की, इसलिए कोर्ट की शरण लेनी पड़ी।

हाइकोर्ट ने रखा फैसला सुरक्षित

इस मामले में हाइकोर्ट की इंदौर बेंच ने सुनवाई के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के वकील विभोर खंडेलवाल ने कोर्ट से कहा कि 90 दिन की तय अवधि में स्पीकर द्वारा निर्णय नहीं दिए जाने के बाद हाइकोर्ट निर्णय दे या फिर विधानसभा स्पीकर को निर्देशित करे कि वे इस मामले में निर्णय दें। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से भी महाअधिवक्ता प्रशांत सिंह ने तर्क रखे।

आपदा प्रबंधन को छोड़ अन्य काम नहीं करेंगे तहसीलदार

भोपाल। राजस्व अधिकारियों के न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन का बुधवार से फिर विरोध होगा। तहसीलदार और नायब तहसीलदार आपदा प्रबंधन को छोड़ अन्य कोई काम नहीं करेंगे। हालांकि, वे अभी सामूहिक हड़ताल नहीं करेंगे और न ही मुख्यालय छोड़ेंगे। भोपाल में भी इसका विरोध होगा, जिससे आमजनों के कामकाज पर असर पड़ सकता है। वर्तमान में सभी तहसील- बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर में तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया गया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फिल्ड में नहीं है। वहीं, फिल्ड वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे।

इस संबंध में मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा और सीनियर अधिकारियों के सामने अपनी बात रख चुका है। इस दौरान बताया गया था कि अगले 3 महीने के लिए 12 जिलों में ही पायलेट प्रोजेक्ट के तहत यह व्यवस्था लागू की जाएगी, लेकिन बाद में 9 और जिलों में यह व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके चलते संघ के सभी जिला अध्यक्ष, प्रभारी और प्रतिनिधियों की बैठक हुई। जिसमें 6 अगस्त से विरोध करने का निर्णय लिया गया।

आज से आंदोलन करेंगे राजस्व अधिकारी

बुधवार से राजस्व अधिकारी जिला मुख्यालयों में उपस्थित रहकर आपदा प्रबंधन के कार्यों को छोडक़र समस्त कार्यों से विरत रहेंगे। सभी अधिकारी अपने शासकीय वाहन जिलों में जमा करा देंगे और अपने डिजिटल सिग्नेचर के डोंगल सीलबंद कर एकत्र कर जिला अध्यक्ष को सौंपेंगे। साथ ही जिलों के आधिकारिक वॉट्सऐप ग्रुप छोड़ेंगे।

मुख्य सचिव अनुराग जैन इसी माह होंगे रिटायर

भोपाल। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या उन्हें सेवा विस्तार मिलेगा या किसी नए वरिष्ठ अधिकारी को शीर्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। प्रशासनिक हलकों में इसे लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग जैन को पिछले वर्ष सितंबर में उस समय मुख्य सचिव नियुक्त किया गया था, जब वे केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर थे। उनकी नियुक्ति को केंद्र की प्राथमिकता माना गया था। यही वजह है कि अब उनके संभावित सेवा विस्तार को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को सेवानिवृत्ति के दिन ही एक साल का सेवा विस्तार दिया, जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन को तीन माह का विस्तार मिला। हालांकि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को सेवा विस्तार नहीं दिया गया। ऐसे में मध्यप्रदेश में मुख्य सचिव को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

यदि अनुराग जैन को सेवा विस्तार नहीं मिलता है, तो नए मुख्य सचिव के रूप में डॉ. राजेश राजौरा और अलका उपाध्याय के नामों की चर्चा है। जानकारों के मुताबिक, डॉ. राजेश राजौरा को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। राजौरा वर्तमान में नर्मदा घाटी विकास विभाग में अपर मुख्य सचिव और उपाध्यक्ष के पद पर पदस्थ है। वहीं अलका उपाध्याय केंद्र सरकार के मंत्रालय में कार्यरत हैं। जब अनुराग जैन को मुख्य सचिव बनाया गया था, तब राज्य में नई सरकार बनी ही थी और उन्हें मुख्यमंत्री की पसंद के बजाय केंद्र से आए निर्देश के आधार पर चुना गया था। अब जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगभग 20 माह से पद पर हैं और प्रशासनिक ढांचे से पूरी तरह परिचित हो चुके हैं, ऐसे में वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार निर्णय ले सकते हैं। पिछले वर्षों में प्रदेश में कई मुख्य सचिवों को सेवा विस्तार मिल चुका है। इनमें आर परशुराम, बीपी सिंह, इकबाल सिंह बैन्स और वीरा राणा शामिल हैं। वीरा राणा की सेवानिवृत्ति के अंतिम दिन ही केंद्र से निर्देश आने के बाद अनुराग जैन की नियुक्ति की गई थी।

कुछ घटनाएं बन सकती हैं बाधा

जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं के मामले को संभालने को लेकर भी मौजूदा मुख्य सचिव कार्यालय की भूमिका पर सवाल उठे थे। हालांकि, सरकार ने बाद में मंत्री को क्लीन चिट दे दी, लेकिन यह माना गया कि पूरे प्रकरण को सही ढंग से नहीं संभाला गया।

जेएन कंसोटिया भी हो जाएंगे सेवानिवृत्त

अनुराग जैन के साथ अगस्त में जेएन कंसोटिया भी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कंसोटिया 12 अगस्त को 60 साल के हो जाएंगे। जैन और कंसोटिया दोनों ही अधिकारियों ने 21 अगस्त 1989 को एक साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा ज्वाइंन की थी और अब दोनों ही सेवा नियमों के अनुसार 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। हालांकि मुख्य सचिव के लिए प्रदेश में पदस्थ और केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत अन्य आईएएस अधिकारी भी दावेदारों में शामिल है। अब तक केंद्र सरकार की तरफ से सीएस के नाम को लेकर चौंकाने वाले निर्णय लिए गए है। यहीं वजह है कि प्रदेश में अनुराग जैन के सेवा विस्तार को लेकर फिलहाल अभी स्थिति साफ नहीं है।

शांति समितियों के लिए बनेगी गाइड लाइन, दो माह में जारी हो जाएंगे दिशा-निर्देश

भोपाल। पुलिस और जनता के बीच समन्वय का काम करने वाली शांति समितियों में कोन शामिल होगा और किसकी क्या जिम्मेदारियां होंगी, इसको लेकर जल्द की मप्र में गाइडलाइन तैयार होगी। इसके लिए अगले दो माह में दिशा-निर्देश जारी कर दिए जाएंगे। इस आशय का भरोसा राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान गृहराज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने दिलाया है।

विधायक नीना विक्रम वर्मा के प्रश्न के जवाब में मंत्री पटेल ने कहा कि शांति समित में सदस्यों की आयू की सीमा तय नहीं की जा सकती है,क्योंकि कई बार समाज में बुजुर्गों का बड़ा महत्व होता है लोग उनकी बात को ध्यान सुनते और मानते भी हैं। इसलिए शांति समिति के सदस्यों की आयू निर्धारित नहीं की जा सकती है। मंत्री पटेल ने कहा कि 8 जुलाई 1987 को शांति समिति के गठन के लिए आदेश जारी हुए थे, अब एक बार फिर इन्हे रिवाइस किया जा रहा है। बता दे कि विधायक नीना वर्मा ने पूछा था कि शांति समिति के कई सदस्यों की मृत्यू हो गई है और कई सालों से इसमें पदस्थ है संख्या की कोई सीमा नहीं है लगातार बढ़ती जा रही है। इस पर गृहराज्य मंत्री ने कहा कि हम दो माह के भीतर दिशा निर्देश जारी करेंगे उस पर काम चल रहा है। सभी तरह की व्यावहारिक कठिनाईयों का समाधान हो जाएगा।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, सीएम ने तिरंगा लेकर की अपील

- तीन चरणों में चलेगा महाअभियान

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनता से हर घर तिरंगा लगाने की अपील की है। उन्होंने जनता से अपील की है कि सभी को मां भारती के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के संकल्प की अभिव्यक्ति करनी चाहिए। इसलिए सभी को राष्ट्रीय पर्व में सहभागिता करनी चाहिए। सीएम डॉ. यादव ने तिरंगा लिए खुद की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। उनके शेयर करते ही तस्वीर वायरल हो गई। दरअसल, मध्यप्रदेश सरकार हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान चला रही है। इस अभियान को सरकार तीन चरणों में पूरा करेगी। बता दें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर तिरंगे के साथ तस्वीर शेयर कर लिखा, आन-बान-शान तिरंगा, पूरे प्रदेश में लहराए हर घर तिरंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई हर घर तिरंगा अभियान की पहल के क्रम में इस वर्ष भी 2 से 15 अगस्त तक पूरे मध्यप्रदेश में हम हर घर तिरंगा लहराएं और तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर वेबसाइट पर अवश्य अपलोड करें। यह राष्ट्रीय पर्व में हमारी सहभागिता के साथ ही मां भारती के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के संकल्प की अभिव्यक्ति भी है। आइए, अपने घर पर तिरंगा लगाएं और अन्य लोगों को भी प्रेरित कर इस महाअभियान से जोड़ें। जय हिंद!

अभियान के पहले चरण में 2 से 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण और तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चाएं आयोजित की जाएंगी। इनके साथ-साथ तिरंगे से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट-लाइट अरेंजमेंट और सैन्य बलों के जवानों-पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन सहित कई गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान के दूसरे चरण में 9 से 12 अगस्त तक लोगों को साथ लाने, व्यापक प्रचार-प्रसार, ध्वजों की उपलब्धता, सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा दिखने के लिए अलग-अलग काम किए जाएंगे। स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा कॉन्सर्ट, तिरंगा बाइक-तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज की बिक्री, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान जैसे कार्यक्रम होंगे। अभियान के तीसरे चरण में 13 से 15 अगस्त तक घर, कार्यालयों, गाडियों पर तिरंगा लगाने, सेल्फ़ी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता के साथ-साथ संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाएं साझा की जाएंगी। हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगे के साथ रिकॉर्ड कार्यक्रम किए जाएंगे। इस अभियान को केन्द्रीय पेयजल-स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलाया जा रहा है। इसकी परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है। इस अभियान में स्वच्छ भारत मिशन (एसवीएम-जी) और जल-जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत गांवों, ग्राम पंचायतों में कई गतिविधियां होंगी।

15 करोड़ को लेकर विधानसभा में विपक्ष ने किया हंगामा कहा- ऐसा नहीं चलेगा

भोपाल। राज्य विधानसभा में मानसून सत्र के आज 7वें दिन राज्य के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने विधानसभा जमकर हंगामा किया। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि मुख्यमंत्री 15-15 करोड़ विधायकों को विकास कार्यों के लिए दे रहे हैं तो हम लोगों को भी मिलना चाहिए। इस तरह का दो तरह का रवैया नहीं चलेगा। दरअसल, खनिज विभाग के फंड को लेकर हंगामे की स्थिति बनी। घोड़ाडोंगरी से बीजेपी विधायक गंगा सज्जन सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र में 15 करोड़ रुपए से काम करने का मामला उठाया। इस पर कुछ विपक्षी सदस्यों ने आपत्ति उठाते हुए कहा कि ये 15 करोड़ की राशि विपक्षी सदस्यों को नहीं मिली। ये सौतेला रवैया नहीं चलने देंगे। कांग्रेस विधायक महेश परमार और ओमकार सिंह मरकाम ने कहा कि हम लोग भी चुनकर आए हैं। हमें ये 15 करोड़ क्यों नहीं मिले। इस पर दूसरे सदस्यों ने भी उनका समर्थन किया और हंगामा शुरु हो गया। प्रश्नकाल के दौरान हुए इस शोर शराबे को देखते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मामले को शांत करने कोशिश करते हुए कहा कि ये आदिवासियों को भोलपन है इस पर राजनीति नहीं होना चाहिए। कांग्रेस विधायक बालाबच्चन ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस भोलेपन के कारण ही भाजपा आदिवासियों का फायदा उठा रही है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार आदिवासियों की झोपड़ी तक पहुंचकर काम कर रही है उनके कल्याण के लिए काम हो रहा है विपक्षी सदस्यों को हजम नहीं हो रहा है। विधायक गंगा उइके के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि 1 करोड़ 51 लाख रुपए घोड़ाडोंगरी के लिए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं भाजपा के वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने सवाल करते हुए कहा कि खनिज मद से कार्य किए जाने संबंधी कोई प्रावधान नहीं है तो क्या डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड से राशि देने पर रोक लगा दी गई है?

एकदिवसीय सीरीज में फखर के बिना ही उतरेगी पाक टीम

फ्लोरिडा। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ अगस्त से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। फखर दूसरे टी20 मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। अब फखर लाहौर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसए) में रिहैब के दौर से गुजरेंगे। इस दौरान पीसीबी का मेडिकल स्टाफ उनका ध्यान रखेगा। पीसीबी ने अभी तब एकदिवसीय सीरीज के लिए उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है।

फखर इस साल दूसरी बार किसी टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं। इससे पहले 19 फरवरी को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बचे हुए मैचों से बाहर कर दिया गया था। उन्हें उस समय ये चोट तब लगी जब न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने शाहीन अफरीदी की एक गेंद को कवर्स की तरफ खेला था। जिससे वह रोकने का प्रयास कर रहे थे। इस कारण उन्हें तीन माह तक खेल से दूर रहना पड़ा था।

एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच 8 अगस्त को खेला जाएगा जबकि दूसरा 10 अगस्त और सीरीज आखिरी और तीसरी एकदिवसीय मैच 12 अगस्त को खेला जाएगा! ये तीनों ही मैच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, तारूबा, त्रिनिदाद में खेले जाएंगेद्य।

पाकिस्तान टीम = सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी, सूफियान मुकीम, हारिस रऊफ, खुशदिल शाह, अबरार अहमद, हुसैन तलत।

रिहैब के दौर से गुजर रहे सूर्यकुमार

बेंगलुरु। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव म्यूनिख में हुई सर्जरी से उबरने के लिए आजकल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) के दौर से गुजर रहे है। सूर्यकुमार का लक्ष्य सितंबर में होने वाले एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट हासिल करना है। सूर्यकुमार को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण ही दिलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद से ही वह रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले एशिया कप में खेलेगी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अधिकारियों के को उम्मीद है कि सूर्या इस टूर्नामेंट से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी पिछले सप्ताह टनेस टेस्ट के लिए यहां आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और दिलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार हैं। अय्यर को अंतिम बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखा गया था। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद भी उन्हें अब तक टेस्ट टीम में जगह नहीं मिल पायी है। ऐसे में उनका लक्ष्य दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा। चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी के मुकाबल 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे।

सारा तेंदुलकर की तस्वीरें सोशल मीडिया में छायीं

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर आजकर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों को लेकर छायी हुई हैं। सारा ने अपनी अलग पहचान भी बनाई है वह तेंदुलकर फाउंडेशन से जुड़ी हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया सरकार ने पर्यटन को बढ़ाने के लिए शुरु किये एक नये अभियान का उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। इस प्रकार सारा हमेशा ही लाइमलाइट में रहती है। अब वह एक फोटोशूट की अपनी तस्वीरों के कारण सभी का ध्यान खींच रही हैं। सारा की इन तस्वीरों पर हर दिन 2 मिलियन से ज्यादा लाइक्स आए हैं। सोशल मीडिया पर सारा बेहद सक्रिय रहती हैं। एक ट्रैवल इंफ्लुएंसर के तौर पर वह देश-विदेश के सैर सपाटे पर भी जाती रहती हैं और नई-नई जगह, चीजों की भी खोज करती रहती हैं। उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर कई शानदार तस्वीरें भी हैं। उनमें से कुछ तस्वीरों में वह रेड कलर की बॉडी फिट ड्रेस में दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में सारा का कर्वी फिगर फ्लॉन्ट हो रहा है, जो फैंस के दिलों की धड़कनों को तेज कर रहा है। एक अन्य तस्वीर में वह अपनी कातिलाना अदाओं से कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं।सारा की इन फोटोज को देखकर उनकी हॉटनेस का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।उनकी ये तस्वीरें कितनी ज्यादा शानदार हैं, उनका अनुमान आप इनपर आए 2.3 मिलियन से ज्यादा आए लाइक्स के जरिए आसानी से लगा सकते हैं।

डब्ल्यूटीसी की जगह एशेज को अधिक महत्व देते हैं स्टोक्स - कार्तिक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पर निशाना साधा है। कार्तिक ने कहा है कि स्टोक्स आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल को अधिक महत्व नहीं देते और उनका पूरा ध्यान एशेज सीरीज पर ही रहता है। इसी कारण वह डब्ल्यूटीसी के प्रारुप की आलोचना करते हैं ओर उसे संशय से भरा कहते हैं। स्टोक्स ने डब्यूटीसी की अंक प्रणाली और धीमी ओवर गति के लिए मिलनी वाली सजा पर नाराजगी जतायी है। कार्तिक के अनुसार इसी कारण डब्ल्यूटीसी के तीन चक्र होने के बावजूद इंग्लैंड अब तक तक फाइनल में नहीं पहुंचा है। स्टोक्स साल 2022 से ही इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

एशेज की शुरुआत नवंबर में होगा। कार्तिक ने कहा, 卐पिछले कुछ सालों में इंग्लैंड ने सिर्फ एशेज की तैयारी की है। हम भारत में डब्ल्यूटीसी को बहुत महत्व देते हैं पर स्टोक्स किसी कारण से अंक तालिका को महत्व नहीं देते। मुझे नहीं पता कि यह कोई बहाना है या कुछ और।卐 वहीं स्टोक्स ने कहा था, ईमानदारी से कहूं तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप थोड़ी संशयपूर्ण है, यह उनमें से एक है जहां लंबे समय तक अगर आप वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेलते हैं, तो आपको वह परिणाम मिलते हैं जो आप चाहते हैं, आप अंततः फाइनल में अपने को पाएंगे। उन्होंने साथ ही कहा था, लेकिन यह वास्तव में अजीब है, क्योंकि आपको पता है कि आप लंबे समय से किसी चीज के लिए खेल रहे हैं। मुझे याद नहीं आता कि क्या मैंने कभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बारे में सोचने के लिए कोई वास्तविक समय दिया, क्योंकि इसका प्रारुप समझ नहीं आता है। डब्ल्यूटीसी में दो साल के अंदर एक टीम छह टेस्ट सीरीज खेलते है और जीत प्रतिशत के आधार पर अंक तालिका बनती । तालिका में शीर्ष-2 में रहने वाली दो टीमें फाइनल खेलती हैं। कार्तिक के अनुसार टेस्ट क्रिकेट का भविष्य बेहतर बनाने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरु की गयी है। इसके बाद भी स्टोक्स उसकी उपेक्षा करते हैं।

हरमनप्रीत की कप्तानी में 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

बेंगलुरु। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम इसी माह 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जहां उसे चार मैच खेलने हैं। भारतीय टीम को इस दौरे में 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलने हैं। इससे भारतीय टीम को विश्वकप के लिए इसी माह के अंत में शुरु हो रहे एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर होगा। हरमनप्रीत की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया जा रही 24 सदस्यीय भारतीय टीम में कर्नाटक के पूवन्ना सीबी को भी पहली बार अवसर मिला है। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की भारतीय टीम के गोलकीपर की जिम्मेदारी कृशन पाठक और सूरज करकेरा के पास रहेगी जबकि डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और पूवन्ना होंगे।

वहीं मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, ‘हमारा ध्यान शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा। टीम में युवा खिलाड़ियों के चयन को लेकर उन्होंने कहा, ‘हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने के लिए अवसर दिया है।

हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया –ऋषभ

दौरे ने हमसे जितना मांगा, उससे ज्यादा दिया

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेहद उत्साहित हैं। इस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। ऋषभ को चौथे टेस्ट में चोटिल होने के कारण सीरीज के बीच में ही वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि ये टीम एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। इस दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। ऋषभ ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, एक ऐसा दौरा जिसने हमसे बहुत कुछ मांगा और बदले में उससे भी ज्यादा दिया। मुझे गर्व है कि हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इस दौरान टीम ने अपने को हालातों के अनुसार ढाला और लगातार टीम लड़ती रही। देश का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए सबये जरुरी है, इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं और इसी में हमें गर्व भी है। हमारे शानदार सहायोगी स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने पूरे समय हमारा साथ दिया। यह टीम भूखी है, एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी चोट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास कुछ टेपिंग है और उंगली पर पट्टी बंधी हुई है। इसी उंगली के पास फ्रैक्चर हुआ था और ऋषभ इसके बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस दौरान उनके साहस की सभी ने प्रशंसा की थी। ऋषभ ने इस दौरे पर चार मैचों की सात पारियों में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही कुल 479 रन बनाए थे।

संन्यास के बाद भी डिविलियर्स आईपीएल खेलने वाले कई खिलाड़ियों से बेहतर - स्टेन

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन का मानना है कि स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स संन्यास लेने के बाद भी आईपीएल में खेलने वाले आधे से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर हैं। स्टेन ने आईपीएल का इसलिए जिक्र किया है क्योंकि ये विश्व की सबसे कठिन क्रिकेट लीग मानी जाती है जिसमें सभी बड़े खिलाड़ी खेलते हैं। डिविलियर्स ने पूर्व क्रिकेटरों की लीग के खिताबी मुकाबले में शतक लगाकर अपने को साबित किया है डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते रहे हैं। संन्यास के वर्षों बाद भी उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि कुछ भी नहीं बदला है। 41 वर्षीय डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप

ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूईएल) 2025 में दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस की पाकिस्तान चैम्पियंस पर जीत में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।

बर्मिंघम में डल्यूसीएल फाइनल में डिविलियर्स ने 60 गेंदों पर नाबाद 120 रनों की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस को पाकिस्तान चैंपियंस पर 9 विकेट से जीत दिलाई। 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए डिविलियर्स ने अपनी विशिष्ट 360-डिग्री स्ट्रोकप्ले का प्रदर्शन किया, जिसमें 18 चौके, 10 चौके और 8 छक्के लगाए, और जेपी डुमिनी के साथ 125 रनों की साझेदारी की। इस बल्लेबाज ने इस टूर्नामेंट के 5 मैचों में तीन शतकों सहित 143 की औसत से 429 रन बनाए।

डिविलियर्स का अंतिम प्रदर्शन दिखता है कि अब भी उनकी लय बरकरार है। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ 51 गेंदों में 116 रनों की आतिशी पारी से की, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 46 गेंदों में 123 रनों की पारी खेली और फाइनल में नाबाद शतक लगाकर एक यादगार बना दी। इस टूर्नामेंट में उनकी यह उपलब्धि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पहले आईपीएल खिताब और दक्षिण अफ्रीका की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के कुछ ही महीनों बाद आई। 170 मैचों में 39.7 की औसत और 151.6 के स्ट्राइक रेट से 5162 रनों का उनका आईपीएल रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है। वह आरसीबी के स्टार बल्लेबाज रहे हैं।

मेसी चोटिल होने के कारण खेल से बाहर हुए – इंटर मियामी

फोर्ट लॉडरडेल। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दाहिने पैर में चोट लगी है। इस कारण वह आने वाले मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। फुटबॉल क्लब इंटर मियामी सीएफ ने भी मेसी के चोटिल होने की पुष्टि की है। इंटर मियामी के अनुसार मेसी के दायें पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट आई है। वही मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब ने कहा कि मेसी कब खेल में वापसी करेंगे। ये कहा नहीं जा सकता। चोटिल होने के कारण ही लीग्स कप के फेज वन में नेकाक्सा के खिलाफ हुए मुकाबले से भी वह बाहर रहे थे। इंटर मियामी की टीम हालांकि ये मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीती थी। इंटर मियामी की ओर से कहा गया, मेस्सी ने नेकाक्सा के खिलाफ लीग्स कप मुकाबले के दौरान मांसपेशियों में हुए दर्द की जांच करायी। इसी करण वह मैदान से बाहर आये। उनके दाहिने पैर में मांसपेशी में हल्की चोट भी आई है। मेस्सी की वापसी मेडिकल टीम की मंजूरी और उनके चोट से उबरने की समयसीमा पर आधारित रहेगी। इस साल की शुरुआत में भी मेसी एडडक्टर और जांघ में खिंचाव में खिंचाव जैसी समस्याओं से पीड़ित रहे हैं, जिसके कारण ही वह मार्च में अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर्स से भी बाहर रहे थे। इस सत्र में उन्होंने लीग के 18 मैचों में 18 गोल किये जबकि 9 गोल में सहायता की। लीग्स कप 2025 के की शुरुआत में एटलस के खिलाफ इंटर मियामी की अंतिम क्षणों में 2-1 से मिली जीत में दोनों गोलों में मेसी की अहम भूमिका रही। साल 2024 में भी मेसी को फिटनेस जैसी समस्याएं आईं।

स्टोक्स होते तो परिणाम कुछ और होता– वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि कप्तान बेन स्टोक्स के टीम में नहीं रहने से कोई भी टीम उसे हरा देगी। वॉन के अनुसार टीम को अंतिम टेस्ट में स्टोक्स जैसे जुझारु खिलाड़ी की कमी खली है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड को केवल 35 रन चाहिए थे और उसके पास चार विकेट थे पर जल्दबाजी के कारण उसके हाथ से मैच फिसल गया।

भारतीय टीम ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 रनों से मैच जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी।

वॉन ने कहा, ‘‘स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड ये मैच जीत जाती क्योंकि वह हालात के अनुसार खेलना जानते हैं।वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं।’’

वॉन ने कहा, ‘‘उन्हें बस एक अच्छी

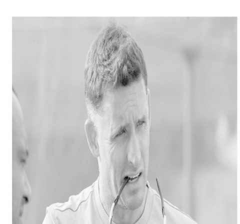

साझेदारी की ज़रूरत थी। जिस तरह से वे आक्रामक होकर खेलते हैं उसमें वे बेवजह की हड़बड़ाहट कर गये। हैरी ब्रुक के पेवेलियन लौटने से टीम के हाथ से मैच फिसल गया।।’’

स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया था। वॉन ने कहा कि भारत के खिलाफ रोमांचक सीरीज से इंग्लैंड को इस साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज सीरीज में लाभ होगा। उन्होंने कहा, ‘‘इंग्लैंड ने पांच मैचों में शानदार प्रदर्शन किया पर आपको वास्तविकता में रहना होगा। इस सप्ताह उनके पास सिर्फ़ 10 खिलाड़ी थे। उन्होंने अपना एक गेंदबाज़ जल्दी खो दिया और बेन स्टोक्स भी नहीं खेल पाए। मुझे लगता है कि खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अब अच्छी तरह से तैयार हो गये हैं।’’ वॉन ने कहा, ‘‘ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हमें केवल अपने गेंदबाजी आक्रमण को सही करना होगा।’’

सिराज द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

ओवल। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पांचवे टेस्ट मैच में मेजबान टीम इंग्लैंड को 6 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-2 से बराबरी हासिल की है। भारतीय टीम की इस जीत में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की अहम भूमिका रही। सिराज ने इस मैच की पहली पारी में 4 जबकि दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। इसी के साथ ही सिराज ने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। वह द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय और कुल मिलाकर देखा जाये तो आठवें गेंदबाज बने हैं। ओवल में चार दशक के बाद कोई गेंदबाज चौथी पारी में 5 विकेट ले पाया है। अंतिम बार साल 1984 में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने इस मैदान पर पांच विकेट लिए थे। होल्डिंग ने ये रिकार्ड सा 1976 में बनाया था। इसके अलावा साल 1997 के बाद से ही इस मैदान पर 5 विकेट लेने वाले सिराज पहले गेंदबाज बने हैं। सिराज ने पांच मैचों की सीरीज में 20 से अधिक विकेट लिए। इस गेंदबाज ने साल 2020 में भारतीय टीम में जगह हासिल करने के बाद से ही टेस्ट प्रारुप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 41 टेस्ट मैचों की 76 पारियों में 123 विकेट लिए हैं।

वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटायें गंभीर - गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से बाहर रहना ठीक नहीं है। गावस्कर ने कहा कि पहले भी खिलाड़ियों को आराम दिया जाता था पर तब कम कम महत्वपूर्ण और औपचारिकता मुकाबलों में ऐसा किया जाता था। इससे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम भी मिल जाता था और टीम को नुकसान भी नहीं होता था। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी अवसर मिल जाता था। साथ ही कहा कि तब वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर महत्वपूर्ण मुकाबलों से स्टार खिलाड़ी दूर नहीं होते थे। इसके साथ ही गावस्कर ने कहा कि कोच गंभीर वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटा दें।

गावस्कर ने वर्कलोड मैनेजमेंट के विचार को खारिज करते हुए कहा , ‘लोग वर्कलोड की बात कर रहे, अगर इसके आगे आप झुक जाते हैं तो आप मैदान में कभी अपना बेस्ट प्लेयर नहीं ला पाएंगे।’ गावस्कर ने कहा, ‘आप देश के लिए खेल रहे हो, और जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हैं तो आपको अपनी मांसपेशियों में दर्द को भूलना होगा। सरहद पर यही होता है।’ उन्होंने कहा, क्या आपको लगता है कि जवान कभी ठंडी या गरम हालात की शिकायत करते हैं? वे वहां पर तैनात हैं, देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। आपको देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही होगा।

ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज का उदाहरण देते हुए गावस्कर ने कहा, छोटे-मोटे दर्द को लेकर चिंता मत करो। ऋषभ ने जो किया, वो क्या दिखाता है? वह फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरा। अपनी टीम में आप इसी तरह की भावना देखना चाहते हो। यही अपेक्षा की जाती है। छोटी-मोटी चोट से पीछे मत हटो। 140 करोड़ लोगों में से आपको भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिला है, यह एक सम्मान है। आप अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली है और इसलिए आपको इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। वहीं सिराज ने 5 टेस्ट मैचों में लगातार गेंदबाजी की है। गावस्कर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वर्कलोड भारतीय क्रिकेट की डिक्शनरी से बाहर होगा। मैं लंबे समय से यह बात कहता आया हूं। साथ ही कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर उनके बयान को जसप्रीत बुमराह से नहीं जोड़ा जाना चाहिये क्योंकि बुमराह चोट की वजह से बाहर थे, न कि वर्कलोड की वजह से। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 3 ही मुकाबले खेले थे। इनमें से दो में भारत को हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ हुआ था। भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की है।

गंभीर ने आलोचकों को दिया जवाब, कुछ जीतेंगे, कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे

ओवल । इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में बराबरी हासिल करने से भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद उत्साहित हैं। गंभीर को कोच बनने के बाद से ही ये पहली बड़ी सफलता मिली है क्योंकि इससे पहले हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे थे। ऐस में इस सीरीज के 2-2 से ड्रॉ रहने से गंभीर को बड़ी राहत मिली है। इस सीरीज में मिली सफलता के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर अपने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा, हम कुछ जीतेंगे, वहीं कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे। इसके बाद उन्होंने टीम की प्रशंसा की। ओवल टेस्ट के अंतिम दिन इंग्लैंड को जहां जीत के लिए मात्र 35 रनों की जरुरत थी पर भारतीय टीम के गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने उसके हाथ में आई जीत छीन ली। जिसके बाद से भी भारतीय प्रशंसकों में खुशी की लहर है। ये जीत टीम को अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना मिली मिली है।

इस सीरीज का पहला मैच मेजबान टीम ने जबकि दूसरा भारतीय टीम ने जीता। तीसरा टेस्ट जीतकर मेजबानों ने फिर बढ़त ली पर भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट को ड्रॉ पर रोक दिया। अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर सीरीज बराबरी पर ला दी। इस सरीज में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल तीन टेस्ट खेले। अंतिम टेस्ट बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 224 रन ही बना पायी। वहीं भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को भी 247 रनों पर ही रोक दिया। 23 रनों से पिछड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में 396 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया।

आजादी के 75 साल बाद भी गांव तक नहीं पहुंचा मोबाइल नेटवर्क

मोहनपुर ,चालीसबोड़ी सहित अन्य गांवो के ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। डिजिटल क्रांति के इस दौर में मानव समाज के ज्यादातर कार्य 5जी की स्पीड में,ऑनलाइन हो रहे हैं।लेकिन बालाघाट जिले में अब भी ऐसे कई गांव है जहां आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी ग्रामीणों को इंटरनेट सुविधा तो बहुत दूर की बात, मोबाइल नेटवर्क तक की सुविधा नहीं मिल पा रही है।जिसके चलते वहां के ग्रामीण संचार क्रांति और डिजिटल दुनिया से कोषो दूर है। जहां के ग्रामीणों को आपातकाल के समय सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अपनी इस मुख्य समस्या के समाधान के लिए वे पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालयो के चक्कर काटने के लिए मजबूर हैं।बावजूद इसके भी अब तक उनकी इस समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है।जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर उनकी इस समस्या का निदान किए जाने की मांग की है।मोबाइल नेटवर्क ना मिलने का यह ताजा मामला बालाघाट जिले के जनपद पंचायत परसवाड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहनपुर चालिसबोडी क्षेत्र का है।जहां चालिसबोडी सहित अन्य आसपास के कई गांवो में मोबाइल नेटवर्क नही मिलने से ग्रामीण परेशान है।वही उनके ऑनलाइन संबधित कार्य नही हो पा रहे है।जिसपर अपना एतराज जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपते हुए मोबाइल नेटवर्क की इस समस्या को दूर किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर बैहर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर समस्त गांवो के ग्रामीणों को एकत्र कर चक्काजाम आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

कहने को तो क्षेत्र में लगे हैं चार-चार टावर, पर नेटवर्क एक में भी नहीं

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि उनके गांव सहित अन्य आसपास के गांव को मिलाकर यहाँ चार-चार मोबाइल टावर लगाए गए है।किन्तु नेटवर्क किसी में नहीं है। बी.एस.एन.एल. नेटवर्क भी हमेशा बन्द रहता है, जिसके कारण उन्हें काफी परेशानीयों का समना करना पडता है, किसी का आपतकालीन फोन आये तो नेटवर्क की परेशानी रहती है।उन्होंने उनके नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नेटवर्क की बेहतर सेवा प्रदान करने की गुहार लगाई गई है।

मोबाईल नेटवर्क समस्या से कई गांवों के ग्रामीण परेशान

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत मोहनपुर के अन्तर्गत कुल 7 ग्राम पंचायत, चालिसबोडी के अन्तर्गत 04 ग्राम, पंचायत, कावेली के अन्तर्गत 05 ग्राम,पंचायत कंसगी के अन्तर्गत 06 ग्राम, पुलिस चौकी कंसगी, पुलिस चौकी सोनेवानी 14 प्रायमरी स्कूल, एक हायर सेकेन्डरी स्कूल, 03 मिडिल स्कुल , 01 कन्या छात्रावास मोहनपुर और 01 बालक छात्रावास कान्हाटोला में आते है।जहां आए दिन मोबाईल नेटवर्क की समस्या बनी रहती है।आनलाइन कार्य नहीं हो पाते है यह क्षेत्र अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। नेटवर्क नही होने के चलते कोई भी कार्य नहीं हो पाते है जिसके कारण जनता अत्यधिक परेशान हो रही है।

बिजली की समस्या का भी नही हो रहा निदान

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम कोडका, माटे, पालाघोंन्दी में बिजली है परन्तु केबल के तार होने के कारण कई दिनों तक लाइट बन्द रहती है।जिससे ग्रामीण जनों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पडता है।इस क्षेत्र से वनसम्पदा का भारी मात्रा में दोहन किया जाता है।जिससे शासन को करोडों रूपयों का राजस्व प्राप्त होता है। किन्तु उसी क्षेत्र की शासन द्वारा अनदेखी की जा रही है ।बिजली समस्या को लेकर भी कई बार शासन एवं प्रशासन को अवगत कराया गया है।किन्तु आज दिनांक तक कोई सुनवाई नहीं हुई।इसके अलावा सम्पूर्ण कृषक गणों को धान का पंजीयन एवं ईकेवायसी की सुविधा, फार्मर पंजीकरण तथा अन्य सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है ।

तो बैहर रोड़ पर करेंगे उग्र आंदोलन

स्थानीय ग्रामीणों ने वर्णित सभी परेशनियों को शीघ्र अतिशीघ्र दूर करने ,मोबाईल टावर से नेटवर्क की तत्काल सुविधा प्रदान करने की मांग की जिन्होंने ,मांग पूरी ना होने पर बैहर रोड़ में धरना प्रदर्शन, चक्का जाम कर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी हैं।

सचिव विहीन ग्राम पंचायत बेनेगांव- ग्रामीणों को नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखण्ड लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत बेनेगांव में सचिव की नियुक्ति न होने से पंचायत के सभी कार्य ठप पड़ गए हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष है। 28 जून 2025 को सचिव राधेश्याम सिल्लारे की सेवा समाप्त हो गई थी, लेकिन अब तक कोई नया सचिव पदस्थ नहीं किया गया, जो सीधे तौर पर प्रशासन की घोर लापरवाही को दर्शाता है। इतना ही नहीं, पंचायत के रोजगार सहायक नरेश शक्करपुड़े को भी जनपद पंचायत लांजी में अटैच कर दिया गया है, जिससे पंचायत में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं है। पंचायत भवन पूरी तरह सुनसान पड़ा है और आम जनता के काम अधर में लटक गए हैं।

जनता बेहाल, प्रमाण पत्रों और योजनाओं में हो रही देरी

जनता से जुड़े हुए केवाईसी कार्य अटके हुए हैं जिससे कई हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र जैसी बुनियादी सेवाएं ठप हैं। वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन व श्रमिक योजनाओं में फॉर्म सत्यापन तक नहीं हो पा रहा।

सरपंच ने जताई नाराजगी, किया ताला बंदी

ग्राम पंचायत के सरपंच संतोष बुढावने ने पंचायत की दुर्दशा और प्रशासन की बेरुखी से आक्रोशित होकर पंचायत भवन पर ताले जड़ दिए।

उनका कहना है कि जब तक सचिव की स्थायी नियुक्ति नहीं होती, हम ताले नहीं खोलेंगे। जनता की अनदेखी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आखिर प्रशासन मौन क्यों ?

आखिर प्रशासन मौन क्यों ? यह सवाल अब पूरे गांव में गूंज रहा है — क्या ग्रामीणों की समस्याएं प्रशासन के लिए कोई मायने नहीं रखतीं? क्या जनसेवा सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है? एक ओर सरकार ग्राम स्वराज और डिजिटल पंचायत की बात करती है, दूसरी ओर जमीनी हकीकत में पंचायतें बिना सचिव के चल रही हैं। ग्रामवासियों व जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर और सीईओ जनपद से तत्काल संज्ञान लेने की अपील की है और कहा है कि यदि जल्द कोई कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन होगा और आंदोलन को जिला स्तर तक ले जाया जाएगा।

कलेक्टर ने हट्टा शिविर में सुनी ग्रामीणों की समस्या?

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के लिए नवाचार करते हुए मंगलवार 05 अगस्त को बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत हट्टा में शिविर लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को इनका निराकरण करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत बनाएगी कॉलेज छात्राओं के लिए शौचालय

ग्राम पंचायत परिसर हट्टा में आयोजित इस शिविर में कलेक्टर श्री मीना ने आवेदकों की समस्याओं को सुना। इनमें से अधिकांश आवेदक शौचालय निर्माण के लिए राशि दिलाने एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आए थे। हट्टा कॉलेज की छात्राये कॉलेज में शौचालय (टॉयलेट) नही होने की शिकायत लेकर आयी थी। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने ग्राम पंचायत हट्टा के सरपंच उमेश सोनेकर से कहा कि छात्राओं की समस्याओं को देखते हुए कॉलेज परिसर में शौचालय (टॉयलेट) की व्यवस्था शीघ्र करे। इस पर सरपंच श्री सोनेकर ने सहमति देते हुए कहा कि छात्राओं के लिए कॉलेज में शीघ्र ही शौचालय (टॉयलेट) की व्यवस्था कर दी जाएगी।

शासन से राशि मिलते ही हितग्राहियों को आवंटित की जाएगी

हट्टा के किसान नहर से सिंचाई के लिए पानी नही मिलने की शिकायत लेकर आए थे। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को किसानों के साथ मौके पर जाकर नहर का निरीक्षण करने एवं किसानो की समस्याओं का शीघ्रता से समाधान करने के निर्देश दिए। एक छात्रा अपने पालक के साथ छात्रवृत्ति नही मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने मौके पर ही जिला शिक्षा अधिकारी को फोन लगाकर उसकी छात्रवृत्ति की समस्या का समाधान निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिन लोगो ने शौचालय के लिए आवेदन दिये है, शासन से राशि मिलते ही उन्हें शौचालय निर्माण के लिए राशि प्रदान कर दी जाएगी। ग्राम पंचायत हट्टा में आयोजित इस जनसुनवाई शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, जनपद सीईओ सुश्री ममता कुलस्ते, जनपद सदस्य श्रीमती रंजना वैद्य, सरपंच उमेश सोनेकर एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस शिविर में ग्रामीणो द्वारा विभिन्न समस्याओं से संबंधित 231 आवेदन प्रस्तुत किये गए।

गायखुरी शिवमंदिर से निकली कांवड़ यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। सावनमास के पावन अवसर पर प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अंतिम सावन सोमवार को शहर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी वैनगंगा नदी तट स्थित शिवमंदिर से भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करने कावंड़ यात्रा निकाली गई। ये कांवड़ यात्रा वैनगंगा नदी का जल लेकर वार्ड के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करते हुये महामृत्युंजय घाट पहुंची।जहां भगवान भोलेनाथ के मंदिर में शिवलिंग का जलाभिषेक किया गया।जिसके उपरान्त उपस्थित जनो ने भगवान भोलेनाथ की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। आयोजित कांवडयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं व युवा एवं बच्चे शामिल रहे। जो पैदल बम-बम भोले की जयघोष करते हुये डीजे की धुनों पर भोले बाबा के गीत में थिरकते हुये शामिल रहे। सावन मास के अवसर पर वैनगंगा नदी तट स्थित शिव मंदिर में सुंदरकाण्ड व अखंड रामायण पाठ का भी आयोजन किया गया था।बताया गया कि मंदिर में हर सोमवार भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने शिवभक्तों की भीड़ लगी रहती है।

बुद्ध विहार धम्म प्रशिक्षण के केन्द्र है-बी.एच.गायकवाड

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। भारतीय बौद्धो की एक मात्र राष्ट्रीय धार्मिक धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया अपने उद्देश्यो की पूर्ति हेतु 24 प्रकार के धम्म प्रशिक्षण शिविरो का आयोजन जिला, तहसील, नगर मुख्यालय में कर शीलवान समता मुलक समाज निर्माण कार्य निरंतर कर रही है। इसी क्रम में किरनापुर जिला बालाघाट मध्यप्रदेश मुख्यालय के शाक्य मुनि बुद्ध विहार में दो दिवसीय अंद्धश्रद्धा, चिंतन कार्यकर्ता धम्म प्रशिक्षण शिविर दिनांक 2 व 3 अगस्त 2025 को सम्पन्न हुआ। उक्त शिविर के मुख्य अतिथि, प्रबोधनकार बी.एच.गायकवाड गुरूजी राष्टीय सचिव, म.प्र., छ.ग.,गुजरात राज्यों के प्रालक मंत्री मुंबई, प्रमुख अतिथि, प्रबोधनकार डॉ.एड.एस.एस. वानखेडे सर राष्टीय सचिव, केन्द्रीय प्रशिक्षण विभाग प्रमुख एवं साउथ राज्यो के प्रभारी मुंबई,प्रमुख अतिथि गौतम पाटिल सर, राष्टीय संघठक एवं प्रदेश महामंत्री अजाक्स म.प्र. भोपाल,प्रमुख अतिथि एवं शिविर उदघाटक डॉ.चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष मप्र राज्य शाखा द. एवं केन्द्रीय शिक्षक थे,अध्यक्षता दुरेन्द्र सावनकर अध्यक्ष माजी श्रामनेर बोद्धाचार्य किरनापुर थे। विशेष अतिथि के रूप में एस.एल.रंगारे जिलाध्यक्ष बालाघाट, प्रदेश उपा.हेमलता डोंगरे,सचिव मप्र मनोज निकोसे भोपाल,आर.के.कठाने बालाघा बालाघाट, जिला उपा.खुशीयाल मेश्राम, देवानंद रंगारे हट्टा,मंजू सुर्यवंशी, सचिव के.के.भालाधरे, पी.डी.भालाधरे,आनंद वैध, बी.एल.घाल्लेकर, धरम श्यामकुंवर,एम.के.मडामें बी.आर.रामटेके पूर्व तहसील अध्यक्ष लांजी, सभी तहसीलों के अध्यक्ष प्रमोद कुमार भिमटे लांजी,कैलाश भोरजार खैरलांजी, आर.डी.बंसोड, अभिराज मेश्राम वारासिवनी, आर.डी. देशभ्रतार बैहर एवं अन्य साथी उपस्थित रहे। दोनो दिन सामूहिक पूजा वंदना के बाद प्रशिक्षण शिविरों में मुंबई से पधारे अतिथि एवं प्रशिक्षक व प्रबोधन द्वारा प्रशिक्षण दिया गया,गायकवाड गुरूजी ने प्रशिक्षण के दौरान आदर्श जीवन जीने की कला के टिप्स दिये तथा उन्होने कहा कि बुद्ध विहार यह धम्म प्रशिक्षण के केन्द्र है,उसी प्रकार डॉ.एड.वानखेडे ने भी बताया कि अंद्धश्रद्धा एक सामाजिक समस्या है उन्होने आगे कहा कि बौद्ध धम्म यह सामाजिक क्रांति है,इस प्रकार के शिविर निरंतर आयोजित होना चाहिए। भोपाल से पधारे गौतम पाटिल जी ने महाबोधी विहार बोधगया आंदोलन की जानकारी दी तथा सभी ने आंदोलन में सहयोग करने की अपील की। शिविर उदघाटक संस्था के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे ने उदघाटन अवसर पर बताया कि संस्था अपने उद्देश्यो की पूर्ति हेतु 24 प्रकार के धम्म प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन निरंतर कर रही है सभी पदाधिकारी धम्म के प्रचारक है,सभी ने संस्था के माध्यम से निरंतर धम्म कार्य करना चाहिए।इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु किरनापुर शाखा के महासचिव विनय चौरे ,कोषाध्यक्ष गौतम भिमटे, संगीता नागवंशी, हरिचंद गौरकर, हंसराज वाहने, प्रियंका हुमनकर,कपिल वानखेडे, रमाशंकर हिरकने, एन.एल.निकोसे, अशोक रामटेके, विनोद भिमटे तथा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण शाखाओं के पदाधिकारी व जिले के अन्य व क्षेत्रो के विशेषकर समता सैनिक दल लांजी के अध्यक्ष पंकज मेश्राम कोषाध्यक्ष, चंद्रदीप रामटेके, विकास सुर्यवंशी किरनापुर, इनकी टीम द्वारा अतिथि एवं उपस्थित जन समुदाय को जनरल सलामी दी गई। वही मुंबई के अतिथियो ने समता सैनिक दल के जवानों को आवश्यक दिये।

लामता में साइकिल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

लामता(पद्मेश न्यूज़)। प्रदेश सरकार की साइकिल वितरण योजना के तहत मंगलवार 5 अगस्त को शासकीय माध्यमिक शाला लामता में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां शाला में संचालित नर्सरी से कक्षा आठवीं तक कुल दर्ज संख्या 221 विघार्थियों में से कक्षा 6वीं में लामता के अलावा अन्य बसाहट के कुल 10 छात्रो को शासन से प्राप्त साइकिलों का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत लामता सरपंच हुलासमल कोचर की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्कूली विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई। जहां साइकिल पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों तथा पालकों की उपस्थिति में किए गए साइकिल वितरण के दौरान शाला के प्रधान पाठक सुखदेव सिंह मरावी, शिक्षिका संगीता उइके, श्रीमती सुषमा जुगादे, श्रीमती नूतन हरिनखेरे, अगदीप धनगर, अवलेश बंसोड़, श्रीमती निर्मला बिसेन, श्रीमती स्निग्धा अंबिलकर एवं श्रीमती पूर्णिमा भगत सहित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

स्वर्णकार समाज की युवा कार्यकारिणी ने किया अखंड रामायण पाठ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर के स्थानीय संत श्री नरहरि महाराष्ट्रियन स्वर्णकार समाज के भवन में समाज की युवा कार्यकारणी द्वारा अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया, यहां सामाजिकबंधुओं द्वारा पूरे विधि विधान से सावन के इस अंतिम सोमवार में अखंड रामायण पाठ करते हुए हवन पूजन व महाप्रसाद वितरण किया गया । आपको बता दे की सावन के इस महीने में सभी श्रद्धालु अपने-अपने स्तर पर कार्यक्रम आयोजन कर रहे हैं। इसी क्रम में संत श्री नरहरि महाराष्ट्रियन स्वर्णकार समाज की युवा कार्यकारिणी द्वारा स्थानीय भटेरा स्थित स्वर्णकार समाज के भवन में सावन के अंतिम सोमवार 4 अगस्त से अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इसमें समाज की जिला युवा कार्यकारिणी द्वारा पहले ही तय किया गया था कि सावन के अंतिम सोमवार को वह अखंड रामायण का पाठ करेंगे। जिसका 5 अगस्त को विधि विधान के साथ हवन, पूजन कर महाप्रसाद वितरण किया गया । इसमें समाज के सामाजिकबंधुओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में जिला युवा कार्यकारिणी अध्यक्ष पंकज कुर्वे , उपाध्य रोहित फाये , रूपल घुले , सचिव चैतन्य ढोमणे , सह सचिव लोकेश फाये एवं पुनीत बांगरे, कोषाध्यक्ष नितिन निनावे , सह कोषाध्यक्ष ललित कुर्वे , युवा प्रवक्ता रंजीत हाडगे , संगठन मंत्री शुभम भरने, श्री वैभव वाडेकर, शैलेश घुले , मीडिया प्रभारी जितेंद्र टेटे , सोशल मीडिया प्रभारी वैभव यरपुड़े उपस्थित रहे ।

सर्वर डाउन सूनी ना रह जाए कलाइयां

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। 03 दिनों बाद बहन-भाई के पवित्र रिश्तों का त्यौहार रक्षाबंधन है. ऐसे में भाइयों से दूर रहने वाली बहनें अपने भाईयों को राखी भेजने की लगातार कोशिशें कर रही है किंतु बहनों की भावनाओं पर डाकघरों की तकनीकी समस्या ने खलल डाल रखा है और यह हाल केवल कटंगी का नहीं बल्कि समूचे बालाघाट जिले के डाकघरों का है. डाक विभाग में एक सप्ताह पहले लागू किया गया एडवांस सॉफ्टवेयर 2.0 तकनीकी समस्या से जूझ रहा है. इस सॉफ्टवेयर के जरिए जैसे ही डाकघरों में काम शुरू हुआ, सर्वर डाउन हो गया और रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट, खातों से जुड़ी सेवाएं समेत तमाम कार्य पूरी तरह से प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है. नए सॉफ्टवेयर के सर्वर में तकनीकी समस्या होने के कारण बहनें अपने भाइयों राखी तक नहीं भेज पा रही है. विभाग की इस तकनीकी चूक का असर सीधे आम जनता पर पड़ा, वहीं इससे लाखों रुपए के राजस्व नुकसान की भी आशंका जताई जा रही है. जिले भर के डाकघरों में बड़ी संख्या में डाक पार्सल रखे हुए है।

मंगलवार को त्योहारी सीजन को देखते हुए बड़ी संख्या में महिलाएं अपने भाइयों को राखी भेजने के लिए सुबह से कटंगी डाकघर पहुंचीं. जहां सुबह करीब 02 घंटे तक सर्वर ने ठीक काम किया लेकिन फिर अचानक से सर्वर डाउन हो गया और शाम होने तक डाउन ही रहा. बहनें राखी और कई लोग जो जरूरी दस्तावेज और पार्सल लेकर पहुंचे थे. उन्हें निराश होकर वापस अपने घरों को लौटना पड़ा. स्थानीय कर्मियों का कहना था कि तकनीकी अपडेट के बावजूद सॉफ्टवेयर काम नहीं कर रहा. विभागीय सूत्रों के अनुसार, स्थिति सामान्य होने में दो से तीन दिन का समय लग सकता है. यानी जो बहनें अब भी डाकघरों से ही अपने भाईयों को राखी भेजने की तैयारी में है उनकी राखी समय पर भाई तक पहुंचेगी या नहीं कहना थोड़ा मुश्किल है. बहनें चाहती हैं कि उनकी राखी समय से अपने भाई तक पहुंचे, खासकर जो दूर शहरों में या विदेश में रह रहे हैं, लेकिन डाक विभाग ने नए सॉफ्टवेयर की वजह से लोगों की खुशियों को फीका कर दिया है. डाक सेवाओं के ठप होने का सीधा असर निजी कोरियर सेवाओं पर दिखा. शहर के कई इलाकों में कोरियर की दुकानों पर भीड़ देखी गई. लोगों ने स्पीड पोस्ट और रजिस्ट्री के लिए कोरियर विकल्प चुना, जिससे इन सेवाओं की मांग में अचानक तेजी आ गई।

किरनापुर लांजी मुख्य मार्ग बिनोरा मे स्कूल की चलती गाड़ी के पहिए का एक्सल टूटा

व्यस्तम मार्ग पर टल गई गंभीर दुर्घटना, ईगल माउंटेन इंटरनेशनल स्कूल का है वाहन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय किरनापुर में संचालित ईगल माउंटेन इंटरनेशनल स्कूल की स्कूल वेन 5 अगस्त कोप्रातः 10:20 बजे ग्राम बिनोरा में उस समय दुर्घटना ग्रस्त हो गई जब वेन स्कूल के बच्चों को लेने गई हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बच्चों को वाहन में बिठा कर वाहन चालक किरनापुर स्कूल जा रहा था कि इसी समय उक्त वाहन के सामने वाले पहिए का एक्सल टूटा गया। और स्कूली वाहन लहराते हुए सड़क पर ही खड़ा हो गया। बताए कि किरनापुर लांजी मार्ग काफ़ी व्यस्तम मार्ग है और इस मार्ग से उक्त अवधि में बड़ी मात्रा में यात्री बसों, स्कूली बच्चों सहित लोगों की आवाजाही लगी रहती हैं। और ऐसे समय में यदि यह स्कूल वेन किसी अन्य वाहन से भिड़ जाती तो भयानक दुर्घटना होने की संभावना को नकारा नही जा सकता था। उक्त स्कूल वेन के इस तरह से वाहन की चलती स्थिति में दुर्घटना होने पर ग्रामीणों ने स्कूल संचालक एवं प्रबंधन के विरुद्ध नाराजगी जाहिर करते हुए मासूम बच्चों की जान को जोख़िम मे डालने वाला क़दम बताया है।वहीं जिस समय यह घटना घटित हुई उस समय उक्त वाहन मे 25 से 30 बच्चे सवार थे। जिस पर आनन फानन मे स्कूल संचालक एवं प्रबंधन ने एक अन्य वाहन बुलवाकर बच्चों को स्कूल भिजवाया। इस तरह से स्कूल संचालक एवं प्रबंधन की लापरवाही मासूम बच्चों की जान पर भारी पड़ती जा रही है।यहां आगे यह बताना भी लाज़मी है कि स्कूल संचालक द्वारा स्कूल में कक्षा नवमी एवं 10 वी की क्लॉस भी बिना अनुमति एवं मान्यता के इस स्कूल में चलाई जा रही हैं।जिसकी शिकायत भी खण्ड शिक्षा अधिकारी किरनापुर को की गई। किन्तु जांच के नाम पर महज़ फॉर्मेलिटी निभा दी गई हैं। जिसे जिला प्रशासन को गंभीरता से लेकर जांच किए जाने की आवश्यकता है। वही किरनापुर मुख्यालय एवं क्षेत्र में संचालित प्राइवेट स्कूल में चल रही अधिकांश गाड़ियों के बिना इंश्योरेंस, फिटनेस परमिट के चलाए जाने की जानकारी मिल रही है और ऐसी मे इन समस्त गंभीर बिन्दुओं पर सिलसिलेवार जांच प्रशासनिक स्तर पर किए जाना चाहिए।

इनका कहना है

लांजी बालाघाट मुख्य मार्ग पर चलते चलते स्कूल की गाड़ी का एक्सल टूट गया और चक्का बैठ गया। जिस समय यह घटना घटित हुई उस समय वाहन मे बच्चे बैठे हुए थे, ईश्वर की कृपा से बच्चे बाल बाल बच गए अन्यथा बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

रमेश राहंगडाले
प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीण बिनोरा

यह गाड़ी ईगल माउंटेन स्कूल की है,मैं बिनोरा बच्चे उठाने के लिए आया था, अचानक चलते चलते गाड़ी का एक्सल टूट गया जिस समय यह हादसा हुआ उस समय गाड़ी में 25 बच्चे सवार थे। यह हादसा लांजी मुख्य मार्ग पर ग्राम बिनोरा मे हुआ है।

शिवम नागवंशी
किन्ही निवासी वाहन चालक

स्कूल वाहन के दुर्घटना ग्रस्त होने की जानकारी मिली है,गाड़ी का एक्सल टूट जाने से यह स्थिति बनी है उस समय गाड़ी में 20 से 25बच्चे बैठे हुए थे। समस्त स्कूलों के वाहनों की शासन से निर्धारित बिन्दुओं पर सिलसिलेवार जांच कराई जाएगी। और आरटीओ को भी जांच करने के लिए पत्र लिखा है।

गणेश प्रसाद सोनी
खण्ड शिक्षा अधिकारी किरनापुर

नगर के एमएलबी स्कूल के सामने चाकू बाजी में एक छात्र घायल हो गया

एक छात्र को एक दर्जन से अधिक युवकों ने घेर कर मारपीट किये और चाकू मारकर किये घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। नगर के एमएलबी स्कूल के सामने एक दर्जन से अधिक युवकों ने एक छात्र को घेर कर उसे हाथबुक्के और चाकू से मार कर घायल कर दिया। 5 अगस्त की शाम 5:00 बजे यह घटना उस समय हुई जब यह छात्र महात्मा गांधी नगर पालिका स्कूल से छुट्टी होने के बाद अपने दोस्त के साथ पैदल अपने घर आ रहा था।घायल छात्र गौरव पिता नरेंद्र क्षीरसागर 17 वर्ष वार्ड नंबर 1 भटेरा चौकी बालाघाट निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। इस छात्र पर हमला करने वाला छात्र अंश दांदरे सरेखा कोसमी निवासी और उसके दोस्त बताये गये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरव क्षीरसागर नगर भटेरा चौकी निवासी महात्मा गांधी नगर पालिका स्कूल में कक्षा दसवीं का छात्र है और गौरव क्षीरसागर की कक्षा में अंश दांदरे भी पढ़ाई करता है। बताया गया कि छात्र गौरव शीरसागर और अंश दांदरे के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। 5 अगस्त की शाम 5:00 बजे करीब जब स्कूल से छुट्टी होने के बाद गौरव क्षीरसागर अपने दोस्त राज डोंगरे के साथ महात्मा गांधी नगर पालिका स्कूल से पैदल अपने घर जाने निकला था। तभी एमएलबी स्कूल के सामने अंश दांदरे एक दर्जन से अधिक युवकों के साथ एमएलबी स्कूल के सामने आ गया और छात्र गौरव क्षीरसागर को घेर लिए और अंश दांदरे ने छात्र गौरव क्षीरसागर को बोला कि तुम हमें मारने वाले थे। अंश दांदरे के यह कहते ही अंश दांदरे और उसके साथियों ने छात्र गौरव क्षीरसागर को हाथ बुक्के से मारपीट करना शुरू कर दिए। इसी दौरान किसी युवक ने छात्र गौरव क्षीरसागर के पीछे दोनो कूल्हे पर चाकू से वार कर दिए। अंश दांदरे के कहने पर ही उसके साथियों ने मारपीट करना बंद किये। उसके बाद अंश दांदरे नें छात्र गौरव क्षीरसागर को घर जाने के लिए बोला। घायल छात्र गौरव क्षीरसागर पैदल अपने घर आ रहा था उसी समय उसका चाचा रास्ते में मिल गया। जिसने अपनी मोटरसाइकिल से छात्र गौरव क्षीरसागर को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। इस घटना की खबर मिलते ही जिला अस्पताल पुलिस के अलावा कोतवाली पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंच गई थी। घायल छात्र गौरव क्षीरसागर का बयान लेकर आगे कार्रवाई की जा रही थी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

हत्या के मामले में एक व्यक्ति और उसके दो बेटों को आजीवन कारावास

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश रघुवीर प्रसाद पटेल की अदालत का फैसला

राजाराम ने दो बेटों के साथ की थी अपने छोटे भाई की हत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। विद्वान प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश रघुवीर प्रसाद पटेल की अदालत ने हत्या के मामले में एक व्यक्ति और उसके दो बेटों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। तीनों आरोपी जिनमे राजाराम पिता फेदु चौधरी 60 वर्ष और उसके दो बेटे विनोद पिता राजाराम चौधरी 28 वर्ष और प्रमोद पिता राजाराम चौधरी 20 वर्ष दोनों ग्राम घघरिया थाना चांगोटोला निवासी है। राजाराम चौधरी ने अपने दोनों बेटों के साथ अपने भाई जयराम चौधरी की हत्या और दूसरे भाई घनश्याम चौधरी को चोट पहुंचाई थी। विद्वान अदालत ने प्रत्येक आरोपी को 1500-1500 रुपए अर्थदंड से भी दंडित किए हैं। इस मामले में शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक प्रदीप कुमार सोनी द्वारा पैरवी की गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांगोटोला थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घघरिया निवासी राजाराम चौधरी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिनका अपने छोटे भाई जयराम चौधरी और घनश्याम चौधरी के साथ पारिवारिक और जमीन जायदाद को लेकर विवाद चल रहा था ।21 जून को 4ः00 बजे ग्राम घघरिया स्थित खेत में विवाद के चलते राजाराम चौधरी ने अपने दोनों बेटे विनोद चौधरी और प्रमोद चौधरी के साथ मिलकर जयराम चौधरी और घनश्याम चौधरी पर हमला कर उन्हें हकनी फावड़ा और लाठी से मारपीट किए थे। जिसमें जयराम चौधरी की मौत हो गई थी और घनश्याम चौधरी घायल हो गया था ।इस मामले में चांगोटोला पुलिस ने राजाराम चौधरी और उसके दोनों बेटे विनोद चौधरी और प्रमोद चौधरी के विरुद्ध धारा 302 324 34 भारतीय दंड विधान के तहत अपराध दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार किए गये थे। विवेचना अनुसंधान उपरांत विद्वान अदालत मे अभियोग पत्र पेश किया गया था। हाल ही में यह मामला विद्वान प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश रघुवीर प्रसाद पटेल की अदालत में चला। जहां अभियोजन पक्ष तीनों आरोपियों के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा ।जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए अपनी विवेचन निष्कर्ष और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर राजाराम चौधरी उसके दोनों बेटे विनोद चौधरी और प्रमोद चौधरी को धारा 302 भादवि के तहत अपराध में आजीवन कारावास और प्रत्येक को एक-एक हजार रुपये अर्थदंड, धारा 324 भादवि के तहत अपराध में 6 माह का कठिन कारावास और प्रत्येक को पांच-पांच सौ रुपये अर्थदंड से दंडित किये।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

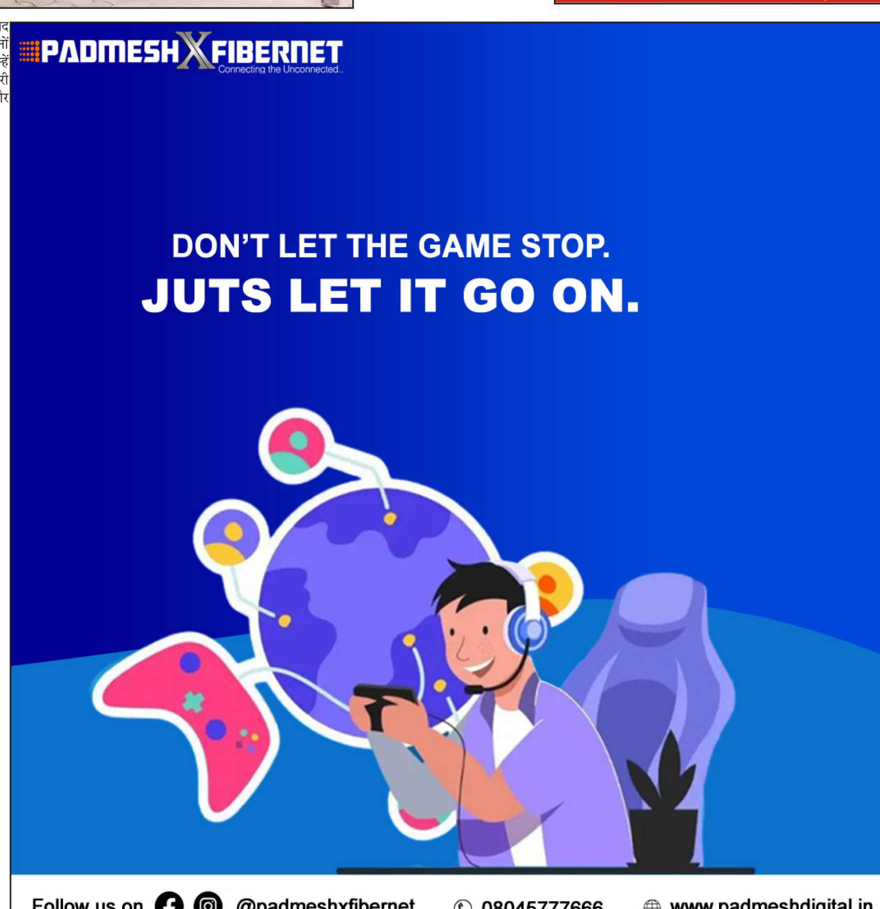

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट